वर्ष 69 अंक 104 पृष्ठ 16
भोपाल, रविवार 11 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 09, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

खेती करना मनुष्य का सबसे महत्वपूर्ण श्रम है। जब खेती शुरू होती है, तो अन्य सभी कलाएं और कार्य अपने आप विकसित होते हैं। इसलिए किसान ही सभ्यता के वास्तविक संस्थापक हैं।
- डैनियल वेब्स्टर

इम्पैक्ट फीचर

कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित कर प्रदेश के उत्पादों की राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति की जाएगी सुनिश्चित

कृषि वर्ष-2026 में 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' के लक्ष्य को करेगी साकार : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जो कहते हैं वह करके दिखाते भी है। किसान पुत्र डॉ. यादव ने भाजपा के उस संकल्प को पूरा करने का ताना-बाना बुन लिया जिसमें प्रदेश के किसानों की आमदनी दोगुनी करने की बात कही गई थी। मुख्यमंत्री कई बार कह चुके कि विकसित भारत बनाने के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का होना जरूरी है और ये आत्मनिर्भरता गांव के विकास से ही संभव है:। गांवों के विकास के लिए किसानों का समृद्ध होना आवश्यक है, इसी सोच को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2026 को कृषि और किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लिए गये निर्णय अनुसार वर्ष-2026 को प्रदेश में कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में विविध जलवायु जोन, पर्याप्त सिंचाई सुविधा, बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है। इसका लाभ लेकर किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन के उद्देश्य आधारित गतिविधियां संचालित कर प्रदेश में 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' के लक्ष्य को साकार किया जाएगा।

किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन को प्रमुखता से लिया जाएगा

कृषि वर्ष-2026 में आरंभ की जा रही सभी गतिविधियां तीन साल का लक्ष्य निर्धारित कर संचालित की जाएंगी। किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए कृषि यंत्रीकरण, कृषकों के क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, उद्यानिकी विस्तार, एफपीओ निर्माण आधारित गतिविधियों को प्रमुखता दी जाएगी। इसके साथ ही सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए माइक्रो इरीगेशन, बेहतर बाजार नेटवर्क, किसानों को उनके उत्पाद का वाजिब मूल्य दिलवाने, पशुपालन तथा मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए कृषकों को प्रेरित करने जैसे प्रयास किए जाएंगे। कृषि वर्ष में जलवायु के अनुकूल कृषि प्रबंधन, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, श्रीअन्न उत्पादन के प्रोत्साहन और जैव विविधता तथा परम्परागत कृषि ज्ञान के संरक्षण और प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित कर उनकी राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों को कृषि में उन्नत राज्यों और देशों की यात्रा करायेंगे

कृषि वर्ष में कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में अन्य राज्यों में हो रहे सफल नवाचारों की जानकारी से किसानों को रू-ब-रू कराएंगे। इसके साथ ही किसानों को कृषि में उन्नत राज्यों और इजराइल तथा ब्राजील जैसे कृषि के क्षेत्र में नवाचार करने वाले देशों की यात्रा कराया जाएगा। समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किसान कल्याण, सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास तथा सिंचाई विभाग परस्पर समन्वय से कार्य करेंगे।

प्रदेश के सभी जिलों में फूलों की खेती को करेंगे प्रोत्साहित

भोपाल में होने वाले गुलाब महोत्सव को पुष्प महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों में उत्पादित होने वाले अन्य फूलों को भी शामिल किया जाएगा तथा सभी जिलों में फूलों की खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा। वर्ष-2028 का 'इंटरनेशनल रोज़ कॉम्पीटिशन' भोपाल में होना प्रस्तावित है। सिंहस्थ : 2028 को देखते हुए उज्जैन जिले के 100 एकड़ क्षेत्र में फूलों की खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में पराली निष्पादन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। एफपीओ को दुग्ध उत्पादन गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा। सहकारिता और कृषि क्षेत्र में आरंभ स्टार्ट अप को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

आरई पॉलिसी एवं क्रियान्वयन योजनाएं

- मध्यप्रदेश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा नीति-2025
- मध्यप्रदेश पंप हाईड्रो स्टोरेज परियोजना क्रियान्वयन योजना 2025
- मध्यप्रदेश बायोमास परियोजना क्रियान्वयन योजना 2025

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान घटक-स

- लगभग 14500 मेगावाट के 550 प्रस्ताव प्राप्त
- लगभग 4500 मेगावाट का क्रियान्वयन शुरू
- रू.2.40 से 2.85 के बीच प्राप्त दर भारत की डीआरई न्यूनतम दरों में
- ग्रिड प्रबंधन व दिन के समय सस्ती बिजली प्रदाय के लिए अनेक नवाचार

शासकीय भवनों में सोलर रूफटॉप

- प्रदेश के सभी जिलों में सोलर रूफटॉप स्थापित करने का लक्ष्य
- 47 जिलों के 1500 शासकीय भवनों में 70 मेगावाट क्षमता का कार्य प्रारंभ

प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना

- 76000 घरों में 292 मेगावाट स्थापित
- मध्यप्रदेश देश में छठवें स्थान पर

दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टेयर सिंचाई क्षेत्र का हुआ विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गत दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टयर क्षेत्र में नई सिंचाई क्षमता विकसित हुई है। प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वर्ष 2026 तक 8.44 लाख हैक्टयर की वृद्धि होगी। प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र 100 लाख हैक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल का प्रयोग कर की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पार्वती-काली-सिंध और चम्बल अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना, केन-बेतवा अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना की स्वीकृति और केंद्र सरकार के सहयोग को राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए राज्य में भी विभिन्न नदियों को जोड़ने के लिए नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के निर्देश दिए। राज्य में नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत उज्जैन जिले में कान्ह-गंभीर, मंदसौर, नीमच और उज्जैन में कालीसिंध-चंबल,

सतना जिले में केन और मंदाकिनी, सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिले में शक्कर पेंच और दूधी तामिया, रायसेन जिले में जामनेर नेवन और नेवन-बीना नदियों का सर्वेक्षण किया गया है। इस सभी के क्रियान्वयन से कुल 5 लाख 97 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकेगी। इनकी अनुमानित लागत 9870 करोड़ रुपए होगी। सात जिलों के हजारों किसान इन योजनाओं से लाभान्वित होंगे। राज्य की नदियों में बाढ़, जल प्रबंधन, जल के समुचित उपयोग नदी कछारों में पर्याप्त जल की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से राज्य की नदियों को आपस में जोड़ने के लिए तकनीकी दल का गठन 13 नवम्बर 2024 को किया गया था । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल की झील की प्राचीन तकनीक का अध्ययन कर इस तर्ज पर कम लागत में सुरक्षित जलाशय एवं बांध निर्माण की अवधारणा पर कार्य करने के निर्देश दिए।

नवकरणीय ऊर्जा में नए पायदानों की ओर अग्रसर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में, मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर नए पायदानों को छू रहा है। मध्यप्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्ष 2030 तक प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा भारत राष्ट्र के लिये निर्धारित 500 गीगावॉट के लक्ष्य को पाने के लिये राज्य पूर्ण रूप से तत्पर है। नवकरणीय ऊर्जा आज केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बन चुकी है। मध्यप्रदेश ने इस क्षेत्र में बीते वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। प्रदेश में वर्ष 2012 में कुल विद्युत उत्पादन क्षमता में नवकरणीय ऊर्जा का योगदान मात्र 5 प्रतिशत था। सतत और नियोजित प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2025 तक यह बढ़कर लगभग 28 से 30 प्रतिशत हो गया है। पिछले 12 वर्षों में प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में लगभग 21 गुना वृद्धि हुई है। 2012 में जहाँ यह क्षमता 438 मेगावॉट थी, वहीं वर्ष 2025 तक यह बढ़कर लगभग 9,508 मेगावॉट के स्तर तक पहुँच चुकी है। इसमें सौर ऊर्जा से लगभग 5,781 मेगावॉट, पवन ऊर्जा से लगभग 3,448 मेगावॉट, बायोमास से 155 मेगावॉट और लघुजल विद्युत से 124 मेगावॉट का योगदान शामिल है।? विगत 2 वर्षों में प्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। नवंबर 2023 से नवंबर 2025 के बीच प्रदेश की कुल नवकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में लगभग 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि में सौर ऊर्जा सबसे तेज़ी से उभरने वाला क्षेत्र रहा, जहाँ क्षमता 3,169 मेगावॉट से बढ़कर 5,781 मेगावॉट हो गई, इसमें लगभग 82 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई। पवन ऊर्जा में 21 प्रतिशत और बायोमास तथा स्मॉल हाइड्रो में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है।

नवीन नीतियों ने तैयार किया निवेश अनुकूल माहौल

प्रदेश सरकार द्वारा नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए 3 नवीन नीतियां लागू की गईं। इनमें मध्यप्रदेश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा नीति - 2025, मध्यप्रदेश पंप हाइड्रो परियोजना क्रियान्वयन योजना - 2025 और मध्यप्रदेश बायोमास परियोजना क्रियान्वयन योजना 2025 शामिल हैं। निवेश-अनुकूल और दूरदर्शी नीतियों ने एक मजबूत आधार प्रदान किया है। इन नीतियों के माध्यम से निवेशकों को स्पष्ट नीति ढांचा, सरल प्रक्रियाएँ और दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान की गई है, जिससे प्रदेश में निजी निवेश, परियोजना विकास और रोजगार सृजन को नई गति मिली है। निवेश अनुकूल नीतियों को लागू करने से प्रदेश ने जीआईएस-2025 में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की। मध्यप्रदेश सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु सरल नीतियाँ, पूंजीगत सब्सिडी, कर-छूट, भूमि आवंटन में सुगमता तथा पम्प स्टोरेज एवं बायो-फ्यूल परियोजनाओं हेतु विशेष प्रोत्साहन प्रदान किए हैं। इसी का परिणाम है कि 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2025 प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही। इस समिट में 299 निवेशकों द्वारा लगभग 5.72 लाख करोड़ रूपये के 'इन्टेन्ट-टू-इन्वेस्ट' प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 1.85 लाख नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। विशेष रूप से नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 31 निवेशकों द्वारा लगभग 2.65 लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्तावित किए गए हैं, जिनके लिए संबंधित कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इनमें से लगभग 1.78 लाख करोड़ रूपये की परियोजनाओं पर प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। पंप स्टोरेज नीति के अंतर्गत प्रदेश में लगभग 8,450 मेगावॉट की परियोजनाएँ पंजीकृत हो चुकी हैं तथा 7,200 मेगावॉट की परियोजनाएँ पंजीकरण की प्रक्रिया में हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश में लगभग 78,153 करोड़ रूपये का निवेश आकर्षित होने की संभावना है, जो ऊर्जा भंडारण, ग्रिड स्थिरता और रोजगार सृजन-तीनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मध्यप्रदेश के 'अन्नदाता' अब बनेंगे 'ऊर्जादाता'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में किये जा रहे अनेक कल्याणकारी कार्यों से प्रदेश में अन्न उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है। किसानों को खेती के लिये खाद बीज की सहज उपलब्धता के साथ सिंचाई के संसाधन भी उपलब्ध कराये जा रहे है। इसी दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में 52 हजार किसानों के खेत में सोलर पंप स्थापित करने की योजना प्रारंभ की गई है। सोलर पंप स्थापित हो जाने से अब प्रदेश का किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनेगा। अब प्रदेश के किसान सूरज से खेती करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस अभिनव पहल के तहत 34 हजार 600 इकाइयों को लेटर ऑफ अवार्ड जारी कर 33 हजार कार्यदेश जारी किए जा चुके हैं। किसान के खेत में सोलर पम्प स्थापित होने से अब उन्हें विद्युत प्रदाय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। बिजली बिल पर व्यय होने वाली यह राशि अब उनके पास बचत के रूप में रहेगी। इसके अतिरिक्त सोलर पम्प से उत्पादित अतिरिक्त ऊर्जा को किसान सरकार को बेच कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकेंगे। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा लगातार किसानों को सोलर प्रोजेक्ट लगाने के लिए विभिन्न योजनाओं में लाभ प्रदान कर सक्षम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 52 हजार किसानों के खेतों में सोलर पम्प लगाने का अभिनव नवाचार किया है।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल गुणवत्ता का होगा व्यापक परीक्षण ▸▸ स्वच्छ पेयजल के लिए नागरिकों को किया जाएगा प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया 'स्वच्छ जल अभियान' का आगाज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रांत व्यापी 'स्वच्छ जल अभियान' का शुभारंभ हुआ है। यह अभियान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ शुरू किया गया है। अभियान में नगरीय निकायों एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों के साथ पंचायत एवं ग्रामीण, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के राज्य एवं जिला के अधिकारी भी अभियान का हिस्सा बनाए गए हैं।

अभियान का मुख्य उद्देश्य

अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल गुणवत्ता का व्यापक परीक्षण करना है। साथ ही जल आपूर्ति प्रणाली में लीकेज, दूषित जल की पहचान कर समय पर सुधार करना, जिससे जल-जनित बीमारियों से बचाव हो सके। स्वच्छ जल के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित और जांच प्रक्रिया में सहभागिता के लिए जागरूक करना, जिससे आमजन स्वयं ही पानी की गुणवत्ता पर ध्यान दें और समय रहते प्रशासन को अवगत करा सकें।

अभियान का संचालन

प्रदेश में अभियान का संचालन दो चरणों में किया जाएगा। पहला चरण 10 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। अभियान का दूसरा चरण एक मार्च से प्रारंभ होकर 31 मई तक चलेगा। अभियान अन्तर्गत प्रदेश स्तर पर समस्त सतही और भू-जल पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता का परीक्षण, समस्त जल शोधन संयंत्र, पेयजल संग्रहण की टंकी, वितरण प्रणाली से प्रदाय किये जाने वाले जल की गुणवत्ता का परीक्षण, समस्त जल शोधन संयंत्र, पेयजल टंकियों की सफाई, निकाय क्षेत्र के समस्त वार्ड, समस्त शासकीय एवं अशासकीय संस्थान, प्रत्येक आंगनवाडी, विद्यालय, महाविद्यालय, सामूहिक भवन और घर-घर जाकर जल की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। इस कार्य में स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएँ, स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग की होगी।

अभियान के तीन प्रमुख पहलू

1 जल सुरक्षा

- पानी की सेम्पलिंग एवं टेस्टिंग।
- समस्त हैंडपंप तथा ग्रामीण क्षेत्र के स्रोतों का सेनेटरी सर्वेक्षण करना।
- समस्त क्रियाशील हैंडपंपों तथा नलजल योजना के स्रोतों का डिसइंफेक्शन करना।
- खुले कुओं में स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से ब्लीचिंग पाउडर डालकर डिसइंफेक्शन कराना।
- समस्त टंकियों की सफाई।
- बोरवेल संधारण-मरम्मत/डोजिंग।
- आवश्यक मैनपावर केमिस्ट, मैकेनिक और प्लंबर।
- अमृत मित्र का प्रशिक्षण।
- प्रदूषित जल के स्रोत की पहचान एवं जल स्रोत का संरक्षण।
- ग्रामीण नलजल योजना के स्रोतों को गंदगी से बचाव हेतु आवश्यक प्रोटेक्शन कार्य।
- जल शोधन संयंत्र का प्रबंधन।
- एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट का प्रबंधन।
- जल गुणवत्ता गुणवत्ता निगरानी एवं सर्विलांस।
- ग्राम पंचायतों को त्वरित जल गुणवत्ता परीक्षण हेतु प्रशिक्षित करना।
- ज़िला स्तर पर प्रयोगशाला की स्थापना।

2 जल संरक्षण

- सुधारात्मक कार्यवाही-लीकेज को चिन्हित कर दुरुस्त करना।
- पाइप लाइन के आस-पास ट्रैवर्स कर लीकेज की पहचान करना।
- साधारण मरम्मत के कार्य (माइनर रिपेयर वोल्व एवं जॉइंट्स)
- पेयजल वितरण प्रणाली के हर डिस्चार्ज पॉइंट पर IOT Sensors के माध्यम से रेसिडुअल क्लोरीन (residual chlorine) की जाँच की जाएगी।
- जल वितरण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण।
- जल भंडारण एवं जलाशय प्रबंधन।
- हैंडपंप के प्लेटफार्म एवं निकास नाली की मरम्मत।
- अपशिष्ट जल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।
- जन जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता।

3 जल सुनवाई

- प्रत्येक निकाय में कॉल सेंटर की स्थापना।
- समस्त निकायों में हेल्पलाइन नंबर (181) उपलब्ध कराना।
- हर मंगलवार की जिलावार जनसुनवाई में नागरिक जल सम्बंधित शिकायतें ले जा सकते हैं जिसकी त्वरित सुनवाई की जाएगी।
- यदि नागरिक जनसुनवाई में दूषित जल सैंपल लेकर आते हैं, तो उसके टेस्ट रिजल्ट 48 घंटे में बता दिए जाएंगे।
- पंचायत स्तर पर हर मंगलवार को जल सुनवाई की जाएगी।
- शिकायत निवारण प्रणाली।
- स्वच्छ जल का डेटा एकत्रित करना।
- मोहल्ला / वार्ड समिति का सबलीकरण तथा नियमित बैठक का आयोजन।
- IEC के माध्यम से जागरूकता।

D-16140/25

वर्ष 69 अंक 104 पृष्ठ 16
भोपाल, रविवार 11 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण Sunday

www.dainikjagranmpcg.com

ऑफ बीट

अफसर का फोन खोया बढ़ा न्यूक्लियर खतरा

जापान में एक सरकारी अधिकारी का मोबाइल फोन खोने से देश के न्यूक्लियर सुरक्षा तंत्र को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला जापान की न्यूक्लियर रेगुलेशन अथॉरिटी (एनआरए) से जुड़े एक अधिकारी का है, जिसका स्मार्टफोन विदेश यात्रा के दौरान गायब हो गया। इस फोन में न्यूक्लियर प्लांट्स की सुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील और गोपनीय डेटा मौजूद बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संबंधित अधिकारी निजी यात्रा पर चीन गया हुआ था। इसी दौरान उसका मोबाइल फोन खो गया। बाद में जब इस बात की जानकारी सामने आई कि फोन में न्यूक्लियर सुरक्षा से जुड़ा डेटा था, तो जापान के सुरक्षा तंत्र में हड़कंप मच गया। अधिकारी कुछ समय पहले चीन के शंघाई एयरपोर्ट से यात्रा कर रहा था। एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेक के दौरान उसने फोन ट्रे में रखा, लेकिन बाद में वह नहीं मिला। शुरू में अधिकारी को लगा कि फोन कहीं और छूट गया होगा, लेकिन तीन दिन बाद गंभीरता से तलाश शुरू की तो फोन का कोई सुराग नहीं मिला।

ट्रंप की दिग्गज ऑयल कंपनियों के साथ बैठक, रिलायंस भी शामिल

रिपोर्ट में दावा: वेनेजुएला का तेल भारत को दे सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। आने वाले दिनों में वैश्विक ऊर्जा राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका भारत को वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संकेत दिया है कि यह अनुमति अमेरिका की कड़ी निगरानी और विशेष शर्तों के तहत दी जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते वर्षों से ठप पड़ा भारत-वेनेजुएला तेल व्यापार एक बार फिर शुरू हो सकता है। हालांकि, इन शर्तों का विस्तृत ब्योरा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि अंतिम नियंत्रण अमेरिका के हाथ में रहेगा। यह कदम न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि वैश्विक तेल बाजार के लिए भी अहम माना जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की सबसे बड़ी निजी रिफाइनर रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वेनेजुएला से दोबारा कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका से मंजूरी लेने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। इस मामले से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि रिलायंस के प्रतिनिधि यूएस स्टेट डिपार्टमेंट और यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि पश्चिमी देश भारत पर रूस से तेल आयात कम करने का दबाव बना रहे हैं। ऐसे में रिलायंस वैकल्पिक सप्लाई स्रोत सुरक्षित करना चाहती है।

भारत के लिए क्यों अहम है वेनेजुएला का तेल

वेनेजुएला ओपेक का सदस्य है और उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। इसके बावजूद, वैश्विक आपूर्ति में उसकी हिस्सेदारी सिर्फ करीब 1 फीसदी है। इसका सबसे बड़ा कारण अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े आर्थिक प्रतिबंध हैं।

वेनेजुएला में होगा 9 लाख करोड़ रुपए का निवेश

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में करीब 9 लाख करोड़ रुपये (100 अरब डॉलर से अधिक) के संभावित निवेश पर चर्चा हुई। बैठक में एक्सॉन मोबिल, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स जैसी दिग्गज अमेरिकी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका तय करेगा कि कौन-सी कंपनियां वेनेजुएला में निवेश करेंगी और वहां तेल क्षेत्र में प्रवेश पाएंगी।

जरूरत का 85 फीसदी तेल आयात करता है भारत

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है और अपनी जरूरत का 85 फीसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। 2019 से पहले भारत अपने कुल तेल आयात का करीब 6 फीसदी वेनेजुएला से लेता था। लेकिन अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर सेकेंडरी सेंक्शंस लगाए, जिसके तहत वेनेजुएला से तेल खरीदने वाली कंपनियों को अमेरिकी बाजार और बैंकिंग सिस्टम से बाहर करने की चेतावनी दी गई। इसके बाद भारत समेत कई देशों ने वेनेजुएला से तेल खरीदना बंद कर दिया।

प्रतिबंधों में ढील और फिर सख्ती

अमेरिका ने 2023-24 के दौरान कुछ समय के लिए वेनेजुएला पर आंशिक रूप से प्रतिबंधों में ढील दी थी। इसी दौरान भारत ने दोबारा वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू किया।

- 2024 में भारत का आयात औसतन 63,000 से 1 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया।
- 2025 में यह आयात बढ़कर करीब 1.41 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा।
- मई 2025 में अमेरिका ने फिर से सख्ती बढ़ा दी। इसके बाद 2026 की शुरुआत में वेनेजुएला से भारत का क्रूड आयात घटकर सिर्फ 0.3 फीसदी रह गया।

स्वच्छ जल अभियान शुरू, 31 मई तक दो चरणों में चलेगा

किसी हालत में न हो दूषित पानी की सप्लाई: मुख्यमंत्री

जागरण, भोपाल। हर घर साफ पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को स्वच्छ जल अभियान लांच किया। दो चरणों में यह अभियान 31 मई तक चलेगा। इसमें तकनीक का इस्तेमाल करते हुए रोबोट की सहायता से लीकेज की जांच होगी। हर मंगलवार को जल सुनवाई कर जल समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अभियान लांच करते हुए कहा कि इसमें लापरवाही करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे, कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तकनीक का इस्तेमाल कर हर घर साफ पानी की सप्लाई सुनिश्चित करें। दूषित पानी किसी भी स्थिति में सप्लाई नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जल सुरक्षा, जल संरक्षण और जल सुनवाई के महती उद्देश्य से स्वच्छ जल अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि साफ जल घर-घर तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। हम सभी तकनीक का उपयोग करते हुए अपनी जबावदारी निभाएं। पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि दूषित होने पर वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, लेकिन दूषित पेयजल सप्लाई किसी भी स्थिति में कहीं न हो। यह सुनिश्चित किया जाए। जल सुनवाई का आयोजन गंभीरता से कर समस्याओं का तत्काल समाधान हो। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से कहाकि चुनौती बड़ी है, लेकिन हम इसका गंभीरता से सामना कर देश में आदर्श प्रस्तुत करेंगे।

अभियान की खास बातें

- हर मंगलवार जल सुनवाई होगी। आम जनता की सुनवाई होगी और साफ पेयजल सप्लाई सुनिश्चित होगी।
- अभियान को सफल बनाने के लिए जन जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता के प्रयास होंगे।
- अभियान का पहला चरण 10 जनवरी से 28 फरवरी और दूसरा चरण 1 मार्च से 31 मई तक चलेगा।
- समस्त जल शोधन संयंत्र और पेयजल टंकियों की होगी सफाई, जीआईएस मैप आधारित एप से निगरानी की जाएगी।
- पेयजल पाइप लाइन में दूषित मिश्रण रोका जाएगा।
- जल और सीवेज पाइप लाइन की जीआईएस मैपिंग होगी।
- इंटर पाइंट सेक्शन चिंहित कर लीकेज जांच जाएगा।
- रोबोट से पाइप लाइन में लीकेज की जांच की जाएगी।
- समस्त पेयजल स्त्रोत की गुणवत्ता परखी जाएगी।
- जल की गुणवत्ता का नियमित होगा परीक्षण
- एसटीपी की भी होगी नियमित निगरानी
- 181 पर पेयजल संबंधी शिकायतों को दर्ज करने की विशेष व्यवस्था
- पेयजल समस्या के आवेदनों का समयसीमा में निराकरण कर आवेदक को अवगत कराया जाएगा।

भोपाल के जंबूरी मैदान में कृषक कल्याण वर्ष का शुभारंभ आज

विशेष संवाददाता, भोपाल। 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने की मुख्यमंत्री की घोषणा रविवार 11 जनवरी को पूरी होगी। प्रदेश में 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' का शुभारंभ जंबूरी मैदान भोपाल में होगा। शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम किसानों की रैली को फ्लेगऑफ करेंगे। साथ ही प्रदेश के किसानों को कृषक कल्याण वर्ष में संचालित की जाने वाली गतिविधियों से अवगत करायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और संबंद्ध क्षेत्र मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। जहां एक ओर प्रदेश में कृषि बजट में लगातार वृद्धि की जा रही है, वहीं किसानों के लिए अनेक योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

ओडिशा: 9-सीटर विमान क्रैश, कराई फोर्स लैंडिंग

राउरकेला, जेएनएन। ओडिशा के राउरकेला में शनिवार दोपहर एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। इंडिया वन एयर का 9-सीटर कमर्शियल विमान तकनीकी खराबी के बाद खुले मैदान में फोर्स लैंडिंग करने को मजबूर हुआ। इस हादसे में विमान में सवार 4 यात्री और 2 पायलट घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना राउरकेला से करीब 10-15 किलोमीटर दूर जाल्दा इलाके में शनिवार दोपहर लगभग 1.20 बजे हुई। अधिकारियों के मुताबिक, विमान ने दोपहर 12.27 बजे भुवनेश्वर से राउरकेला के लिए उड़ान भरी थी। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद विमान में तकनीकी खराबी सामने आई, जिसके बाद पायलट ने तुरंत मिड डे कॉल जारी किया।

फैक्ट्रियों की भारी मशीनें मोटर वाहन नहीं: सुको

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि फैक्ट्रियों या बंद परिसरों के भीतर इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनें मोटर वाहन की श्रेणी में नहीं आतीं और उन पर रोड टैक्स नहीं लगाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि एक्सकेवेटर, डंपर, लोडर और डोजर जैसी हेवी अर्थ मूविंग मशीनरी (एचईएमएम), अगर सार्वजनिक सड़कों पर नहीं चलाई जातीं, तो उन्हें मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहन नहीं माना जाएगा। यह फैसला अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की याचिका पर सुनाया गया। न्यायमूर्ति पंकज मित्तल और न्यायमूर्ति प्रसन्ना की पीठ ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 2(28) के तहत वही वाहन आते हैं जो सार्वजनिक सड़कों पर चलने के लिए बने हों। अदालत के इस निर्णय से उद्योगों को बड़ी राहत मिली है। इससे फैक्ट्रियों की भारी मशीनों पर रोड टैक्स लगाने की मांग खत्म हो जाएगी।

रेत माफिया के हौसले बुलंद, कारोबारी बोला

तहसीलदार पर डंपर चढ़ा दो, जो होगा देखा जाएगा

बरगी में जब्त किए गए डंपर और (इनसेट में) खनन कारोबारी।

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर में मानेगांव के पास मुरम-गिट्टी का अवैध खनन रोकने टीम के साथ पहुंचे तहसीलदार रवींद्र पटेल और खनिज निरीक्षक विवेकानंद यादव को खनिज कारोबारी ने खुलेआम डंपर चढ़ाने की धमकी दे डाली। तहसीलदार ने मानेगांव के पास तीन डंपरों को रोककर ड्राइवर को रॉयल्टी के दस्तावेज दिखाने को कहा था। ड्राइवर ने दस्तावेज तो नहीं दिखाए बल्कि खनन कारोबारी और वाहन मालिक रोहित जैन को मौके पर बुला लिया। इसके बाद तहसीलदार और कारोबारी के बीच काफी देर तक बहस चली। तहसीलदार लगातार रॉयल्टी कागजात दिखाने को कहते रहे, लेकिन रोहित जैन ने इनकार कर दिया।

इस दौरान उसने तहसीलदार को धमकाते हुए अपने ड्राइवर से कहा- डंपर चढ़ा दो, जो होगा देखा जाएगा। मामले की सूचना मिलते ही बरगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों डंपरों को जब्त कर लिया। तहसीलदार की शिकायत पर पुलिस ने कारोबारी रोहित जैन के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। विवाद का वीडियो भी सामने आया है। कारोबारी के साथ कुछ और लोग भी थे, जो गाड़ी आगे बढ़ाने को बोलते नजर आए। मनेरी में रोहित जैन मुरम-मिट्टी खनन और सप्लाई का काम करता है। तहसीलदार पटेल ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर जिले में खनिज के अवैध परिवहन, खनन और भंडारण पर अंकुश लगाने को लेकर खनिज, राजस्व और पुलिस की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। ग्राम मानेगांव में औचक निरीक्षण किया। यहां खनिज एम सैंड और खनिज गिट्टी का क्षमता से ज्यादा ओवरलोड परिवहन किया जा रहा था। मौके से तीन हाईवा को जब्त किया। वाहनों को बरगी थाने ले जाने की तैयारी की जा रही थी, तभी रोहित जैन साथियों के साथ आया और जब्त वाहनों को रुकवा दिया।

जयपुर में तेज रफ्तार ऑडी ने 16 को रौंदा

जयपुर, जेएनएन। जयपुर में मानसरोवर के भीड़भाड़ वाले इलाके में रेसिंग कर रही एक ऑडी कार ने तबाही मचा दी। करीब 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही ऑडी पहले डिवाइडर से टकराई फिर सड़क किनारे लगी फूड स्टॉल्स में घुस गई। हादसे की चपेट में 16 लोग आ गए। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार की हालत गंभीर है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें ऑडी कार को तेज रफ्तार में फूड स्टॉल को टक्कर मारते देखा जा सकता है। पुलिस के अनुसार, ऑडी कार में ड्राइवर सहित चार लोग सवार थे, जिनमें जयपुर पुलिस का एक सिपाही भी शामिल बताया जा रहा है।

ब्रेक फेल होने से बेकाबू ट्रक ने पिकअप को टक्कर मारी, गैस टैंकर कार पर चढ़ा

कार पर चढ़ी पिकअप, 7 वाहन टकराए

जागरण, महू। इंदौर के पास मानपुर भेरूघाट में ढलान पर ब्रेकफेल होने से बेकाबू ट्रक धड़-घड़ाते हुए एक आयशर पिकअप से जा टकराया। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगते ही पिकअप अपने आगे चल रही कार पर चढ़ गई। इसी बीच गैस टैंकर भी तेज रफ्तार में आकर टकराया और दूसरी कार पर चढ़ गया। देखते ही देखते सात वाहन आपस में टकरा गए। भारी गाड़ियां ऊपर चढ़ने से कारों के परखच्चे उड़ गए। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। कार में बैठे सभी लोग सुरक्षित हैं।

महू के मानपुर भेरू घाट पर शनिवार सुबह-सुबह हुए इस हादसे को जिसने भी देखा मुंह से चीख निकल गई। वहीं कारों के ऊपर ट्रक और टैंकर को चढ़ा देख लोगों को आश्चर्य में भी आ गए। इन हादसों से मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे बंद हो गया और कई घंटों तक अफरातफरी मची रही।

एयरबैग ने बचा ली सबकी जान

दूसरी कार के ऊपर गैस टैंकर चढ़ गया। इस कार में बैठे लोग उज्जैन से त्र्यंबकेश्वर मंदिर जा रहे थे। यह जाम के कारण खड़े थे। कार सवार जयदीप ने बताया कि हम रुके ही थे कि गाड़ियां आगे-पीछे से टकरा गई। सारी गाड़ियों को बेकाबू हुए ट्रक से टक्कर लगी थी। इस कार में 8 लोग सवार थे, जिनमें 4 बच्चे थे। गनीमत रही कि टक्कर लगते ही गाड़ी के सारे एयर बैग खुल गए और सभी सुरक्षित की जान बच गई। इस हादसे से हाईवे पर जाम लग गया।

10 करोड़ की एमडी बरामद, अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़

आगर मालवा: नर्सरी में बना रहे थे मौत का सामान, 600 किलो प्रतिबंधित केमिकल जब्त

जागरण, आगर मालवा /भोपाल। प्रदेश के आगर मालवा जिला मुख्यालय से महज 20 किलोमीटर दूर आमला गांव में एक नर्सरी की आड़ में एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स बनाने की अवैध फैक्ट्री चलाई जा रही थी। खुफिया इनपुट के आधार पर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) की टीम ने शनिवार सुबह ऑपरेशन चलाकर इस फैक्ट्री का पर्दाफाश किया और करीब 10 करोड़ रुपए मूल्य की एमडी ड्रग्स समेत भारी मात्रा में कच्चा माल बरामद किया है। जानकारी के अनुसार नारकोटिक्स विभाग के नीमच-जावरा और उज्जैन यूनिट को सूचना मिली थी कि आमला गांव की एक नर्सरी में पौधों की आड़ में प्रतिबंधित एमडी ड्रग्स तैयार की जा रही है। इसके बाद टीम ने यहां रेड डालकर प्लांट के दो कमरों में बनी एक लेबोरेटरी से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स के साथ 600 किलो केमिकल भी बरामद किया, जिससे इस प्रतिबंधित ड्रग्स को तैयार किया जाता था। सीबीएन को पता चला था कि शनिवार सुबह यहां कोई तस्कर बड़ी खेप लेने के लिए वहां आने वाला है।

"सीबीएन की रेड के बाद पुलिस की नारकोटिक्स विंग भी जांच में जुट गई है। फैक्ट्री और एमडी तस्करों के नेटवर्क का लिंक तलाशा जा रहा है। जानकारी जुटाकर कार्रवाई करेंगे।
- **केपी वेंकटेश्वर राव**, एडीजी नारकोटिक्स, एमपी पुलिस

मप्र पुलिस को जानकारी नहीं नारको यूनिट भी करेगी जांच

मामले में हैरान करने वाला तथ्य यह भी है कि स्थानीय पुलिस और मप्र पुलिस की नारको विंग के पास कोई जानकारी ही नहीं थी। छापेमारी की सूचना के बाद स्थानीय थाने की पुलिस टीम और एसडीओपी भी मौके पर पहुंचे और सीबीएन टीम की मदद शुरू की। यहां से ड्रग्स सप्लाई बड़े पैमाने पर की जा रही थी। फैक्ट्री के लिए नर्सरी को इसीलिए चुना गया कि वहां केमिकल की गंध को पौधों और खाद की आड़ में छिपाया जा सके। फिलहाल इलाके को सील कर फैक्ट्री से जुड़े गिरोह और नेटवर्क का भंडाफोड़ करने की तैयारी की जा रही है।

यूएस वर्किंग वीजा — नियमों की सख्ती, बदलती नीतियां और जॉब अस्थिरता कर रही भारतीयों को प्रभावित

अमेरिका से भारतीय एग्जीक्यूटिव्स की वापसी हुई तेज

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका में वीजा नियमों की सख्ती, बार-बार बदलती इमिग्रेशन नीतियां और जॉब मार्केट की अस्थिरता अब भारतीय प्रोफेशनल्स के करियर फैसलों को तेजी से प्रभावित कर रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर यह दिख रहा है कि बड़ी संख्या में भारतीय एग्जीक्यूटिव्स और प्रोफेशनल्स अमेरिका छोड़कर भारत लौट रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीते एक साल में यह रुझान और मजबूत हुआ है, खासकर अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान यह बढ़ा है। विशेषज्ञ इसे 'रिवर्स ब्रेन ड्रेन' का नया चरण मान रहे हैं। पहले जहां अमेरिका जाना करियर की ऊंची छलांग माना जाता था, वहीं अब अनिश्चित वीजा भविष्य और सीमित अवसरों के कारण भारत लौटना एक व्यावहारिक और सुरक्षित विकल्प बनता जा रहा है।

टेक सेक्टर से शुरू हुई वापसी, अब सीएक्सओ तक

इस रिवर्स ब्रेन ड्रेन में सबसे बड़ी संख्या टेक्नोलॉजी सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स की है। हालांकि अब यह ट्रेंड केवल आईटी तक सीमित नहीं रहा। कंज्यूमर गुड्स, सर्विसेज, कंज्यूमर टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों के मिड और सीनियर लेवल एग्जीक्यूटिव्स भी बड़ी संख्या में भारत लौट रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, लौटने वाले अधिकांश प्रोफेशनल्स अमेरिका में एच 1-बी और एल-1 जैसे नॉन-इमिग्रेंट वीजा पर कार्यरत थे। इनमें से कई की सालाना सैलरी 1.5 लाख डॉलर से 4 लाख डॉलर (करीब 1.2 से 3.3 करोड़ रुपये) के बीच थी। यह आंकड़ा साफ बताता है कि यह वापसी केवल मजबूरी नहीं, बल्कि रणनीतिक करियर निर्णय भी है।

वीजा अनिश्चितता ने बिगाड़े करियर प्लान

रिक्रूटमेंट इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में वीजा को लेकर बढ़ती अस्थिरता ने लंबे समय के करियर प्लान बनाना बेहद मुश्किल कर दिया है। वीजा एक्सटेंशन, ग्रीन कार्ड प्रक्रिया और परिवार के साथ रहने की अनिश्चितता ने प्रोफेशनल्स को मानसिक और पेशेवर दबाव में डाल दिया है। एक सर्च फर्म के सीनियर पार्टनर के अनुसार, 'पहले लोग अमेरिका में 10-15 साल का प्लान बनाकर चलते थे। अब हर दो-तीन साल में वीजा और नीतियों को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है। यही वजह है कि कई लोग समय रहते भारत लौटने का फैसला कर रहे हैं।'

सीएक्सओ स्तर की हाई-प्रोफाइल वापसी

बीते एक साल में कंज्यूमर टेक्नोलॉजी कंपनियों से जुड़े एक दर्जन से अधिक सीएक्सओ स्तर के अधिकारी भारत लौट चुके हैं और यहां सीनियर लीडरशिप रोल संभाल रहे हैं। एक बहुराष्ट्रीय पैकेज्ड फूड कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने, जो लगभग एक दशक अमेरिका में काम कर चुके थे, पिछले साल सितंबर में भारत वापसी की। उनका कहना है कि पिछले 12 महीनों में वीजा पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता इस कदर बढ़ गई थी कि अमेरिका में रहना जोखिम भरा लगने लगा, जबकि इससे पहले वे भारत से आए कई आकर्षक ऑफर्स ठुकरा चुके थे।

कम वेतन पर भी लौटने को तैयार

टेक सेक्टर में छंटनी और वीजा पाबंदियों से प्रभावित कई मिड-लेवल प्रोफेशनल्स भी भारत लौट रहे हैं। इनमें से कुछ ने यहां अमेरिका की तुलना में कम वेतन पर भी नौकरी स्वीकार की है, क्योंकि उनके लिए अब स्थिरता, परिवार के साथ रहना और दीर्घकालिक सुरक्षा ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

दिल्ली: पोक्सो मामले में दोषसिद्धि रखी बरकरार

सीमित शब्दावली के आधार पर रद्द नहीं होगी सजा: हाई कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी नाबालिग यौन शोषण पीड़िता की कम उम्र और सीमित शब्दावली के कारण उसके बयान में आए छोटे-छोटे अंतर को गंभीर विरोधाभास नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि यदि आरोप का मूल तथ्य लगातार एक जैसा है, तो अभिव्यक्ति में मामूली बदलाव से गवाह की विश्वसनीयता प्रभावित नहीं होती। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने उस याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें एक व्यक्ति ने ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई 7 साल की सजा को चुनौती दी थी। आरोपी को पोक्सो के तहत दोषी ठहराया गया था। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए आरोपी की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने बच्ची के बयान का मूल्यांकन करते समय उसकी उम्र को ध्यान में रखते हुए बिल्कुल सही दृष्टिकोण अपनाया।

उम्र व शब्द सीमा नजरअंदाज नहीं की जा सकती

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'घटना के समय पीड़ित बच्ची की बेहद कम उम्र और उसकी सीमित शब्दावली को देखते हुए बयान में आया ऐसा अंतर मटेरियल कॉन्ट्राडिक्शन नहीं माना जा सकता।' कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि आरोपी द्वारा किए गए यौन शोषण का मुख्य आरोप पूरे समय एक जैसा बना रहा है।

वर्ष 69 अंक 104 पृष्ठ 16
भोपाल, रविवार 11 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण Sunday

www.dainikjagranmpcg.com

ईरानः हिंसक प्रदर्शनों का दायरा बढ़ा, अब तक 217 मौतों का दावा

सेना बोली- बच्चों को दूर रखें गोली लगे तो शिकायत न करें

तेहरान, जेएनएन। ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई बड़े शहरों में सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक कम से कम 217 लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है। टाइम मैगजीन ने तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से बताया कि राजधानी के केवल छह अस्पतालों में ही 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई।

इधर, रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सरकारी टीवी पर बयान देते हुए माता-पिता को चेतावनी दी कि वे अपने बच्चों को प्रदर्शनों से दूर रखें- अगर गोली लगती है तो शिकायत न करें। इस बयान ने सरकार के सख्त और दमनकारी रुख को और स्पष्ट कर दिया।

इस बीच ईरान के पूर्व शाह के बेटे और क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने घोषणा की है कि वे देश लौटकर प्रदर्शनों में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। करीब 50 साल से निर्वासन में रह रहे 65 वर्षीय पहलवी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे 'राष्ट्रीय क्रांति की जीत के समय ईरान की महान जनता के साथ खड़े होना चाहते हैं।' शनिवार को युवाओं ने तीखे प्रदर्शन किए। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में महिलाएं सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और 1979 की इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला खुमैनी की तस्वीरें जलाती और उनसे सिगरेट सुलगाती नजर आईं। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान नरम रुख दिखा रहे हैं, लेकिन उनके कई मंत्री सख्त कार्रवाई के पक्ष में हैं।

(नजरियाः अराजकता के कगार पर खड़ा नजर आ रहा ईरान- पेज-9 पर)

जेन जी का विरोधः प्रदर्शन के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की तस्वीर जलाकर सिगरेट सुलगाती एक युवती।

आयतुल्ला अली खामेनेई

सरकार ने इंटरनेट बंद किया, विरोध रोकने के लिए पूरी ताकत झोंकी

रिपोर्ट्स के मुताबिक शुरुआती दिनों में खुद सुरक्षा एजेंसियां असमंजस में थीं कि सरकार किस स्तर तक जाएगी। लेकिन सामने आई खूनी तस्वीरों और कड़े बयानों के बाद साफ हो गया कि अब पूरी ताकत झोंकी जा रही है। सरकार ने देशभर में इंटरनेट और फोन सेवाएं लगभग बंद कर दीं, ताकि प्रदर्शनकारियों के बीच समन्वय न हो सके।

महंगाई व बेरोजगारी से भड़का जेन जी

देशभर में खासकर जेन जी में भारी आक्रोश है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर करीब 14.5 लाख प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई। साल की शुरुआत से अब तक रियाल की कीमत लगभग आधी हो चुकी है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 72 फीसदी और दवाओं में 50 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2026 के बजट में सरकार द्वारा 62 फीसदी टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव ने आम लोगों की नाराजगी को और हवा दी। प्रदर्शन अब गरीब या सीमावर्ती इलाकों से बल्कि मध्यम वर्गीय क्षेत्रों में भी फैल चुके हैं। यही वजह है कि सरकार और अधिक बेरहमी से कार्रवाई कर सकती है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

खामेनेई का सख्त संदेश बोले- ये भाड़े के लोग

देश को संबोधित करते हुए सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने कहा कि ईरान 'विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों' को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि हिंसा के पीछे विदेशी एजेंट हैं जो देश को अस्थिर करना चाहते हैं। खामेनेई ने ट्रम्प पर तंज कसते हुए कहा कि ईरान को खुश करने के लिए सार्वजनिक संपत्ति नष्ट की जा रही है, लेकिन इस्लामिक रिपब्लिक अपने दुश्मनों के सामने कभी नहीं झुकेगी।

चुकानी होगी कीमतः ट्रंप

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि ईरानी सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों की हत्या करते हैं तो ईरान को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ईरानी सरकार का आरोप है कि अमेरिका और इजराइल इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं।

अयोध्या के राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश

कश्मीरी व्यक्ति हिरासत में

अयोध्या, जेएनएन। अयोध्या स्थित राम मंदिर परिसर में शनिवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 55 वर्षीय व्यक्ति ने मंदिर परिसर के भीतर नमाज पढ़ने की कोशिश की। जैसे ही उसने नमाज के लिए कपड़ा बिछाया, वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। इसके बाद वह व्यक्ति नारेबाजी करने लगा, जिससे कुछ देर के लिए परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम अबु अहद शेख बताया है। वह जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले का रहने वाला है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ खुफिया एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गईं। फिलहाल उससे राम मंदिर परिसर में बने पुलिस कंट्रोल रूम में गहन पूछताछ की जा रही है।

घटना के बाद शुरुआती तौर पर यह सूचना सामने आई थी कि तीन लोगों को मंदिर परिसर से पकड़ा गया है। हालांकि, अयोध्या के एसएसपी गौरव ग्रोवर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, 'हमारे पास केवल एक ही व्यक्ति है। वह राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने का प्रयास कर रहा था। सुरक्षा गार्ड ने उसे तुरंत पकड़ लिया।'

सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूरे होने का जश्न!

बांग्लादेशः 360 रुपये के लिए युवक की मौत

अपमान और मारपीट के बाद जहर खाने का आरोप

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश से अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ कथित उत्पीड़न का एक और गंभीर मामला सामने आया है। सुनीगंज जिले के दिराई उपजिला निवासी एक हिंदू युवक की मौत हो गई, जिसे परिवार ने स्थानीय दुकानदार द्वारा अपमानित किए जाने और मारपीट के बाद आत्महत्या के लिए मजबूर किए जाने का आरोप लगाया है। मृतक जॉय महापात्रो ने किराना दुकानदार अमीरुल इस्लाम से 5,500 टका (करीब 4,000 रुपये) में एक मोबाइल फोन खरीदा था। 2,000 टका नकद चुका दिए थे और शेष राशि को हर हफ्ते 500 टका (लगभग 360 रुपये) की किस्तों में देने का वादा किया था। इसमें कुछ देरी हो गई थी। इसी को लेकर विवाद खड़ा हुआ। परिजनों के अनुसार, जॉय महापात्रो ने कथित तौर पर जहर खा लिया था। इसके बाद उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। पहले उसे दिराई उप जिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और फिर हालत गंभीर होने पर सिलहट रेफर किया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

पोक्सो कानून में बदलाव के संकेत, शीर्ष अदालत ने केंद्र को दिए निर्देश

किशोरों के लिए 'रोमियो जूलियट' प्रावधान लाया जाएः सुप्रीम कोर्ट

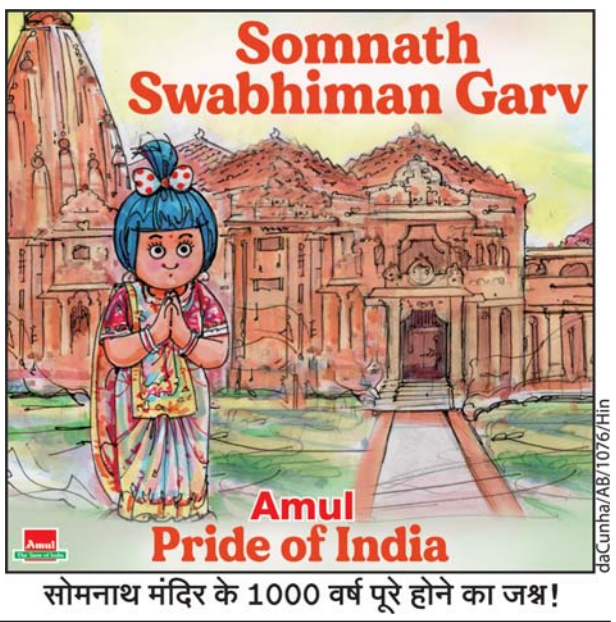

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह पोक्सो कानून में 'रोमियो-जूलियट क्लॉज' जोड़ने पर विचार करे। अदालत का मानना है कि कम उम्र के लड़के-लड़कियों के बीच सहमति से बने रिश्तों के कारण उन्हें आपराधिक मामलों में फंसाया जा रहा है, जिससे युवाओं और उनके परिवारों को गंभीर नुकसान हो रहा है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह सुझाव एक फैसले के साथ पोस्ट-स्क्रिप्ट के तौर पर दिया। अदालत ने कहा कि पोक्सो कानून का बार-बार दुरुपयोग सामने आ रहा है। खासकर तब, जब रिश्ता सहमति से हो और उम्र का फर्क बहुत कम हो, लेकिन तकनीकी तौर पर एक पक्ष 18 साल से कम हो। अगर केंद्र सरकार इस सुझाव को मानती है, तो भविष्य में ऐसे मामलों में न्याय ज्यादा संतुलित हो सकेगा और युवाओं को अनावश्यक आपराधिक मामलों से राहत मिल सकती है।

क्या है 'रोमियो-जूलियट क्लॉज'

दुनिया के कई देशों में 'रोमियो-जूलियट' प्रावधान है। इसका मतलब यह होता है कि अगर दो किशोर उम्र में करीब हों और रिश्ता सहमति से हो, तो उन पर कठोर आपराधिक सजा न लगे। इससे ऐसे मामलों को शोषण या जबरदस्ती वाले मामलों से अलग किया जा सकता है।

कैसे तय होगी उम्र

अदालत ने याद दिलाया कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 के तहत उम्र तय करने का क्रम तय है।

- पहले मैट्रिक/समकक्ष प्रमाणपत्र देखा जाएगा।
- यह न हो तो नगरपालिका/पंचायत का जन्म प्रमाणपत्र मान्य होगा।
- इन दस्तावेजों के न मिलने पर ही मेडिकल टेस्ट कराए जाएंगे।

प्रेम संबंधों को अपराध बनाने में हो रहा इस्तेमाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा हालात में पोक्सो का इस्तेमाल युवा प्रेम संबंधों को अपराध बनाने में हो रहा है। इससे न सिर्फ आरोपी, बल्कि पीड़ित और दोनों परिवारों को लंबी कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार कानून का सहारा निजी रंजिश या सामाजिक दबाव बनाने के लिए भी लिया जाता है।

यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश से जुड़ा था, जिसमें जमानत देते हुए जांच एजेंसियों को शुरुआत में ही मेडिकल टेस्ट (जैसे ऑसिफिकेशन टेस्ट) कराने के निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इन व्यापक निर्देशों को गलत बताया और कहा कि उम्र तय करने की स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया है।

बैद्यनाथ नागपूर असली आयुर्वेद

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।

बैद्यनाथ असली आयुर्वेद

अर्जुनामृत

- अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
- बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
- अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

श्री रामचंद्र गोयल, उज्जैन
प्र. मेरी उम्र 60 वर्ष है, मुझे चलते समय घुटनों में बहुत दर्द होता है। उठते-बैठते कमर दर्द भी रहता है, कृपया उपचार बतायें।
उ. **बैद्यनाथ महारास्नादि काढ़ा** 3-3 चम्मच समभाग पानी के साथ सुबह-शाम भोजन के बाद लें। साथ में **बैद्यनाथ पेन क्विट टॅबलेट** 1-1 टॅबलेट सुबह-शाम पानी के साथ लें। **बैद्यनाथ पेन क्विट ऑईल** दर्द की जगह लगायें।

श्रीमती अपर्णा शर्मा, होशंगाबाद
प्र. मेरी बेटी की उम्र 20 वर्ष है, उसे एक सप्ताह से बुखार, गले में खराश के साथ खाँसी भी है। कृपया उपचार बतायें।
उ. **बैद्यनाथ महासुदर्शन घन बटी** 1-1 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ भोजन के बाद दे, साथ में **बैद्यनाथ सितोपलादि चूर्ण** एक चम्मच सुबह-शाम शहद के साथ दे।

श्री राजन खान, रायपुर
प्र. मुझे 5 साल से डायबिटीज है। आँखें के सामने अंधेरा छा जाता है व दिनभर के काम से रात में अत्याधिक थकान महसूस करता हूँ।
उ. **बैद्यनाथ च्यवनफिट (शुगरफ्री)** 1-1 चम्मच दुध के साथ सुबह शाम भोजनबाद लेवें। **बैद्यनाथ मधुमेहारि ग्रेन्युल्स** 1 से 2 चाय के चम्मच पानी के साथ लेवें।

श्री विश्वास सिंग, भोपाल
प्र. मेरी उम्र 43 वर्ष है। शारीरिक कमजोरी आयी है। इस कारण शारीरिक संतुष्टी नही हो पाती। इस कारण बहुत परेशान हूँ।
उ. **बैद्यनाथ वीटा एक्स गोल्ड प्लस कॅप्सूल** 1-1 कॅप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद दूध के साथ लें। साथ में बैद्यनाथ धातुपौष्टिक चूर्ण 1 से 2 चम्मच समान भाग मिश्री और दुध के साथ लें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतु सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 844 844 4935 I www.baidyanath.co

संक्षिप्त खबरें

स्व. तिवारी स्मृति समारोह में कर्मचारी नेता हुए सम्मानित

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी में कर्मचारी नेता रहे स्व. सत्यनारायण तिवारी स्मृति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें ट्रेड यूनियन नेताओं एवं समाज के कई क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर परसाई द्वारा होटल कालिंदी में रखा गया था। कार्यक्रम में वरिष्ठ कर्मचारी नेता एवं लिपिकों के हितों में निरंतर संघर्ष करने वाले संजय दुबे को भी सम्मानित किया गया। संजय दुबे लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ हैं। वह लंबे समय से कर्मचारी हितों में काम करते रहे हैं। अनेक पदों पर शिक्षा विभाग में रहते हुए उन्होंने शासन के नियम निर्देशों का अक्षर से पालन करते हुए अपनी भूमिका निभाई है। प्रदेश में जितने भी लिपिकों के मांगों को लेकर बड़े आंदोलन हुए। उसमें दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्हें यह सम्मान मिलने पर हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के वरिष्ठ विधायक रामेश्वर शर्मा, मप्र लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी, संरक्षक एमपी द्विवेदी, शासकीय प्राथमिक पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के महासचिव हरीश मारण, डॉ राजेश मिश्रा, महेंद्र शर्मा, एलएन कैलाशिया, अशोक बेन, सतीश सोमकुंवर, रुद्र प्रताप तिवारी, संजय अवस्थी सहित लोक शिक्षण संचालनालय परिवार सहित कई लोगों ने बधाई दी है। लोक शिक्षण में यह दूसरा सत्यनारायण तिवारी सम्मान पहुंचा है।

कोलार क्षेत्र में फांसी लगाने वाली छात्रा के साथ हुआ था दुष्कर्म

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार रोड इलाके में नाबालिग के फांसी के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रेप और पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। उसके साथ दुष्कर्म हुआ था। मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने यह केस दर्ज किया है। पुलिस ने मृतका की बेजाइनल स्लाइड और स्वाब तैयार कर भेजा था। जांच रिपोर्ट में मानव शुक्राणु मिले हैं। इस आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस अब संदेहियों का डीएनए टेस्ट करवाएगी। कोलार पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय किशोरी कोलार थाना इलाके में रहती थी। वह ग्यारहवीं की छात्रा थी। अगस्त 2025 में उसने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा था, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका था। परिजनों ने भी अपने बयानों में कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया था, जिस कारण उसने यह कदम उठा हो। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की थी। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि मृतका के साथ पढ़ने वाले और उसके दोस्तों के पूछताछ की जाएगी।

अज्ञात के खिलाफ रेप व पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

आज दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के लिए होगा मतदान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष पद के लिए रविवार को मतदान होगा। अध्यक्ष पद के लिए आलोक जैन पंचरत्न और पंकज जैन सुपारी की तगड़ी दावेदारी चल रही है। समाज के छह हजार 557 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए नये अध्यक्ष का चयन करेंगे। मतदान चौक मंदिर, झिरनो मंदिर, हबीबगंज मंदिर और जवाहर चौक मंदिर में होगा। दोनों दावेदार अपने समर्थकों के साथ समर्थन मांग रहे हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी विनोद जैन एमपीटी ने बताया रविवार को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे, रात तक परिणाम आ जाएंगे। उन्होंने बताया समाज के ही निपुण सक्रिय लोगों के साथ चुनाव संपन्न कराने टीम बनाई गई है। चुनाव अधिकारी विनोद जैन एमपीटी ने बताया एक पोर्टल वेबसाइट भी बनाई गई है। इसके द्वारा मतदाताओं को अपना मतदान केंद्र और बूथ क्रमांक की जानकारी तुरंत प्राप्त हो जाएगी।

छह हजार 557 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का उपयोग

निशातपुरा इलाके में बीबीए फर्स्ट ईयर की छात्रा ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र में बीबीए फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। जिसके चलते आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय वैशाली ठाकुर पिता ओम सिंह ठाकुर कृषक नगर करोंद में रहती थी। उसके पिता मेडिकल स्टोर संचालक है,जबकि मां गृहणी है। वह बीएसएस कॉलेज से बीबीए फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। 15 दिन पहले वैशाली के पेपर हुए थे। इसको लेकर वह थोड़ा परेशान थी। शुक्रवार को कॉलेज से आने के बाद अपने कमरे में चली गई थी। शाम 6 बजे उसका छोटा भाई खाना खाने के लिए बहन को बुलाने तीसरे फ्लोर पर बने कमरे में पहुंचा तो वह दुपट्टे से बने फंदे पर लटकी मिली। परिजनों ने वैशाली को तुरंत उसे नीचे उतारकर हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों के अनुसार वैशाली ने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया। पुलिस ने घटनास्थल से मृतका का मोबाइल जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

विज्ञान को सिर्फ विषय नहीं, जीवन के अनुभवों से जोड़कर समझना चाहिए

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि के फार्मेसी विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत आयोजित चार दिवसीय फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में दस फार्मेसी संस्थानों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। समापन सत्र का शुभारंभ डायरेक्टर प्रो. रागिनी गोथलवाल द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री के क्षेत्र में उद्योग आधारित कार्य प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया है। इसमें व्याख्यानों के साथ-साथ हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया गया। फार्मेसी विभाग की सह-समन्वयक सुश्री दर्शना गोहाटे आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. विवेक शर्मा ने कहा कि केमिस्ट्री का जीवन में एक विशिष्ट और व्यापक स्थान है। यह न केवल शैक्षणिक शिक्षा का अभिन्न अंग है, बल्कि जीवन की शिक्षा में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि विज्ञान को केवल विषय के रूप में नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों से जोड़कर समझना चाहिए। कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन ने कहा कि जो कुछ भी आप सीखते हैं, उसे केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखें, बल्कि उसे व्यावहारिक जीवन में प्रभावी रूप से लागू करें। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि सबसे पहले एक अच्छे मानव बनने का प्रयास करें और अपने जीवन के व्यावहारिक अनुभवों से आत्मसात करते हुए आगे बढ़ें।

पांच साल में नहीं सुधर पाई अरवलिया में गौशाला की व्यवस्था, मृत मिले 6 गौवंश

कई बार शिकायत के बाद भी न भोजन-पानी की व्यवस्था और न ही पशुओं को सिर छुपाने की जगह

जागरण संवाददाता, भोपाल। बैरसिया के अरवलिया स्थित नगर निगम की गौशाला में 6 गौवंश के मृत मिलने का मामले ने तूल पकड़ लिया है। दरअसल इस गौशाला में पिछले पांच सालों से आवारा गौवंश को रखा जा रहा है, लेकिन इन गौवंश को समय पर न तो चारा पानी मिल पाता है और न ही इनके सर छुपाने के लिए शेड का निर्माण कराया गया है। जिसके कारण बारिश और ठंड में गौवंश बाहर तड़पते रहते हैं।

वहीं गर्मी के दिनों में धूप में झुलसते हैं। पूर्व में भी कई लोगों के द्वारा गौशाला की अव्यवस्थाओं को लेकर नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत की गई है, लेकिन व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है। शनिवार को भी खराब मौसम और भोजन के अभाव में गौवंश के मृत मिलने पर आम लोगों के द्वारा इसकी जानकारी विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों को दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे विहिप कार्यकर्ताओं ने देखा कि भोजन के अभाव में 6 गौवंश की मौत हो गई है, जबकि 4 गौवंश की स्थिति बहुत ही दयनीय थी। संभवतः यदि इन गौवंश को समय पर मदद नहीं मिलती तो इनकी भी मौत भोजन की कमी के चलते हो जाती। इतना ही नहीं निगम कर्मियों ने मृत गौवंश को दफनाने के लिए गौशाला के अंदर ही गड्ढा खोदकर रखा हुआ था। जिसके बाद बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने ईंटखेड़ी पुलिस से शिकायत कर मामले की जांच कराने की मांग की।

मुख्य द्वार पर ताला लगाकर भाग गए निगम कर्मचारी

बजरंग दल व विहिप कार्यकर्ताओं के मौके पर पहुंचने की जानकारी लगते ही नगर निगम कर्मचारी गौशाला पर ताला डालकर भाग गए, जिसके बाद ईंटखेड़ी पुलिस की मौजूदगी में गौशाला का ताला तोड़ा गया। मौके पर मौजूद लोगों ने जब गौशाला के अंदर जाकर नजारा देखा तो अंदर 4 गौवंश तड़पते हुए मिले, जबकि 6 की मौत हो चुकी थी। गाय के चारे की जगह पर गोबर डाला हुआ था।

अरवलिया से पूर्व में भी गौवंश को भोजन पानी और खराब मौसम में रखे जाने की शिकायतें मिलती रही हैं। शनिवार को शिकायत मिली थी। मौके पर पहुंचकर देखा तो अंदर 4 गौवंश तड़प रहे थे, जबकि 6 की मौत हो गई थी। गौशाला पर निगम कर्मी ताला लगा गए थे और अंदर गड्ढा भी खोदा हुआ था।

▸ **विनोद जोहरे,** पदाधिकारी, विहिप

पहले भी विवादों में रही है अरवलिया की गौशाला

अरवलिया की गौशाला पहले भी विवादों में रही है। यहां पर हमेशा चारे और पानी की कमी के चलते गौवंश बीमार होते रहते हैं। वहीं गौशाला में केवल कुछ ही स्थान पर शेड डाला गया है। बाहर के पूरे हिस्सा खुला हुआ है और बारिश के दिनों में वहां कीचड़ हो जाती है, जिसके कारण गौवंश बारिश और कीचड़ के कारण बीमार हो जाते हैं और इनकी मौत हो जाती है। अक्सर इस गौशाला से पशुओं को इलाज के लिए जहांगीराबाद स्थित आसरा भेजा जाता है। आसरा में भी गौवंश की अचानक मौतें होती रही हैं। ऐसे में पहले भी गौवंश की अचानक मौतों को लेकर लोगों के द्वारा जांच की मांग की गई है।

गोल गांव में गलत टीप लगाकर लटकाया जा रहा गौशाला का काम

भोपाल। कोलार के गोल गांव में 100 से अधिक गौवंश की टैगिंग करवाने और गौशाला में बिजली पानी, भूसा और चारे की व्यवस्था करने के बाद भी स्वयंसेवी संस्था को गौशाला का काम नहीं दिया जा रहा है। संस्था अर्थ वेलफेयर सोसायटी द्वारा सभी पशुओं की टैगिंग सहित गौशला के अन्य काम अगस्त 2025 में पूरे कर लिए गए थे। जिसके बाद इसकी जानकारी नोडल अधिकारी डॉ. प्रज्ञा चौरसीया को दी गई। पूर्व में तो उन्होंने पत्राचार न होने की बात कहते हुए गौशाला का निरीक्षण करने से इंकार कर दिया, लेकिन बाद में संस्था द्वारा पत्र उपलब्ध करवाने के बाद मौके पर पहुंचीं, लेकिन पशुओं की गिनती किए बिना ही चली गईं। 7 नवंबर 2025 को गौवंश की गलत जानकारी देते हुए भ्रामक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। लेकिन संस्था ने 4 दिसंबर को सहायक नोडल अधिकारी के सहयोग से गौवंश की सही जानकारी भारत पशुधन एप पर रजिस्टर्ड करवाकर पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। विभाग के संचालक के निर्देश के बाद 13 दिसंबर को डा. चौरसिया फिर से सत्यापन करने आईं, लेकिन गौशाला के रजिस्ट्रेशन का काम नहीं करने दिया। जिसके चलते गौशाला का काम 10 जनवरी तक भी नहीं हो सका है।

बीयू के जल स्त्रोतों में बैक्टीरिया, होगी जांच

इंदौर की घटना के बाद कुलसचिव सिंह हुए सचेत, दिए जांच के निर्देश

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में नल, कुएं और बोर सहित तमाम जल स्त्रोत हैं। पूरे बीयू परिसर में पानी की सप्लाई दो कुओं से होती है। दोनों कुओं की सफाई सालों से नहीं हुई है। सफाई के अभाव में कुओं से लगातार पानी की सप्लाई जारी है, जिससे बीयू परिसर में रहने वाले प्रोफेसर, अधिकारी और कर्मचारियों को बैक्टीरिया का भय बना हुआ है। क्योंकि गत माह इंदौर में दूषित पानी में मैजूद बैक्टीरिया से हुई डेढ दर्जन मौतों से सभी भयभीत है। बीयू कुलसचिव समर बहादुर सिंह इंदौर की घटना से सचेत बने हुए हैं। इसलिए उन्होंने हास्टल की पानी की सप्लाई का मुआयना कर लिया है। अब वे बीयू परिसर में मौजूद दो कुओं की जांच कराने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि किसी को पीने के लिए दूषित पानी नहीं मिल सके। इसके लिए सैंपल लिए जाएंगे।

दूषित पानी के बचने के लिए करीब लाखों रुपए मासिक खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा नर्मदा जल पर भी करीब एक लाख रुपए महिने खर्च किए जाते हैं। बोरवेल का बिल 50 हजार रुपए तक आता है। इस तरह बीयू करीब दो लाख रुपए हर महीन पानी पर खर्च करता है। इसके बावजूद गर्मियों में पानी की समस्या बनी रहती है। कभी-कभी तो टैंकर भी बुलवाना पड़ते हैं। हालांकि अभी ठंड का मौसम है। इससे काफी राहत बनी हुई है। नर्मदा सप्लाई को बीयू के दो कुओं में डाला जाता है, जिससे पूरे बीयू परिसर में पानी की सप्लाई होती है। यह कुए सालों से साफ नहीं हुए है। बीयू परिसर में 27 विषयों के विभाग और प्रशासनिक भवन हैं। इसके अलावा अधिकारियों-कर्मचारियों के 75 आवास हैं। बीयू में रोजाना एक हजार से अधिक विद्यार्थी और अभिभावक अपने कार्य से आते हैं। सभी दोनों कुओं के पानी से पी रहे हैं। कुओं की सुरक्षा व्यवस्था की नाम पर कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। कुए की ऊपर पेड़ की पत्तियां गिरती रहती हैं। पत्तियां सीधे कुए में नहीं गिरे, जिसके लिए वहां पर जली लगा दी गई है, लेकिन अभी भी सभी को डर है कि कुए सिर्फ पानी की टंकी का कार्य कर रहे हैं, जिनकी सफाई होना जरुरी है।

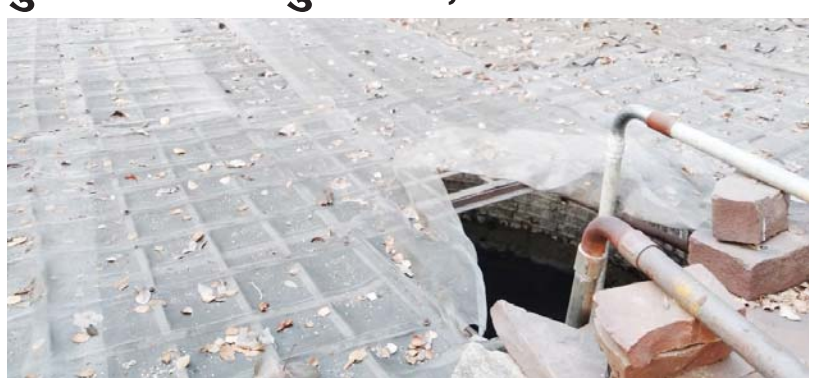

बीयू तैयार कराएगा संपवेल

बीयू में पानी सप्लाई करने के लिए बीडीसी दो-दो लाख लीटर के दो संपवेल तैयार कराएगा। इसके लिए स्थान चिंहित किए जा रहे हैं। संपवेल के आने से बीयू में कुए को छोड़कर संपवेल से पानी की सप्लाई की जाएगी। वहीं बीयू ने जगह-जगह पर रखे पानी की टंकियों को साफ करा लिया है। वहीं कुओं में साफई बनाए रखने के लिए कैमिकल का उपयोग करते हैं।

तालाब के लिए संस्कृत संस्थान के पीछे देखी जा रही है जगह

विशेषज्ञों के अनुसार बीयू में ब्लैक सॉइल होने के कारण यह एरिया ड्राय वॉटर क्षेत्र में आता है। काली मिट्टी के कारण पानी जमीन के नीचे नहीं जा पाता है। तालाब के लिए संस्कृत संस्थान के पीछे जगह देखी जा रही है। तालाब बनता है, तो बीयू में वॉटर लेवल बढ़ेगगा और परिसर में बने आठ बोर रिचार्ज हो सकेंगे। इसके अलावा पेड़-पौंधों को भी पानी मिल सकेगा।

> बीयू परिसर में कुओं से पानी सप्लाई होती है। कुओं का पानी दूषित है या उनमें बैक्टीरिया है, जिसकी जांच कराई जाएगी। इससे लोगों का भय भी खत्म हो जाएगा।
>
> **-प्रो समर बहादुर सिंह** कुलसचिव, बीयू

असलम समेत 4 लोगों के नाम पर था स्लाटर हाउस का ठेका

पुलिस ने किया तलब, जब्त पैकेटों में मिला था गौमांस

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी के स्लाटर हाउस में हुए गौकशी मामले में पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी है। इसका ठेका गिरफ्तार असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा के साथ तीन अन्य लोगों को दिया गया था। पुलिस ने सभी को नोटिस देकर तलब किया है। पुलिस मुख्यालय के सामने से ट्रक से जब्त सैंपल के 5-6 पैकेट मथुरा लैब भेजी गई थी। जहांगीराबाद थाना प्रभारी मान सिंह चौधरी ने बताया कि इन सभी पैकेटों में गौमांस का पुष्टि हुई थी। पुलिस ने नगर निगम को पत्र लिखकर घटना के रोज जिम्मेदार अफसर, कर्मचारी, मांस को सर्टिफाइड करने वाले डाक्टरों के नाम पूछे हैं। पुलिस को शक है कि बिना मिलीभगत के 26 टन मांस कैसे जा रहा था, जिसमें गौमांस था। इधर, पुलिस गिरफ्तार असलम चमड़ा और ट्रक डायवर शोएब के मोबाइल की कॉल डिटेल से गौमांस के नेटवर्क को खंगाल रही है।

जानकारी के मुताबिक, 17 दिसंबर की रात हिंदू संगठन ने मांस से भरा ट्रक पुलिस मुख्यालय के सामने रोका था। उन्हें शक था कि ट्रक में गौमांस सप्लाई किया जा रहा है। ट्रक में 1325 पैकेट में मांस रखा था, जोकि 26 टन था। शक के आधार पर पुलिस ने सैंपल के लिए ट्रक से 5-6 पैकेट लिए थे, जिसे जांच के लिए मुथरा लैब भेजा गया। वहीं ट्रक को अगले दिन यह कहकर छोड़ दिया कि समय पर यदि मांस नहीं पहुंचा तो खराब हो जाएगा। सूत्रों की माने तो स्लाटर हाउस से रोजाना चार कंटेनर भरकर मांस विदेशों में सप्लाई किया जा रहा था। इसका रिकार्ड भी पुलिस को मिला गया है। अब उसमें कितना गौमांस भेजा जाता था। इसका अभी पता नहीं चल सका है। असलम चमड़ा या ड्रायवर शोएब पूछताछ में कुछ बता पाते इससे पहले पुलिस ने आनन-फानन में उन्हें गुपचुप तरीके से जेल भेज दिया। जांच पर मामले में आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

▸▸ पुलिस ने नगर निगम को लिखा पत्र, ड्यूटी पर कौन-कौन था, किसकी क्या जिम्मेदारी
▸▸ आरोपियों की सीडीआर खंगाल रही पुलिस, गौकशी के नेटवर्क पर जांच

> पुलिस जांच पूरी होने के बाद हम आगे की कार्रवाई करेंगे।
>
> **-संस्कृति जैन,** आयुक्त नगर निगम

दो सगे भाइयों से मारपीट कर 25 हजार रुपए लूटे

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शाहजहांनाबाद इलाके में दो सगे भाइयों के साथ मारपीट कर 25 हजार रुपए लूट की घटना सामने आई है। मंकी कैप पहने बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर लूट का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, मेराज अली (28) पिता शाहिद अली कुम्हारपुरा, शाहजहांनाबाद में रहता है। वह पानी की टंकी के पास लेडीज बुटिक चलाता है। शुक्रवार शाम को वह एक सेकंड हैंड स्कूटी खरीदने के लिए काली बस्ती गया था। जहां पर स्कूटी मालिक से स्कूटी खरीदने को लेकर मोलभाव हुआ, लेकिन जब सौदा तय नहीं हुआ तो दोनों भाई वहां से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान बस्ती की गली में अंधेरे का फायदा उठाकर दो पैदल बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। मारपीट करते हुए मेराज के पास रखे 25 हजार रुपए छीन लिए और फरार हो गए। वारदात के वक्त बदमाशों ने मंकी कैप पहन रखा था, जिसके कारण फरियादी उनका चेहरा नहीं देख पाया। अंधेरे का फायदा उठाकर वह भाग निकले। घटना के बाद दोनों भाई थाने पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मंकी कैप पहने बदमाशों ने की वारदात, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

मकर संक्रांति से पहले चाइनीज मांझे के खिलाफ मुहिम शुरू

इंदौर-उज्जैन में पुलिस का एक्शन, प्रदेश भर में बीएनएस के तहत की जा रही है कार्रवाई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मकर संक्रांति से पहले पुलिस ने आम लोगों के साथ मासूम पशु-पक्षियों और पर्यावरण के लिए परेशानी बन चपके प्रतिबंधित चाइनीज डोर (मांझा) के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। सीएम डॉ मोहन यादव के निर्देश का बाद डीजीपी कैलाश मकवाणा ने प्रदेश के सभी पुलिस अफसरों को जीरो टॉलरेंस अभियान चलाने को कहा था। इसके बाद पुलिस ने चाइनीज मांझा जब्त करने के साथ ही इससे जुड़े कारोबार की सप्लाई चेन को ध्वस्त करने के लिए दुकानों, गोदामों और संदिग्ध वाहनों की तलाशी शुरू कर दी है। इंदौर में पुलिस ने चंदन नगर इलाक में छापेमारी कर लगभग 2 लाख 46 हजार रुपए का प्रतिबंधित मांझा जब्त किया है। इसके अलावा जूनी इंदौर पुलिस ने चेकिंग के दौरान लाखों का माल ले जा रहे एक अन्य आरोपी को भी धर दबोचा। इसके अलावा शनिवार को शहर के द्वारकापुरी में अवैध रूप से चाइनीज मांझा बेचने वाली दुकान को पुलिस ने मौके पर ही सील कर दिया।

उज्जैन में गिरफ्तारी और रतलाम-खरगोन में चेतावनी: इसके अलावा डीजीपी के निर्देश पर पुलिस ने उज्जैन के नानखेड़ा में चाइनीज मांझा बेचते हुए एक आरोपी के साथ एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया है। इनसे बड़ी मात्रा में चाइनीज मांझे से भरी चरखियां बरामद की गईं। इसके अलावा रतलाम और खरगोन में भी पुलिस टीमों ने पतंग और डोर का कारोबार कर रहे व्यापारियों को चेतावनी जारी कर कहा है कि अगर उनके पास छापे के दौरान प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बिकते हुए पाया गया तो उन्हें सीधे जेल भेज दिया जाएगा। प्रदेश के बुरहानपुर में चाइनीज मांझों से होने वाले हादसों को रेकने के लिए पुलिस की टीमें खुद स्कूलों में जाकर बच्चों को समझा रही हैं कि पतंग उड़ाने का शौक किसी की जान लेने का कारण नहीं बनना चाहिए। यहां बच्चों ने शपथ ली है कि वे मांझे के बजाय पारंपरिक सूती धागे से पतंग उड़ाएंगे। इसके अलावा शनिवार को पन्ना जिले के कोतवाली इलाके में अवैध मांझा जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि एमपी में चाइनीज मांझे की खरीदी-बिक्री को भारतीय न्याय संहिता के तहत कानूनी तौर पर प्रतिबंधित किया गया है।

बीएमएचआरसी | तीन मशीनों की शुरूआत, आईसीएमआर के महानिदेशक ने किया संस्थान का दौरा

फेफड़े, हार्मोन और रक्त की होगी विशेष गहराई से जांच

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में अब कई प्रकार की अत्याधुनिक जांचे हो सकेंगी। इनमें फेफड़े से लेकर खून और हार्मोन मुख्य रूप से शामिल हैं। इन तीन मशीनों का शुभारंभ गत दिनों आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने किया। वह अपने भोपाल दौरे पर आए थे और यहां सबसे पहले आकर उन्होंने बीएमएचआरसी का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले भोपाल गैस त्रासदी में दिवंगत नागरिकों की स्मृति में निर्मित स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और पौधारोपण किया। इसके बाद अस्पताल परिसर एवं स्वास्थ्य केंद्र क्रमांक-7 का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान आईसीएमआर की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. संघमित्रा पति, बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव, वरिष्ठ चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन नई एडवांस सुविधाएं शुरू

1. खून की बीमारियों को पहचानना होगा आसानः बीएमएचआरसी में न्यूक्लिएक एसिड एम्पलीफिकेशन टेस्टिंग लैब की शुरूआत की गई है। इस लैब की मदद से ब्लड सेंटर में सभी रक्त यूनिट्स की जांच एनएएटी तकनीक से अनिवार्यतः की जाएगी। यह आधुनिक परीक्षण एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी जैसे संक्रमणों की पहचान अत्यंत शुरुआती अवस्था (विंडो पीरियड) में भी कर सकता है, जो पारंपरिक परीक्षणों से संभव नहीं होता। इससे संक्रमित रक्त उपयोग की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। यह सुविधा विशेष रूप से थैलेसीमिया, कैंसर तथा बार-बार रक्त आधान कराने वाले मरीजों के लिए अत्यंत सुरक्षित साबित होगी।

2 फेफड़ों की क्रियाशीलता की सटीक जांचः संस्थान एक नई मेमोग्राफी मशीन आई है, यह मशीन फेफड़ों की क्षमता, अवरोध और कार्यप्रणाली को अत्यंत सटीकता से मापती है। यह गहरी सांस लेने के बाद फेफड़ों में मौजूद कुल वायु मात्रा तथा सांस छोड़ने के बाद बचे अवशिष्ट वायु को भी मापती है। इससे डॉक्टरों को फेफड़ों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन होता है और मरीज के उपचार की बेहतर योजना बनती है।

3 एनालाइजर करेगा गहराई से जांच : बायोकेमिस्ट्री विभाग में एक इम्यनो एनालाइजर मशीन स्थापित की गई है। यह मशीन हार्मोन जांच, कैंसर मार्कर, संक्रमण संकेतक तथा अन्य बायोकेमिस्ट्री परीक्षणों को अत्यधिक गति से पूरा करता है। इससे गंभीर मामलों में उपचार निर्णय में तेजी आएगी तथा मरीजों की बाहरी लैब पर निर्भरता समाप्त होगी।

अनुसंधान को बढ़ावा

डॉ. बहल ने बीएमएचआरसी की 25 वर्ष की यात्रा एवं उपलब्धियों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का विमोचन किया। उन्होंने चिकित्सकों से संवाद किया तथा कहा कि आईसीएमआर गैस त्रासदी प्रभावित मरीजों को उच्चस्तरीय, गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपचार के साथ-साथ अनुसंधान को भी समान प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

आंचलिक विज्ञान केन्द्र में कल से 'विज्ञान पर्व'

जागरण, भोपाल। आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल द्वारा 12 से 14 जनवरी 2026 तक तीन दिवसीय साइंस फिएस्टा- विज्ञान एवं तकनीकी का महाकुंभ 'विज्ञान पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन केन्द्र की 31वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया जा रहा है। इस दौरान देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और शैक्षणिक संस्थाएं, अपने वैज्ञानिक प्रयोग, नवाचार और तकनीकी उपलब्धियां प्रस्तुत करेंगे। इनमें इसरो-एमसीएफ, आईआईएसईआर भोपाल, एम्स भोपाल, आरआरकैट इंदौर, सीएसआईआर-एम्प्री, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग सहित अनेक संस्थाएं शामिल होंगी। यह आयोजन दैनिक जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण, ऊर्जा और भविष्य की तकनीकों में विज्ञान की भूमिका को रेखांकित करेगा। आंचलिक विज्ञान केन्द्र परिसर में प्रातः 10:30 बजे से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में स्कूल और महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

दैनिक जागरण
भोपाल, 11 जनवरी 2026

राजधानी जागरण

05

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 26.4°c | न्यूनतम 4.2°c
राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

14 राज्यों में वांटेड अपराधी राजू ईरानी सूरत में गिरफ्तार, भोपाल पुलिस देर रात लेकर आई

20 साल से दे रहा था चकमा, भोपाल में 3 वारंट व आगजनी के मामले में थी तलाश

ईरानी डेरा के बदमाशों का सरगना है राजू, कार्पोरेट स्टाइल में चलाता था गैंग

नकली सीबीआई, अधिकारी, साधु के वेश में करता था लूट, दंगा समेत कई अपराध दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दो दशक से देशभर की पुलिस के लिए सिरदर्द बना भोपाल का कुख्यात अपराधी आबिद अली उर्फ राजू ईरानी उर्फ रहमान डकैत को सूरत की क्राइम ब्रांच पुलिस ने लालगेट इलाके से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की एक टीम शनिवार देर रात उसे लेकर भोपाल पहुंची। भोपाल में राजू ईरानी के खिलाफ पहला मामला वर्ष 2006 में अपहरण का दर्ज हुआ था। उसके खिलाफ तीन स्थाई वारंट और आगजनी का मामला दर्ज है, जिसमें पुलिस को उसकी तलाश थी। राजू ईरानी डेरा का सरगना है। वह कार्पोरेट स्टाइल में गैंग चलाता था। 14 राज्यों में वह वांटेड था। आरोपी ने 20 साल में नकली सीबीआई, अधिकारी, साधु के वेश लूट, धोखाधड़ी, दंगा, और जिंदा जलाने के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दिया है। महाराष्ट्र में उस पर मकोका जैसे सख्त कानून के तहत भी केस दर्ज है।

भोपाल पुलिस की गिरफ्त में बदमाश राजू ईरानी (बीच में)।

इलाके में रुतबा किसी डॉन जैसा

सूरत क्राइम ब्रांच के मुताबिक, भोपाल से कुख्यात बदमाश राजू ईरानी के फरार होने की सूचना पुलिस के पोर्टल व मेसेज से मिली थी। इसे गंभीरता से लेते हुए क्राइम ब्रांच ने यहां सर्चिंग शुरू की। मुखबिर से सूचना मिली राजू ईरानी सूरत में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने आया है। लालगेट इलाके में घेराबंदी कर उसे शुक्रवार को दबोच लिया। इसकी सूचना भोपाल पुलिस को दी। यहां से एक टीम रवाना हुई, जोकि कुख्यात बदमाश राजू ईरानी को लेकर पहुंची। राजू ईरानी और उसका भाई जाकिर अली लूट के पैसों से लग्जरी कारें, महंगी स्पोर्ट्स बाइक और अरबी घोड़े पालने का शौक पूरा करते थे। इलाके में उनका रुतबा किसी 'डॉन' जैसा था। अब राजू खुद अपराध न करके अन्य अपराधियों को संरक्षण देने लगा था। वह कार्पोरेट स्टाइल में गैंग चला रहा था। गैंग के किसी सदस्य के पकड़े जाने पर वह जमानत, वकील, परिवार की जिम्मेदारी का ठेका लेता था।

10 लोगों को और जमानत दी

इधर, जेल में बंद आरोपियों की कोर्ट में जमानत अर्जी लगी है। इस तारतम्य में शनिवार को 10 आरोपियों को जमानत में रिहा कर दिया गया। यह आरोपी भोपाल पुलिस द्वारा दर्ज किए गए शासकीय कर्मचारी से झूमाझटकी, शासकीय कार्य में बाधा, बलवा, मारपीट समेत अन्य धाराओं में आरोपी थे। जबकि अभी 8 आरोपी जेल में बंद हैं। यह अति कुख्यात बदमाश हैं, इनके खिलाफ अन्य धाराओं में भी केस दर्ज है।

माथे पर मार लेते थे ब्लेड टपकने लगता था खून

पुलिस रिकार्ड के अनुसार आरोपी राजू ईरानी मध्यप्रदेश, हरियाणा, यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल समेत 14 राज्यों में लूट, ठगी और संगठित अपराध के मामलों में वांटेड है। भोपाल पुलिस ने करीब 13 दिन पहले ईरानी डेरा पर रेड की थी। रेड की खबर लगते ही वह फरार हो गया था। तब से भोपाल पुलिस उसके पीछे लगी थी। महिलाओं और बच्चों को ढाल बनाकर राजू ईरानी अपराध करता था। पुलिस जब कभी ईरानी डेरा पर दबिश देने पहुंची तो महिलाएं, बच्चे आगे आ गईं। महिलाओं ने पुलिस से झूमाझटकी की। कपड़े तक फाड़ देती थीं। यहां के बदमाश अपने सिर व माथे पर इस तरह से ब्लेड मार लेते थे कि लगे खून ही खून टपक रहा है। इससे पुलिस भी डर जाती थी और खाली हाथ लौटना पड़ता था। लेकिन पिछले दिनों पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में 32 आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

मारपीट के बाद धक्का देकर दोस्त ने की थी छात्रा की हत्या, एफआईआर दर्ज

शरीर के विभिन्न हिस्सों में आए थे चोट के निशान, शार्ट पीएम रिपोर्ट में हुआ खुलासा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। चूनाभट्टी इलाके में छत से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में पुलिस को शार्ट पीएम रिपोर्ट मिल गई है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि छात्रा के पूरे शरीर में चोट के निशान थे, जो गिरने के अलावा मारपीट से आई थीं। छत की बाउंड्री वॉल भी साढ़े तीन फीट से ज्यादा की थी, जिससे कोई गिर नहीं सकता, जब तक जोर से धक्का न दिया जाए। परिस्थिति जन्य साक्ष्य और परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने उसके दोस्त तुषार कपिल के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने बताया कि तुषार काफी दिनों से उनकी बेटी को परेशान कर रहा था। घटना के रोज वह उसे समझाने गई थी, जहां आरोपी ने उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद से तुषार फरार है। पुलिस की दो टीमें उसके संभावित ठिकाने पर दबिश दे रही हैं। एक टीम उसके गृह जिले खंडवा में डेरा डाले है। छात्रा के अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद वह मौके से भाग निकला था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। चूनाभट्टी पुलिस के मुताबिक ईश्वर नगर बावड़िया निवासी प्रिया मेहरा (23) पिता कैलाश मेहरा नूतन कालेज में पढ़ती थी। बुधवार की सुबह दस बजे वह कालेज जाने के लिए निकली थी। लेकिन कालेज जाने के बजाय वह दोस्त तुषार कपिल के चूनाभट्टी स्थित पारिका सोसायटी में बने स्टे होम केयर पहुंची। यहां तुषार केयर टेकर का काम करता है। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। दोपहर करीब 12 बजे प्रिया छत से गिरते हुए एक कैमरे में कैद हुई थी। लहूलुहान हालत में तुषार उसे जेपी अस्पताल लेकर पहुंचा था। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद तुषार मौके से भाग निकला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की थी।

शव रखकर परिजनों ने किया था चक्काजाम

अगले दिन पीएम के बाद परिजनों ने नर्मदापुरम रोड स्थित दानिश चौराहे पर शव रखकर चक्काजाम किया। परिजनों का आरोप था कि उनकी बेटी की तुषार ने हत्या की है। वह दोषी को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे थे। पुलिस की समझाइश के बाद परिजन शांत हुए और शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए रवाना हुए थे। 15 मिनट तक दानिश चौराहे के एक ओर गाड़ियां थमी रहीं थीं।

फ्रेक्चर अस्पताल के सामने फूटी नर्मदा पेयजल लाइन

नए भोपाल के कुछ इलाकों में प्रभावित हो सकती है सप्लाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। शनिवार को भोपाल फ्रेक्चर अस्पताल के सामने चल रहे निर्माण कार्य के चलते नर्मदा जल पाइप लाइन फूटने से अचानक ही पानी का 20 फीट ऊंचा फव्वारा फूट पड़ा। इस दौरान कुद देर तक वाहन चालकों को यहां से वाहन निकालने में परेशानी हुई। दूसरी ओर पाइप लाइन फूटने से हजारों लीटर पानी सड़कों पर व्यर्थ ही बह गया। आम लोगों से मिली शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे नगर निगम के अमले ने फूटी हुई पाइप लाइन को ठीक कर पानी के लीकेज को सुधारा।

रहवासियों ने बताया कि जिस जगह पर नर्मदा पाइप लाइन फूटी वहां कुछ मजदूर काम कर रहे थे। संभवतः जमीन की खुदाई या अन्य कारण के चलते नर्मदा लाइन फूटी होगी। पानी की तेज धार फूटने के कारण कुछ ही मिनट में पूरी सड़क जलमग्न हो गई और आसपास स्थित घरों में भी नर्मदा जल भर गया। बाद में अमले के आने के बाद वाल्व बंद कर पानी की पाइप लाइन को सुधारने का काम शुरू किया गया। बता दें कि फूटी पाइप लाइन के चलते 10 नंबर व 11 नंबर स्थित कुछ जगहों पर ओवर हेड टैंक नहीं भर सके हैं, जिसके कारण रविवार को पानी की सप्लाई कुछ देन के लिए प्रभावित हो सकती है। हालांकि नगर निगम द्वारा इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

छायाः एचसी वर्मा

रिटायर्ड कमांडेंट के खाते से केयरटेकर ने उड़ाए 62 हजार

जागरण, भोपाल। कटाराहिल्स थाना क्षेत्र में रिटायर्ड कमांडेंट से केयरटेकर ने 69 हजार रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया। आरोपी ने चोरी-छिपे बुजुर्ग के फोन से 62700 रुपए अपने भाई और मां को भेजे। जिसका पता चलने पर फरियादी ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 86 वर्षीय आईबी फांसिस के साथ स्मार्ट सिटी कटारा हिल्स में रहते है। वह बीएसएफ में कमांडेंट से रिटायर्ड है। उनके बेटा-बहू नौकरी करते है। जो दिनभर घर से बाहर रहते है। बुजुर्ग के चलने-फिरने में असमर्थ होने के चलते उन्होंने ढ़ाई साल पहले राजकुमार को केयरटेकर की नौकरी पर रखा था। जो खंडवा का रहने वाला है। घर के काम करने के दौरान केयरटेकर को बुजुर्ग के फोन और ट्रांजेक्शन पासवर्ड की जानकारी थी। इसी दौरान 26 जुलाई 2025 को उसने चोरी-छिपे बुजुर्ग के मोबाइल से अपनी मां सीताबाई और भाई गणेश को 62700 रुपए भेजे और इस दौरान उसने दो प्लेट चुरा ली। जिसकी कीमत 6300 है। बुजुर्ग ने जब बैंक पासपोर्ट की ट्रांजेक्शन की डिटेल्स निकलवाई, तो मामले का खुलासा हुआ। नौकर से पूछताछ करने पर उसने धीरे-धीरे रकम चुकाने की बात कही और 6 महीने तक बात को टालता रहा। काफी समय तक पैसे नहीं देने पर बुजुर्ग ने थाने पहुंचकर नौकर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर नौकर की तलाश शुरू कर दी है।

आयोजन चौथे रिसर्च डे प्रोग्राम में बोले महानिदेशक, शोध करने वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

पीएचडी के लिए 3 प्रस्ताव भी नहीं भेज सका एम्स

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल लगातार रिसर्च कार्य कर रहा है। बीते दो से तीन साल में कई रिसर्च पेपर प्रकाशित भी हुए हैं, लेकिन इसके विपरीत तस्वीर भी है। वो यह है कि एम्स भोपाल पीएचडी रिसर्च के लिए तीन प्रस्ताव भी आईसीएमआर के लिए नहीं भेजा सका, उसके द्वारा सिर्फ दो प्रस्ताव भेजे गए। यह बात आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कही। उन्होंने कहा कि मैं बहुत निराश हूं, एम्स भोपाल जैसी संस्था यदि तीन पीएचडी स्कॉलर भी नहीं तलाश कर रही तो अन्य संस्थाओं का क्या होता होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमने एक संस्थान के लिए मिनिमम तीन सीट की स्वीकृति रखी हुई है, लेकिन एम्स द्वारा सिर्फ दो प्रस्ताव आना निराशाजनक है। दरअसल शनिवार को एम्स भोपाल अपना चौथा रिसर्च डे सेलिब्रेट कर रहा था। इसके लिए एक समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की।

सजाया रिसर्च शो-केस, कई प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी

एम्स ने अपने चौथे रिसर्च डे पर रिसर्च शो-केस सजाया। इसमें उन सभी प्रोजेक्ट को शामिल किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान का मान बढ़ाया है और जिसे रिसर्च की दुनिया में सराहा गया है। इसमें सबसे ज्यादा रिसर्च प्रोजेक्ट एम्स के डेंटल विभाग के दिखाई दे रहे थे। यहां एम्स के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अंशुल राय व बाबूलाल सोनी ने बताया कि उनके द्वारा कई रिसर्च वर्क को भारत सरकार से पेटेंट मिला हुआ है। जिसका उपयोग वह देश की जनता के लिए सस्ते दामों पर करेंगे। प्रदर्शनी में एम्स के सभी विभागों ने अपने प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए।

स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र दिए गए

रिसर्च डे कार्यक्रम में अतिथि द्वारा ऐसे स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र दिया गया, जिन्होंने रिसर्च पेपर तैयार किए और उनके कार्य को विभिन्न मंचों पर सराहा गया।

बानी हेल्थ का उद्घाटन

रिसर्च डे पर आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल, एम्स के निदेशक डॉ. माधवानंद कर एवं अन्य के द्वारा कई नई सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। इसमें बहुविषयक अनुसंधान इकाई तथा स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन संसाधन केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही उन्होंने बानी हेल्थ (बायो-इन्क्युबेशन एंड इनोवेशन इन हेल्थकेयर) गैलरी, कम्प्यूटेशनल त्रि-आयामी मॉडलिंग प्रयोगशाला तथा अनुसंधान दिवस पुरस्कार दीर्घा का भी अवलोकन किया। इन पहलों के माध्यम से एम्स भोपाल में विकसित हो रहे सुदृढ़ अनुसंधान ढांचे, नवाचार क्षमता और तकनीकी प्रगति को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया गया।

एनआईआरएफ में सुधरी भोपाल की रैंक

एम्स भोपाल ने रिसर्च क्षेत्र में बीते कुछ सालों में बेहतर काम करते हुए एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) की रैंक में सुधार किया है। कुछ साल पहले तक इस सूची में भोपाल की रैंक 38 थी, जो पहले घटकर 27 हुई और वर्तमान में अब 25 है। यह रैंक रिसर्च के साथ साथ संस्था के एलुमनी सदस्य कहां क्या कार्य कर रहे हैं, यह भी देखा जाता है।

बजट का सिर्फ एक फीसदी हिस्सा ले रहा एम्स

आईसीएमआर के महानिदेशक बहल ने बताया कि हमारे पास देश भर की संस्थाओं के लिए रिसर्च वर्क पर खर्च करने के लिए जितना कुल बजट है, भोपाल एम्स उसका सिर्फ एक फीसदी ही प्राप्त कर पा रहा है। जबकि दिल्ली एम्स की क्षमता 12 प्रतिशत से अधिक पहुंच गई है। यदि एम्स भोपाल अपने रिसर्च को और बढ़ाए, कुछ अच्छे प्रोजेक्ट लेकर आए और यह 2 फीसदी फंड ले सके तो बहुत अच्छा होगा।

विंध्याचल वाराणसी ट्रांसमिशन लिमिटेड (वीवीटीएल)
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली – 110016

सार्वजनिक सूचना

विंध्याचल वाराणसी ट्रांसमिशन लिमिटेड (वीवीटीएल) (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिडेट की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी), इसका पंजीकृत कार्यालय है : बी –9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवरिया सराय , नई दिल्ली –110016. बिजली के पारेषण के लिए या टेलीफोन के प्रयोजन के लिए, विद्युत लाइनें या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 164 के तहत बिजली के संचरण के लिए बिजली लाइनों या विद्युत संयंत्र लगाने या कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य के लिए प्रदत्त शक्तियों, जो कि टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास सरकार द्वारा स्थापित या रखरखाव के उद्देश्य के लिए टेलीग्राफ लाइनों और खम्भों को लगाने अथवा स्थापित या रखरखाव के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885 के तहत है, को प्रदान करने के लिए भारत सरकार से आवेदन करना चाहता है. इसके अंतर्गत निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण और कमीशनिंग, संचालन, रखरखाव और अन्य कार्य किए जाएंगे:–

योजना का नाम :	विंध्याचल वाराणसी ट्रांसमिशन लिमिटेड को 765 केवी विंध्याचल–वाराणसी डी/सी लाइन की लोडिंग से राहत देने के लिए अंतर–क्षेत्रीय (एन आर–डब्ल्यू आर) ट्रांसमिशन सिस्टम को मजबूत करना ।
योजना के अंतर्गत शामिल कार्य :	
(i)	प्रयागराज के पास संख्या 765/400 केवी उपकेंद्र
(ii)	765kV फतेहपुर–वाराणसी S/C लाइन का LILO (लगभग 70 किमी)
(iii)	765kV फतेहपुर–सासाराम S/C लाइन का LILO (लगभग 65 किमी)
(iv)	765 केवी विंध्याचल पूल–प्रयागराज डी/सी लाइन (लगभग 180 किमी)
(v)	विंध्याचल पूल पर 765 केवी सासन–विंध्याचल पूल 2Xएस/सी लाइन के दोनों सीकेटी को बायपास करना और इसे 765 केवी विंध्याचल पूल–प्रयागराज डी/सी लाइन से जोड़ना, इस प्रकार 765 केवी सासन–प्रयागराज डी/सी लाइन का निर्माण करना।

योजना के अंतर्गत शामिल ट्रांसमिशन लाइनें निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों के बीच से, ऊपर से, आसपास से होकर गुजरेंगी.

765kV विंध्याचल पूल – प्रयागराज डी/सी ट्रांसमीशन लाइन (पार्ट–I एवं पार्ट–II)

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सीधी तहसील का नाम : बहरी, ग्राम का नाम : डोल, खैरा, बहरी, चंदवाही, सिहौलिया, जेतुला, दुअरा, मुडवानी, केसबाही, केशवाही, बहेरा, पताई, फुलवारी, भनवारी, भनमारी, भनवार, भनमार, कचरी, देवगवां, देवगांव, भटिगवां, भटगवां, करकचहा सुखदेव, करकचहा, करकचहा गयादीन, करकचहा पैपखार, करकचहा जगदीश, मौहार, कुबरा, कुबरा पैपखार, कुबरा कोठार, लौआ, दरहिया, डढ़िया, मयापुर, बड़ैला, पतुलखी, धुतपुरा कोठार, धूतपुर उन्मुक्त, धुतपुर, मोछ, पखरा, पखडा, मठपुरिया, जमुआर, देवरी, झरिया, बरबंधा, तेंदुआ, तेंदुहा, झरी, बम्हना सरई, मुर्तिहा, नकझर कलां, कुनझुन, कुनझुन कला, कुनझुन खुर्द, कुकुराओं, कुकराव ब्राह्मणटोला, कुकराव माझीटोला, परवा, उमरिया, रामनगर खुर्द, बसौडीहा, चुन्हा, महुआरिया, तरका, बैरिहा, बैरिहा पैपखार, बैरिहा कोठार, बेलहा, परसवार, देउरी, देवरी, धुपाह

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सीधी तहसील का नाम : सिहावल, ग्राम का नाम : रामनगर(रामनगर कलां), पमरिया, आमदई, कुकराव ब्रम्हनटोला, रामनगरखुर्द, रामनगर कलां, परसियाही (परिसीधि), चमरौहा, अमिलिया, अमारा, सेमारी, अमिरती, महुअर(महुवार), बासुली, राजगढ़ कोठार, नौढ़िया, राजगढ़ उन्मुक्त, सजमानी, जोंकी (जोकी), उपरौहली, कोदौरा, बेलगांव, सिलवार, सजवानी खुर्द, सजवानी कलां, भोरो, बड़ागांव, बड़ागांव वीरान, बगानरवा नाला।

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : मऊगंज, तहसील का नाम : हनुमना, ग्राम का नाम : बिरादेई, पिपराही, पतेरी, नवापारा, खोरहमानी (खोड़मानी), कैलाशपुर, रघुनाथगढ़, छोड़ा, बम्हनी, उक्सा, तेलिया निर्मोहीसिंह, तेलिया महात्मन, जमुनिया, बलभद्रगढ़, गढ़ा, गोरमा नाला, पीताम्बरगढ़, पीपरखंड, उक्साकोठार, पिड़रिया, साइफन, कठौता, खटखरी(खटखरी कलां), अगरही, धावा मु. दुबगवां, साइफन बुदाहा, बिझौली, साइफन, हटवा, गोरमा , विरहा, बिरहा कुँवर, बिझौली गहरवारान, भोड़हा, भिजौली शुक्लान, विरह प्रयागदत्त, कौवा मु विरह, पतुलखी, कोडिया एन, कौवाधान, हरदी, एंट्रेला (अतरैला) , बिरहा, सिगती, बिरहा समयलाल, बगैहा, विरह गोपाल, बिरहाफत्तेरम, हटवादीनदयाल, मजन रामकृपाल, हटवा दुर्गाप्रसाद, हटवाचक 1, हटवाचक 2, हटवा निर्भयनाथ, बिरहागिरवरसिंह, अरहरिया, कौवाधन अबार, हत्वा वेणीमाधव, पिढ़ैया, कौवाधन कुर्मियान, हटवा ईश्वरदीन, कौवाधन गौतमन, तेंदुआ, कोलाहा, गजराहा, बेलौही, हरदिहा (हरदिहाई), धौंसाड़, तेंदुआ पदान, तेंदुआ सेंगरन, तेंदुआ वेलन, बेलौही कलां, शाहपुर, बेलौही कुबरन, खुटहा, बेलुही रामशरण, पटेर, घरभरा, पटेरहा, जगघाट, वरिया, गढ़पेला, दुधमनिया, गौरी, गावगावां, छदाना, शिवरिहा मऊ शाहपुर, बलेहा, डाबर, कोटवरवा, गनिगवां, मरजादपुर, लटियार, घुरेहटा (घोहरा), अमलाकपुर, छादाना खुर्द, छादाना कलां, कठार, रहड़ा।

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : रीवा, तहसील का नाम : त्योंथर, ग्राम का नाम : ककरहा, राजाबांध, दरिया, पुरवा, सीधी सायर, बारीजंगल, ककरहा नंबर 2, कलवारी, बरी कलां, चौरा, नेवरहिया 115, गोरमा नाडी, चंदापुर, मोहगांव, देवरी, नौढ़िया, चक उरदन, बारी खुर्द, बेदौरिहा, रेरुआ, खदिहवा, चौरा, ढेरहा(ढेरहाई), सिगटोला, कटरा, पथरहिया, बहराइचा, सोनौरी, रेउही, गदरपुरवा, दरियनपुरवा, बजारा, गंथा, बांस, उपरौहितनपुरवा, दरिमनपुरवा, बेदौलिहा नंबर 1, बेदौलिहा नंबर 2, फेरईपुरवा न. 1, फेरईपुरवा नंबर 2, मौहरिया, बांसपट्टी, होतीपुरवा, मझगवां (मझिगांव), कैथा, कथौली, पुरवा, अमिलिया, बरुआ, कोरांव, बशात, दिहि, नरौल, हहोतीपुरवा(कटरा), गंथा, भेगुडी, बहरैचा, बरेठी, मांगी, कलार पुरवा, भौंराहा, बेलन मुख्य, बरेठी खुर्द, टेढ़ा खुर्द, बरेठी कलां, कोनीखुर्द ।

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सिंगरौली, तहसील का नाम : सिंगरौली, ग्राम का नाम : परदेही, परसदेही, पलहवा टोला, पलइहां, सीधी कलां, सीधी खुर्द, पिपरा, तीआरा,तियरा, चांचर, चाचर, टिपरा, मझौली, बसौरा, बसौड़ा, नौढ़िया, नौढ़िया, नौढ़िया, सीतुल, सितुल खुर्द, जरहा, बरवाटोला, कुटौली, कटौली, खुटार, बनौली, बड़ीसीतुल, चितरबैर कलां, चितरवई कलां, मनिकचौरा, जरौंधा, जरौंधी, गहिलरा, ढेकी, ढेंकी, सहोखर, कंजी, विहरा, बिहरा, भांडी, भाड़ी, भैरा, खटखरी, भैरी, बरौंहा, बरौहा, करहिया, हर्दी, कुशमहरा, धतुरा, धतूरा बरवा, धतूरा पोखरा, परसौना, जिनहर, राजवध, राजवांध, लोरी, लूरी, काजन, पोडी, पोंडी नौगाई, नौगाई, गरहरा, गड़हरा, बुधेला, परैनिया, पडैनियां, चिन्हार, बडमा, पिपरा, पिपरा झाँपी, चोकरा, गरहरा, गड़हरा, देवरी, देओरी, डीग्घी, हरैया, चकरा, गड़सा, राजासरई, सेमरिया, बोदरा, खजोरी, खजूरी, करकोसा, फुलवारी

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सिंगरौली, तहसील का नाम : माडा ग्राम का नाम : खम्हरिया, महादेवा, महदेवा टोला, पिडरवाह, केराहा, झांजी, झांजीटोला, अमहरा, ओखरावल, उखरावल, गहीडार, गहिरार, भूरुकुर, भुड़कुड, बसौरा, बसौड़ा, रम्पा, कोएलखुद, कोयलखूंथ, छोटी बहेरी, बहेरी खुर्द,पडरी खूटाटोला, रजमेलन, रजमिलान, रैला, करसुआ राजा, कुल्हुई, मधुरा, कुबरी, प्रतापपुर, चौरा, खोखरी, खोखारी, सखौहां, सिंगाही, कथुरा, पिरखुरी, पिड़खुरी, चुरीशानी, चुरीसानी, अमरा, चितरबैर खुर्द, चितरवई खुर्द, अमिलवान, रक्की

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सिंगरौली, तहसील का नाम : सिंगरौली नगर, ग्राम का नाम : नौगढ़, अमलोरी, पराही, पड़री, चकुवार, चकुआर, थुरुवा, थुरुआ, सिंगाही, सोलंग, राजखंड, मूहेर

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सिंगरौली, तहसील का नाम : बरगवां, ग्राम का नाम : गुल्लीडांड़, तेलदह, तिलियान, चिंगीटोला, गरेरिया, गड़ेरिया, बरगवां (एनपी), बरगवां, डगा, दादर, भालूगढ़, कनई, गोंडवाली, रामपुरवां, रामपुरवा, बड़ोखर, पोखरा, परिहासी, मझिगवां, गिधेर, करीं, सकरा, ओरगरी, ओड़गड़ी, बरौनीया, बरैनिया, बेटाहडांड, घिनहागांव

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सिंगरौली, तहसील का नाम : दुधमनिया, ग्राम का नाम : नौरहिया, नौढ़िया, महदेइयां, महदेइया, कसर, हरैया, रामगढ़, जमुआल, बस्ताली, बस्ताली आबाद, बस्ताली वीरान, उसका, गोडवाली, सेमुआर, बड़ोखर, धरासरा, धरसरा, धरसडा, पाली, अजनी, गांगी, खरकटा, चिंगो, चिंगी, चिंग, पतेरी, कछारीटोला, लारवा, चमरौटीटोला,घिनहागांव, सपहा,भौडार, सरपठा, भर्रार

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सिंगरौली, तहसील का नाम : देवसर, ग्राम का नाम : सिलफ, आमो, पुरवा, पुरवा जागीर, जोगिनी, भरूहा, बरगवां, झरिया, सरबो, सर्वो, खोरापानी, , बिरछी, बिच्छी, बोरी, बोडी, खैराबड़ा, खैरा, लोहरा, उमरहर, बहेरवाडांड़, झकरावल, बिरती, हर्रा, हर्रा बिर्ती, भिटर्रा, धनहा, ईटार, , देवगवां, देओगवां, परसौना कोठार, माढ़ी, माड़ी, कुड़ी, कटौली, खड़ौरा, काटन निस्प, काटन गुरुपुरा, काटन मजौना, गुरुपुरा, परसौना कोठार, परसौना पवई, परसौना पैपखार(उन्मुक्त), हर्राचंदेल, मजौना, सोहर, सहुआर, देवरा, छीवा, जियावन, अकौरी, सुपेला, देवसर(नौढिया), बोड़िया, ढोंगा, कुर्सा, मेरहिया, चौराडांड़, परमा, चंदैनिया, गोरवा, गौरवा, बम्हनी, बुढ़ाडांड, भट्टोला, मदईडाड़, छौहानी, बोरिहिर, लिलहारा, तिलियाखरी, सलहन, डोल, भईसाबध, समदा, खोबा, खोभा, सरपथई, चपरी, चकुवार, भाकवार, भकुआर, कितनिहवा, बमनी, सजहर, सरहा, कटहा, खडौरा, वसौदा, गोडगवां, नौढ़िया आवाद, नौढ़िया वीरान

राज्य का नाम : मध्य प्रदेश, जिले का नाम : सिंगरौली, तहसील का नाम : चितरंगी, ग्राम का नाम : ढिलरी, खम्हरिया कलां, खम्हरिया खुर्द, भर्रा, रेनरी, रेडी, कर्थुआ, रेही, पराई, झोखो, कुसाही, बसाही, खुरमुचा, बहेरा, बिछिया, चिलमा

पारेषण लाइन के मार्ग सर्वेक्षण की प्रति अद्धोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि उक्त पारेषण लाइन सम्बंधित किसी भी प्रकार के अवलोकन/अभिवेदन हेतु इस सूचना के प्रकाशन के दो माह के अंतर्गत, दिनांक 11.03.2026 .तक, अद्धोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकते है। अधिक विवरण एवं स्पष्टीकरण हेतु कृपया निम्नलिखित अधिकारी से संपर्क करे :नामः श्री राकेश कुमार, पदः परियोजना प्रभारी (सीनियर जीएम), ई–मेल पताः rakeshkr@powergrid.in, फोन नंबरः 91 8527166464
कार्यालय का पताः (i) पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, 400/220 केवी सबस्टेशन सारंगापुर, रीवा रोड, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश– 211011
(ii) पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, 765/400 केवी सबस्टेशन, विंध्याचल पूलिंग स्टेशन, ग्राम– खम्हरिया, पोस्ट– तियरा, तहसील– सिंगरौली, जिला– सिंगरौली, मध्य प्रदेश– 486886

संक्षिप्त खबरें

भजन और समरसता के साथ रवाना हुआ चित्रांश समाज

जागरण, भोपाल। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश शासन के सहकारिता तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आज अपने निवास से चित्रांश समाज के बंधुओं की दो बसों को झंडा दिखाकर नलखेड़ा, जिला आगर मालवा स्थित मां बगुलामुखी माता एवं बैजनाथ बाबा के दर्शन हेतु रवाना किया। यात्रा के दौरान बसों में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण रहा। सभी यात्रियों ने महारानी के भजनों के साथ पुरुष एवं महिला अंताक्षरी प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नलखेड़ा पहुंचकर सभी सदस्यों ने मां बगुलामुखी के विधिवत दर्शन किए। इसके उपरांत प्रसिद्ध जैन भोजनालय में समाज के जिन सदस्यों के जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ थी, उन्हें सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सभी ने दाल-बाफले, लड्डू, कड़ी एवं चटनी सहित स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। भोजन उपरांत श्रद्धालु बैजनाथ धाम में बाबा बैजनाथ के दर्शन हेतु रवाना हुए। यात्रा में सामाजिक समरसता, श्रद्धा और आनंद का सुंदर संगम देखने को मिला।

यादव समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

जागरण, भोपाल। राजधानी के सुभाष यादव भवन (समन्वय भवन) में यादव समाज द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भोपाल शहर एवं अन्य जिलों से समाज की प्रतिभाएं जो विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन कर रहे हैं एवं भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, उनका हमारे समाज द्वारा सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में विवाह योग्य युवक-युवतियां अपना परिचय देंगे, इसके साथ ही विवाह से संबंधित स्मारिका का विमोचन किया जाएगा। यादव समाज संगठन द्वारा पिछले कई वर्षों में किए गए कार्यों एवं आने वाले वर्षों में किए जाने वाले कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा, उत्कृष्ट युवक-युवतियों को समाज द्वारा प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे, उनका सम्मान कर उनका मनोबल बढ़ाया जाएगा, समाज द्वारा वरिष्ठ लोगों का सम्मान किया जाएगा, राजधानी यादव समाज भोपाल के अध्यक्ष रामस्वरूप यादव ने बताया कि हर वर्ष युवक-युवती परिचय सम्मेलन स्मारिका का विमोचन एवं बच्चों का सम्मान किया जाता है, इस वर्ष भी ऐसा किया जा रहा है।

24 घंटे में 3 साल की मासूम को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

जागरण, भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने 3 साल की मासूम को बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को किसी व्यक्ति ने डायल 112 को सूचना दी कि सडाना मेडिकल स्टोर, 1250 तिराहा क्षेत्र के पास एक बच्ची अकेली घूम रही है। और बोलने में असमर्थ है। मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने बच्ची को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर थाने पहुंची। इस दौरान पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में बच्ची के परिजनों की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में कंट्रोल रूम से बच्ची के हुलिए के आधार पर प्रसारण किया गया। जिसके करीब दो घंटे बाद बच्ची की मां रोशनी यादव (28) निवासी तुलसी नगर थाने पहुंची। रोशनी ने बताया कि वह एक बंगले में काम करती हैं और बच्ची खेलते-खेलते घर से बाहर निकल गई थी। काफी तलाश के बाद बच्ची नहीं मिलने पर वह थाने पहुंची, जहां पर उन्हें उनकी बच्ची सुरक्षित रूप में मिली।

सरकार को याद कराए जाएंगे भोपाल डिक्लेरेशन के वादे

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल डिक्लेरेशन के 25 वर्ष पूरे होने से पहले देशभर के दलित एवं आदिवासी संगठनों ने एक बार फिर साझा वैचारिक मंथन की ऐतिहासिक पहल की है। इसी क्रम में 12 एवं 13 जनवरी को भोपाल डिक्लेरेशन का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है। इसका आयोजन बहुजन इंटेलेक्ट, आदिवासी सेवा मंडल, डोमा परिसंघ द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति वर्ग से डॉ विक्रांत भूरिया, उमंग सिंगार, हीरालाल अलावा, ओंकार सिंह मरकाम सहित कई प्रतिष्ठित लोग शामिल हैं। जबकि अनुसूचित जाति वर्ग से के. राजू, राजेन्द्र पाल गौतम, उदित राज, फूल सिंह बरैया सहित अन्य उपस्थित रहेंगे। आयोजकों का कहना है कि मौजूदा दौर की चुनौतियों के बीच यह पहल दलित आंदोलन को नई दिशा और साझा एजेंडा देने का प्रयास है। भोपाल डिक्लेरेशनः 2 के माध्यम से वर्तमान समय की सामाजिक-राजनीतिकचुनौतियों, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा तथा बहुजन एकजुटता को लेकर ठोस प्रस्ताव एवं संकल्प प्रस्तुत किए जाएंगे।

यह आयोजन दलित, आदिवासी और बहुजन समाज के लिए सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकार और लोकतांत्रिक भागीदारी पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विमर्श होगा, जिसमें देशभर से 500 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं डोमेन एक्सपर्ट्स के शामिल होने की संभावना है। पहला भोपाल डिक्लेरेशन सन 2002 में पारित हुआ था। उस समय मप्र के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह हुआ करते थे। इसके बाद सरकार बदल गई और इस घोषणा पत्र को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। संगठन दिग्विजय सिंह को इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बुलाया है।

हिंदी यूनिवर्सिटी 23 जनवरी से लेगा डिप्लोमा कोर्स की परीक्षा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि ने अध्ययन केंद्रों में संचालित डिप्लोमा कोर्स की परीक्षा का टाइम-टेबल जारी कर दिया है। अध्ययन केंद्रों में पढ़ाने वाले छात्र-छात्राओं की परीक्षा 23 जनवरी से शुरू होगी। जो 31 जनवरी तक चलेगी। परीक्षा का समय दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक रहेगा। इसमें साइबर कानून, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, जैविक कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन शामिल हैं।

बीयू में फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री पर आयोजित कार्यशाला का समापन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि के फार्मेसी विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत आयोजित चार दिवसीय फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में दस फार्मेसी संस्थानों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। समापन सत्र का शुभारंभ डायरेक्टर प्रो. रागिनी गोथलवाल द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री के क्षेत्र में उद्योग आधारित कार्य प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया है। इसमें व्याख्यानों के साथ-साथ हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया गया। फार्मेसी विभाग की सह-समन्वयक दर्शना गोहाटे आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. विवेक शर्मा ने कहा कि केमिस्ट्री का जीवन में एक विशिष्ट और व्यापक स्थान है। यह न केवल शैक्षणिक शिक्षा का अभिन्न अंग है।

पर्यावरण और भारतीय परंपरा के संतुलन पर मंथन

एसपीए का 12वां दीक्षांत समारोह संपन्न, 237 छात्रों को मिली उपाधियां, सामाजिक दायित्व पर जोर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) का 12वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया के अध्यक्ष और राजस्थान सरकार के पूर्व अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक प्रदीप कपूर मुख्य अतिथि थे। बीओजी अध्यक्ष प्रो एचडी चारण ने दीक्षांत समारोह का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि आज स्नातक हो रहे सभी छात्रों को अपने आप को प्रमाणित करने का समय है जहां प्रोफेशनल एक्सीलेंस के साथ पारिवारिक जिम्मेदारी एवं सामाजिक भागीदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन भी करना है। उन्होंने कर्तव्य के महत्व पर जोर दिया और सभी छात्रों को नैतिकता और मूल्यों पर आधारित आत्म-विकास के साथ-साथ समाज कल्याण के लिए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आगे बताया कि प्रोफेशनल एक्सीलेंस उन्हें जीवन जीने के लिए जरूरी है लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारी एवं सामाजिक भागीदारी सुख पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक है। एसपीए निदेशक प्रो कैलाश राव एम ने बताया डिक हमारे छात्रों ने प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों, प्रतियोगिताओं, सम्मेलनों और अधिवेशनों में भाग लेकर संस्थान का नाम रोशन किया है। मुख्य अतिथि कपूर ने अपने पेशे के अनुभवों को साझा किया और छात्रों को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के मार्ग में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह युग व्यवसाय और भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इस मायने में कि निर्मित वातावरण को कैसे आकार दिया जाए, विकास लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए भारतीयता और इसकी परंपरा को संरक्षित करते हुए स्थिरता की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जाए। इस शुभ अवसर पर 237 स्नातकों (130 स्नातक, 103 परास्नातक, 4 पीएचडी) को उपाधियाँ (डिग्री) और पदक मुख्य अतिथि और अध्यक्ष, सीनेट (एसपीए भोपाल) द्वारा प्रदान किए गए, जिनमे वास्तुकला में स्नातक, योजना में स्नातक, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण), वास्तुकला में परास्नातक (भूपरिदर्श्य), वास्तुकला में परास्नातक (नगर अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना), योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लोजिस्टिक्स प्रबंधन), योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना) एवं विद्या वाचस्पति (पीएचडी) शामिल थे। उपाधियों के अतिरिक्त दो उत्कृष्टता पदक, आठ प्रवीणता स्वर्ण पदक, नौ सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार एवं तीन थीसिस के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये।

अवैध कब्जों की आड़ में हो रहे असामाजिक काम स्कूल और शासकीय डिस्पेंसरी के आसपास भी कब्जे

पंचशील नगर में परेशान रहवासी कई बार कर चुके शिकायत, नहीं हो रही है सुनवाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। लिंक रोड नंबर 3 स्थित पंचशील नगर में अतिक्रमण के चलते आम लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। रहवासियों की मानें तो अतिक्रमण की आड़ में असामाजिक काम हो रहे हैं, जिसकी वजह से रात के 9 बजे के बाद इलाके में आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। अवैध कब्जे करने वाले लोगों को रोककर पैसों की मांग करते हैं। जिसकी वजह से रात को न तो किसी के रिश्तेदार मोहल्ले में आ सकते हैं और न ही रहवासी भी अपने घरों से बाहर निकल सकते हैं। इस संबंध में रहवासियों ने महापौर मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष एवं स्थानीय पार्षद किशन सूर्यवंशी और नगर निगम के अन्य अधिकारियों को आवेदन दिए हुए हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो सकी है। रहवासियों ने बताया कि कब्जेधारियों ने शासकीय सरदार पटेल हाई स्कूल, शासकीय नूतन सुभाष स्कूल की जमीन और कालोनी में स्थित नाले और नालियों पर अतिक्रमण कर रखा है। अतिक्रमण के बाद यहां पक्की दुकानें बना ली गई हैं, जिसकी आड़ में अवैध काम किए जा रहे हैं।

खुलेआम बेचे जा रहे नशीले पदार्थ

लोगों ने बताया कि कालोनी के अंदर अवैध कब्जों की आड़ में खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री की जा रही है। दो शासकीय स्कूल होने की वजह से प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन भी इन स्कूलों में किया जाता है, लेकिन अतिक्रमण की वजह से परीक्षार्थी शासकीय स्कूल को ढूंढने में परेशान होते हैं। इतना ही नहीं स्कूल में प्रवेश करने का एक ओर का मार्ग ही दीवार खड़ी करके बंद कर दिया है। स्कूल के छात्रों को भी अतिक्रमण करने वाले परेशान करते हैं, इसकी शिकायत कई बार किए जाने के बाद भी लोगों की समस्या का समाधान नहीं हो सका है। लोगों ने बताया कि कब्जे करने वाले अतिक्रमण करने वाले शिकायत करने वालों पर भी हमला करने से नहीं चूकते हैं।

रहवासियों से इस संबंध में शिकायत मिली है। अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई करेंगे।
● किशन सूर्यवंशी, नगर निगम अध्यक्ष

इंजीनियर के घर चोरी करने वाले सीसीटीवी से पकड़ाए

तीनों का है पूर्व आपराधिक रिकार्ड, भेजा जेल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मिसरोद इलाके में इंजीनियर के सूने मकान में चोरी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सीसीटीवी फुटेज से पकड़े गए। पुलिस ने उनसे 15 लाख रुपए कीमती जेवरात समेत अन्य सामान जब्त किया है। तीनों की पूर्व आपराधिक रिकार्ड है। पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, स्वावलंबन पाठक बैंगलोर में एक निजी कंपनी में इंजीनियर हैं। उनके माता-पिता यहां मिसरोद इलाके में रहते हैं। 29 दिसंबर को जगन्नाथ पुरी दर्शन के लिए चले गए। 3 जनवरी को स्वावलंबन भोपाल पहुंचा तो देखा कि घर के दरवाजे पर लगा ताला टूटा था। अंदर रखी अलमारी का लॉक टूटा था। लॉकर से पुराने इस्तेमाली सोने की अंगूठी, सोने की चेन, चांदी की पायल, चांदी की चेन, सोने की 4 चूड़ियां, सोने का पेंडल वाला मंगलसूत्र, रियल मी कंपनी का मोबाइल, वीवो कंपनी का मोबाइल, वेब कैमरा, हेडफोन समेत अन्य सामान था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे खंगाले। एक जगह फुटेज में आरोपी कैद हुए। फुटेज साफ होने पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली। मुखबिर की सूचना बंगरसिया इलाके से तीनों को दबोच लिया। आरोपियों की पहचान आकाश कुमरे (22) निवासी ग्राम मुरारी चोपड़ा थाना औबेदुल्लागंज रायसेन, गोलू उर्फ फूल सिंह (24) निवासी राजस्थानी मोहल्ला सतलापुर जिला रायसेन और सचिन पटवा उर्फ सच्चू उर्फ रावण (22) निवासी वार्ड नं. 10 थाना मंडीदीप जिला रायसेन के रूप में हुई। तीनों का आपराधिक रिकार्ड है। उनके खिलाफ थाना मिसरोद जिला भोपाल, थाना ओबेदुल्लागंज, थाना सतलापुर तथा थाना मंडीदीप जिला रायसेन में पूर्व से कई अपराध पंजीबद्ध हैं।

आईईएचई में 'भारतीय भाषा परिवार' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

जागरण, भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई), भोपाल में 'भारतीय भाषा परिवार' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। यह संगोष्ठी भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार), नई दिल्ली तथा भारतीय शिक्षण मंडल, मध्य भारत प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। मुख्य अतिथि अशोक पाण्डेय, डॉ. प्रकाश बरतूनिया, डॉ. रवींद्र कान्हेरे तथा संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल मंचासीन रहे। प्रथम दिवस के विभिन्न सत्रों में विद्वानों ने भारतीय भाषाओं की संरचना, अनुवाद और सांस्कृतिक एकता पर विचार साझा किए। स्वागत उद्बोधन में डॉ. एच.बी. गुप्ता ने संगोष्ठी के उद्देश्यों और सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. रवींद्र कान्हेरे ने भारत के बहुभाषिक परिदृश्य में अनुवाद की भूमिका, उसकी चुनौतियों और तकनीकी हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रकाश बरतूनिया ने हिंदी की वैश्विक स्थिति और भाषिक एकता पर बल दिया। अशोक पाण्डेय ने भाषा को संस्कृति का संवाहक बताते हुए स्वभाषा के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश शासन 11 भारतीय भाषाओं में निःशुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

वंदे मातरम् महोत्सव में नारी शक्ति का उद्घोष

जागरण, भोपाल। ब्रह्माकुमारीज सुख-शांति भवन, नीलबड़ में वंदे मातरम् राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने तथा संस्था की सात वर्षों की सेवा-यात्रा के उपलक्ष्य में भव्य वंदे मातरम् महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति से राष्ट्रशक्ति की भावना को सशक्त रूप में प्रस्तुत करना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ नारी सशक्तिकरण पर आधारित भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति से हुआ, जिसमें नारी की आत्मिक शक्ति, त्याग और समाज निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी पंचशीला दीदी जी ने कहा कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होना एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसे देशभर में विविध आयोजनों के माध्यम से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल भूमि का नहीं, बल्कि देश की प्रत्येक नारी के सम्मान का उद्घोष है। मातृशक्ति के बिना राष्ट्रशक्ति की कल्पना अधूरी है। उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ विश्व का एकमात्र आध्यात्मिक संस्थान है, जो 140 से अधिक देशों में 10,000 से अधिक सेवा केंद्रों के माध्यम से नारी शक्ति को आत्मिक रूप से जागृत कर समाज परिवर्तन का कार्य कर रहा है। क्रिश्चियन महिला प्रभाग की अध्यक्षा बिनी जॉर्ज जी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल जागरूकता नहीं, बल्कि एकता, मानवता, प्रेम और शांति के मूल्यों को जीवन में अपनाना है। भारत की आत्मा विविधता में एकता है और हमें ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना है जो आध्यात्मिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से मजबूत, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और राष्ट्र के प्रति समर्पित हो। राष्ट्रीय हिंदी मेल की वरिष्ठ पत्रकार सादिया खान जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में मात्र 30 सेकंड के ज्ञान-अनुभव से उन्हें गहन शांति की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि व्यस्त और तनावपूर्ण दिनचर्या के बीच इतने कम समय में मानसिक सुकून मिलना उनके लिए एक विशेष अनुभव रहा।

प्री-बजट मीटिंग वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने केंद्र सरकार के सामने रखी डिमांड

सिंहस्थ के लिए 20 हजार करोड़ के पैकेज की मांग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने आगामी सिंहस्थ 2028 के आयोजन के लिए केंद्र सरकार से स्पेशल पैकेज देने की मांग की है। नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित प्री-बजट मीटिंग में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने उज्जैन में होने वाले आस्था के महाकुंभ सिंहस्थ के लिए 20 हजार करोड़ रुपये के विशेष वित्तीय पैकेज की मांग उठाई। डिप्टी सीएम देवड़ा ने केंद्र को अवगत कराया कि सिंहस्थ पर देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की उम्मीद है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए राज्य सरकार उज्जैन समेत आसपास के क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाने, शिप्रा नदी पर नए घाटों के निर्माण, आधुनिक चिकित्सालयों और पुल-पुलियाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने साफ किया कि इलाके में इंफ्रा डेवलपमेंट के लिए वर्तमान में 20 हजार करोड़ से अधिक के कार्य मंजूरी किए जा चुके हैं, जिसके लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता बेहद जरूरी है।

एमपी की ग्रोथ रेट 10 फीसदी से अधिक

बैठक के दौरान जगदीश देवड़ा ने केंद्रीय वित्त मंत्री को बताया कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत है। उन्होंने प्रदेश की वार्षिक विकास दर 10 प्रतिशत से अधिक होने का दावा किया। उन्होंने एक तकनीकी विसंगति की ओर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए आग्रह किया कि प्रदेश की लोन लिमिट के लिए प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद(जीडीपी) का आधार 16 लाख 94 हजार 477 करोड़ रुपए ही माना जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि प्रदेश के बजट में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन को आरबीआई और नीति आयोग भी सराह चुके हैं और प्रदेश निरंतर राजस्व आधिक्य की स्थिति में रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार को विवरण देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को जमीन, मशीनरी और आधुनिक तकनीक के विस्तार के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाले पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि की जाए।

पूंजीगत व्यय पिछले साल से 22 फीसदी अधिक

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 82 हजार 513 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने केंद्र से अनुरोध किया कि वर्ष 2026-27 के आगामी बजट में इस योजना के तहत प्रदेश को अतिरिक्त सहायता दी जाए ताकि अधोसंरचना के कार्यों को और अधिक गति दी जा सके।
उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे विकसित भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और सर्वशिक्षा अभियान के लिए आभार व्यक्त करते हुए रोजगार गारंटी को प्रति ग्रामीण परिवार 125 दिन किए जाने के नए अधिनियम को इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन खातों और अटल पेंशन योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए भी सुझाव दिए।

भोपाल उत्सव मेले का समापन राज्यपाल पटेल ने उड़ाए बैलून

जागरण, भोपाल। राजधानीवासियों के लिए पिछले 56 दिनों से उल्लास, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहे भोपाल उत्सव मेले का समापन आज होगा। समापन से पूर्व शनिवार शाम मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मेला प्रांगण का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने आमजन और व्यापारियों से आत्मीय संवाद कर मेले की व्यवस्थाओं और गतिविधियों की जानकारी ली। पटेल ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि भोपाल उत्सव मेला लोकल फॉर वोकल की भावना को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रहा है, जिससे स्थानीय कारीगरों, व्यापारियों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिल रहा है। यह मेला न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का भी सशक्त मंच बना है। इस अवसर पर राज्यपाल पटेल, मेला समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रतीकात्मक रूप से रंग-बिरंगे बैलून उड़ाए। राज्यपाल ने मेला समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी सराहना की और कहा कि मेले के माध्यम से स्वास्थ्य, समाज सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना सराहनीय पहल है। इससे पहले राजपाल ने मेले में उपस्थित लोगों से बात करी और बच्चों को प्यार दुलार किया.. कश्मीरी वस्त्र की दुकान पर बेटी एक छोटी बच्ची से कहा कि पहले पढ़ाई करो फिर दुकान पर बैठो।

फोटो एचसी वर्मा

गुलाब प्रदर्शनी में सजी 600 किस्मों के गुलाबों से महका भोपाल

फूलों की मल्लिका के बीच 'व्हाइट एवलांच' का जलवा

जागरण, भोपाल। राजधानी के लिंक रोड नंबर-1 स्थित गुलाब उद्यान में आयोजित दो दिवसीय 45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी ने शहरवासियों को रंग, खुशबू और सौंदर्य के अनूठे संसार से रूबरू कराया। प्रकृति की कलात्मकता से सजी इस प्रदर्शनी में गुलाब की 600 किस्मों का भव्य प्रदर्शन किया गया, जिसमें करीब 4,000 एंट्रीज (गमले, सिंगल पॉट और कट फ्लावर) शामिल रहीं। इस वर्ष प्रदर्शनी में भोपाल के साथ-साथ पिपरिया, बीना रिफाइनरी और मंडीदीप की औद्योगिक इकाइयों से भी प्रतिभागियों ने अपने श्रेष्ठ (बेस्ट) गुलाब प्रस्तुत किए। राजभवन से भी सहभागिता रही। आयोजन ने बागवानी प्रेमियों, विद्यार्थियों और आम दर्शकों को बड़ी संख्या में आकर्षित किया।

सख्त मानकों पर चुने विजेता

प्रदर्शनी में विशेषज्ञों ने फूलों का मूल्यांकन ताजगी, आकार-बनावट, पंखुड़ियों की गुणवत्ता, पत्तियों का रोग-मुक्त होना और डंठल की मजबूती व सीधाई जैसे कड़े मानकों पर किया। 11 जनवरी को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

'व्हाइट एवलांच' बना किंग ऑफ द शो

प्रदर्शनी का सबसे बड़ा आकर्षण पहली बार शामिल हुई सफेद रंग की वैरायटी 'व्हाइट एवलांच' रही। बीएमएचआरसी, भोपाल की एंट्री 'व्हाइट एवलांच' अपनी बेहतरीन ताजगी, संतुलित आकार, पंखुड़ियों की परिपक्व बनावट और स्वस्थ डंठल के कारण यह वैरायटी पहली ही बार में 'किंग ऑफ द शो' चुनी गई। विशेषज्ञों के अनुसार तय किए गए हर मानकों पर यह गुलाब खरा उतरने के साथ-साथ देखने में भी अत्यंत मोहक है।

गुलाबों की 'रॉयल फैमिली'

दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र गुलाबों का वर्गीकरण रहा, जिसे 'रॉयल फैमिली' के रूप में प्रस्तुत किया गया-हाइब्रिड टी (एचटी)- एक डंठल पर एक बड़ा फूल-यहीं से 'किंग' चुना जाता है।
फ्लोरिबंडा- एक शाखा पर कई फूल-'क्वीन' की श्रेणी।
मिनिएचर- छोटे, सुघड़ फूलों के गुच्छे-'प्रिंस'।
पॉलियंथा- बड़े गुच्छों में खिले फूल-'प्रिंसेस'।

हर साल वर्ल्ड लेवल पर गुलाब की नई नई वैरायटीज रिलीज होती हैं। जो ब्रीडर तैयार करते हैं, उनमें से नई वैरायटी तैयार होती है। हॉर्टीकल्चरिस्ट सुधाकर ने बताया हमने यहां 2020 की वैरायटी डिस्प्ले की हुई है, जिसका नाम सेलेस्टियल नाइट है। आधुनिक बागवानी का परिचय कराती 2020 में विकसित अंतरराष्ट्रीय वैरायटी 'सेलेस्टियल नाइट' अपनी गहरी पर्पल (बैंगनी) रंगत के कारण प्रदर्शनी में खास आकर्षण रही।

ऐन फ्रैंक को समर्पित

भोपाल में प्रेरणा प्रकाश के रोज गार्डन में पहली बार ऐन फ्रैंक रोज खिला है। दरअसल, यह रोज सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान च्यू परिवार की बच्ची ऐनी फ्रैंक को समर्पित है, ऐनी नाजी होलोकॉस्ट की शिकार हुई थीं, वह अपने युद्ध अनुभवों को एक डायरी में दर्ज कर रही थीं, जो बाद में द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल के नाम से प्रकाशित हुई और दुनियाभर में चर्चित हुई। नाजी उत्पीड़न से बचने के लिए ऐनी व उनका परिवार दो साल तक छिपकर रहा। ऐनी की स्मृति में 1960 में एक गुलाब की किस्म बेल्जियम में हिप्पोलाइट डेलफोर्ड द्वारा तैयार की गई।

लोहड़ी फेस्ट 2026 आज

आरजे शैंकी और दलजीत सिंह की रौनक होगी लोहड़ी फेस्ट में

जागरण, भोपाल। राजधानी में पंजाबी संस्कृति की रंगत बिखेरने के लिए आज लोहड़ी फेस्ट 2026 का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था एका वेलफेयर फाउंडेशन और पंजाबी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में यह उत्सव सायं 7:30 बजे से रविन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में पंजाब के चर्चित आरजे शैंकी (अभिषेक धीमान) और लोकप्रिय गायक दलजीत सिंह अपनी प्रस्तुतियां देंगे, जबकि मंच संचालन परमिंदर शायर करेंगे। गिद्दा और भांगड़ा नृत्य, पारंपरिक लोहड़ी उत्सव, पंजाबी व्यंजनों के स्टॉल, शॉपिंग स्टॉल और सांस्कृतिक मेला दर्शकों के लिए आकर्षण रहेंगे। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक नेहा बग्गा और इंदरजीत खनूजा ने बताया कि यह आयोजन निःशुल्क और सभी के लिए खुला रहेगा। शहरवासियों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

दलजीत सिंह

आरजे शैंकी

> हर साल की तरह इस बार भी लिंक रोड का गुलाब उद्यान सैकड़ों गुलाबों की महक से गुलजार हो उठा। अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी में आए अनेक मनमोहक गुलाबों को देखने और अपने साथ ले जाने शहर के गुलाब प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी।

सरोद और सैक्सोफोन की जुगलबंदी ने बांधा संगीतमय समां

जागरण, भोपाल। शहर के संगीत प्रेमियों के लिए शुक्रवार को एक यादगार सांस्कृतिक संध्या सजी, जब बैटक- द आर्ट हाउस, अरेरा कॉलोनी में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की अनूठी जुगलबंदी प्रस्तुत की गई। अमेरिका के प्रसिद्ध सैक्सोफोन वादक फिल स्कार्फ और सरोद वादक अमीर खान ने मंच साझा कर श्रोताओं को राग चारुकेशी की गहराइयों में ले जाने वाली प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत राग चारुकेशी में आलाप, जोड़ और झाला से हुई। इसके बाद विलंबित ताल रूपक में विस्तार और अंत में द्रुत तीन ताल में प्रभावशाली झाला के साथ प्रस्तुति का समापन किया गया। सरोद की गंभीरता और सैक्सोफोन की मधुर ध्वनि के संगम ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संडे प्लानर

लेट्स वॉच

मूवी
शम्भाला- थिएटर्स
टीवी शो
एमटीवी स्प्लिट्सविला सीजन 16- जियो हॉटस्टार

मंच एण्ड फन

क्रिस्पी नूडल्स
90 रूपए
मेराकी कैफे, एमपी नगर

वर्कशॉप

कोशै, हैंडमेड जर्नल, कैंडल मेकिंग
दोपहर 2 से रात 8 बजे
हैंडमेड बाजार
अगम स्टूडियो, ऑग मॉल

रिलेक्सिंग ईव

'नॉलेज का महाकुंभ'
बीएलएफ भारत भवन
सुबह 10 से शाम 8:30 बजे तक

एल.बी.टी. रबीन्द्रनाथ टैगोर- कहानियों के तीन छोर का मंचन

टैगोर की ममस्पर्शी कहानियों की मंच पर जीवंत प्रस्तुति

जागरण, भोपाल। एल.बी.टी. सभागार में टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर- कहानियों के तीन छोर का नाट्य मंचन शनिवार को सम्पन्न हुआ। प्रख्यात रंगनिर्देशक देवेन्द्र राज अंकुर के मार्गदर्शन में मंचित इस प्रस्तुति में गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की तीन कालजयी कहानियों 'एक रात', 'रासमणि का बेटा' और 'अंतिम रात' को संवेदनशील नाट्य भाषा में रूपांतरित कर दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रंगमंच प्रेमी, साहित्यकार, विद्यार्थी और कला अनुरागी उपस्थित रहे।

एक रात

'एक रात' कहानी का नायक और सुरबाला दोनों बचपन के मित्र हैं। दोनों के बीच अदृष्य प्रेम है। नायक पढ़ाई में उलझ जाता है और सुरबाला का विवाह हो जाता है। संयोग से नायक की नियुक्ति सुरबाला के ही शहर में होती है। बाढ़ आने पर दोनों की मुलाकात होती है पर पूरी रात दोनों निर्जन में चुप्पी साधे खड़े रहते हैं पर कोई सामाजिक सीमा नहीं टूटती। सुबह होते ही पानी उतर जाता है और दोनों चुपचाप अलग हो जाते हैं। नायक समझ जाता है कि उसका जीवन असफलताओं से भरा हो, पर उस एक रात में उसने प्रेम और आत्मिक पूर्णता का शाश्वत अनुभव पा लिया।

'रासमणि का बेटा'

'रासमणि का बेटा' यह टैगोर की अत्यंत मार्मिक कहानियों में से एक है। कहानी एक ऐसे परिवार के इकलौते पुत्र की कथा है, जो कभी अत्यंत संभ्रांत और संपन्न था, किंतु समय और परिस्थितियों ने परिवार को ऐसी दरिद्रता में धकेल दिया कि अंततः उसके पुत्र के प्राण ही छिन गए। कहानी का केंद्र एक खोया हुआ वसीयतनामा है, जिसे लेकर पूरे परिवार को विश्वास है कि उनका बेटा उसे अवश्य ढूँढ लाएगा। किंतु नियति कुछ और ही तय कर चुकी होती है। यह कहानी मानवीय आशा, टूटते विश्वास और सामाजिक यथार्थ की करुण अभिव्यक्ति है।

'अंतिम रात'

'अंतिम रात' टैगोर की एक गहरी मनोवैज्ञानिक और मार्मिक कहानी है, जो मनुष्य की अंतिम घड़ी में उसके अंतर्मन, पश्चाताप और जीवन-सत्य को उजागर करती है। कहानी का केंद्रीय पात्र अपनी मृत्यु की अंतिम रात का सामना कर रहा है। मृत्यु का भय उसे बाहरी संसार से काटकर उसके भीतर की दुनिया में ले जाता है। इस अंतिम रात में उसे बोध होता है कि जिन सांसारिक उपलब्धियों पर वह गर्व करता रहा, वे सब निरर्थक हैं। जीवन का वास्तविक मूल्य प्रेम, करुणा और मानवीय संबंधों में है, जिन्हें उसने जीवन भर उपेक्षित किया। अंतिम क्षणों में पात्र मृत्यु को भय नहीं, बल्कि सत्य और मुक्ति के रूप में स्वीकार करता है।

कास्ट प्रभास, निधि अग्रवाल, मालविका मोहन, रिद्धि कुमार, संजय दत्त, जरीना वहाब, बोमन ईरानी
डायरेक्टर मारुति
श्रेणी तेलूगू, हिंदी, हॉरर, रोमांस
क्रिटिक रेटिंग 1.5/5
अवधि- 2 घंटा 59 मि.
कहां देखें- थियटर्स

न हंसाती है, न डराती है, मसालों का ओवरडोज

प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'द राजा साब' को बीते साल रिलीज होना था, लेकिन बड़े सेटअप व हैवी वीएफएक्स के चलते शूटिंग में हुई देरी हुई और इसी कारण यह इस साल रिलीज हुई। फिल्म का बजट 400-450 करोड़ बताया जा रहा है। इसके लिए खासतौर पर एक विशाल हवेली का सेट बनाया गया, क्योंकि फिल्म की काफी कहानी इसी हवेली में घटती है।

एक्टिंग

प्रभास ने अपनी ओर से पूरी कोशिश की है, लेकिन कमजोर व उलझी हुई स्क्रिप्ट के चलते वह कुछ खास नहीं कर पाए। लगातार कई फिल्मों के असफल प्रदर्शन के बाद उन्हें अपनी फिल्मों को चुनते वक्त सावधान रहना होगा। वहीं संजय दत्त के पास हेवी वीएफएक्स वाले सींस के चलते करने के लिए कुछ खास नहीं था। फिल्म की तीनों हीरोइनों के पास भी कुछ सीन्स व गानों के अलावा कुछ खास काम नहीं है। जरीना वहाब और बोमन ईरानी अपने रोल में ठीकठाक लगे। फिल्म की सिनेमटोग्रफी व वीएफएक्स का काम अच्छा है। फिल्म का म्यूजिक कुछ खास नहीं है और कहानी की रफ्तार को कमजोर करता है।

कहानी

राजू उर्फ राजा साब (प्रभास) अपनी दादी गंगा मां (जरीना वहाब) के साथ गांव में रहता है। उसकी दादी अक्सर उसके दादा कनकराजू (संजय दत्त) को याद करती है, जो कि एक चोर की तलाश में लापता हो गए। एक दिन अचानक राजू को अपने दादा के हैदराबाद में होने की खबर मिलती है। वहां पहुंचने पर उसका सामना अपने दादा से जुड़ी खौफनाक और हैरतअंगेज हकीकत से होता है। साथ ही उसे पता लगता है कि उसकी दादी देवनगर साम्राज्य की राजकुमारी हैं। दादी और दादा से जुड़ी पहेलियों को सुलझाने की खातिर वह घने जंगल में स्थित अपने दादा की भूतिया हवेली में पहुंचता है, जहां उसका मुकाबला भूत बन चुके अपने दादा से होता है। दादा और पोते की इस जंग में कौन जीतता है? यह जानने के लिए आपको सिनेमाघर जाना होगा।

मूवी रिव्यू

फिल्म के निर्देशक मारुति ने इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले भी खुद ही लिखा है। फिल्म की शुरुआत हल्के-फुल्के अंदाज में होती है, लेकिन धीरे- धीरे बोझिल होने लगती है। वहीं इंटरवल के बाद तो कहानी इतनी ज्यादा उलझ जाती है कि आप क्लाईमैक्स तक भी उससे उबर नहीं पाते। इस फिल्म को भले ही हॉरर कॉमेडी के तौर पर प्रचारित किया हो, लेकिन फिल्म का हॉरर आपको बमुश्किल ही डराता है। वहीं कॉमेडी भी कुछ दृश्यों में ही हंसाती है। लेकिन निर्देशक ने फिल्म में इतने ज्यादा मसाले डाले हैं कि उनकी ओवरडोज के चलते आपका मजा किरकिरा हो जाता है। कभी यह आपको हॉलीवुड की किसी फैंटेसी फिल्म की याद दिलाती है, तो कभी पीरियड फिल्म या फिर साइंस एडवेंचर फिल्म की।

क्यों देखें

अगर आप प्रभास के फैन नहीं हैं, तो इस फिल्म को देखने में अपना पैसा बर्बाद न करें।

बीएलएफ - सूफियाना सुरों और विचार, संवेदना की त्रिवेणी रहा दूसरा दिन

जागरण, भोपाल। भोपाल लिट्रेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के दूसरे दिन भारत भवन का परिसर विचार, संवेदना और सुरों की त्रिवेणी बनकर उभरा। दिन की शुरुआत जहां साहित्यिक संवादों और वैचारिक मंथन से हुई, वहीं शाम ढलते-ढलते माहौल सूफियाना रंग में रंग गया। राजीव सिंह और उनके समूह की दिल को छू लेने वाली सूफी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को सुरों की ऐसी यात्रा पर ले जाया, जहां शब्द मौन हो गए और अनुभूति बोलने लगी। महोत्सव के दौरान एक ओर समकालीन विषयों पर गहन चर्चाएं होती रहीं, तो दूसरी ओर देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकार, चित्रकार और जनजातीय परंपराओं को सहेजे समूह अपनी कला, खान-पान और औषधीय ज्ञान के माध्यम से दर्शकों को आकर्षित करते रहे। कला और विचार के इस संगम ने पूरे दिन भारत भवन को जीवंत ऊर्जा से भर दिया। भोपाल लिट्रेचर फेस्टिवल में पुस्तक प्रेमियों के लिए मंजुल पब्लिशिंग हाउस की कुछ चुनिंदा पुस्तकें भी रखी गई हैं। जिन्हे वे खरीद भी सकते हैं। इनमें एडम ग्रांट की थिंक अगेन, ब्रायन ट्रेसी की अधिकतम सफलता, डॉ ओम प्रकाश शुक्ला की झूठ की पतंग, दीपक चोपड़ा की लाइफ आफ्टर डेथ जैसी कई पुस्तके शामिल हैं।

रतन टाटा के जीवन और मूल्यों पर केंद्रित सत्र

अंतरंग ऑडिटोरियम में रतन टाटा के जीवन, विरासत और नेतृत्व पर विशेष सत्र आयोजित हुआ। जिसमें लेखक थॉमस मैथ्यू और टाटा ट्रस्ट के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा वक्ता रहे, जबकि संचालन अभिलाष खांडेकर ने किया। सिद्धार्थ शर्मा ने उनकी विनम्रता, ईमानदारी और परोपकार आधारित नेतृत्व को टाटा समूह की पहचान बताया। सिद्धार्थ शर्मा ने साझा किया कि जब भी कोई रतन टाटा से मिलने आता था, चाहे वह कोई वीआईपी हो या आम व्यक्ति, वे स्वयं उसे मुख्य द्वार तक छोड़ने जाते थे और तब तक प्रतीक्षा करते थे जब तक उसकी गाड़ी निकल नहीं जाती। उन्होंने कहा कि यह रतन टाटा की विनम्रता और लोगों के प्रति सम्मान को दर्शाता है। थॉमस मैथ्यू ने रतन टाटा की जीवनी लिखने से जुड़ा अनुभव साझा करते हुए उनकी मानवता को सबसे बड़ी प्रेरणा बताया। सत्र में रतन टाटा से जुड़ी तस्वीरें और रोचक प्रसंग प्रस्तुत किए गए।

भारत किसी की गोदी में नहीं बैठता - मंजीव सिंह पुरी : दूसरा सत्र 'ऑपरेशन सिंदूर एंड पाकिस्तान- द अनटोल्ड स्टोरी' विषय पर आयोजित किया गया। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के पूर्व राजदूत सैयद अकबरुद्दीन और पूर्व राजदूत मंजीव सिंह पुरी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन पाकिस्तान मामलों की विशेषज्ञ डॉ. शालिनी चावला ने किया। पूर्व राजदूत मंजीव सिंह पुरी ने कहा कि पहलगाम हमला कोई सामान्य आतंकी घटना नहीं थी, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने की एक सुनियोजित कोशिश थी।

शिव प्रेम और समानता के प्रतीक

दूसरे दिन के पहले सत्र में प्रशांत दीक्षित ने अपनी पुस्तक के आधार पर बताया कि शिव आधे शरीर में पार्वती को स्थान देकर नारी समानता का सर्वोच्च उदाहरण देते हैं। उन्होंने कहा कि शिव सबसे अच्छे पति और प्रेमी का रूप हैं जिनका प्रेम संघर्ष में और ज्यादा खिलता है।
एआई युग में फैसलों में लानी होगी तेजी : द नेक्स्ट न्यू, द फिफ्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन विषय पर सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में प्रख्यात विचारक और लेखक प्रांजल शर्मा उपस्थित रहे। वक्ताओं ने टेक्नोलॉजी मेगा ट्रेंड्स, उभरती तकनीकों, प्लैनेट सस्टेनेबिलिटी और समाज पर उनके प्रभावों पर विस्तार से बात की। साथ ही स्मार्ट वॉच जैसी तकनीकों से होने वाले संभावित नुकसानों पर भी चर्चा की गई।
संस्कृति बेहतर समाज की आधारशिला : रोल ऑफ कल्चर इन मेकिंग बेटर सोसायटीज विषय पर आयोजित सत्र में संस्कृति, सभ्यता और सांस्कृतिक धरोहर के महत्व पर गहन विमर्श किया गया। इस अवसर पर प्रभात तिवारी ने कहा कि किसी भी समाज को आगे बढ़ाने में उसकी स्थानीय संस्कृति निर्णायक भूमिका निभाती है।

संक्षिप्त खबरें

वन विहार में जल्द दिखाई देंगे गेंडे और कोबरा

जागरण संवाददाता, भोपाल। वन विहार नेशनल पार्क में जल्दी ही पर्यटकों को गेंडे दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा फिर से किंग कोबरा सांप की भी वापसी हो सकती है। हाल ही में मध्य प्रदेश और असम के बीच हुए समझौते के चलते वन विहार राष्ट्रीय उद्यान को गेंडे का एक जोड़ा और 3 कोबरा सांप देने पर सहमति बनी है। इसके अलावा 50 जंगली भैंसे भी मध्य प्रदेश आएंगे। यह सभी जानवर अगले तीन वर्षों में तीन समूहों में आएंगे। इनमें से गेंडे और कोबरा को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में जगह दी जाएगी, जबकि जंगली भैंसों को कान्हा सहित अन्य टाइगर रिजर्व में बसाया जा सकता है। बता दें कि देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में हुए शोध के बाद कान्हा नेशनल पार्क को जंगली भैंसों की बसाहट के लिए उपयुक्त बताया गया है, क्योंकि यहां पर भैंसों के चारागाह के रूप में घास के मैदान मौजूद हैं।

ग्रामीण डाक सेवा कर्मचारियों को नियमित करने की मांग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राष्ट्रीय सवर्ण अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेज कर मांग की है कि ग्रामीण डाक सेवा में लगे पचास हजार अस्थाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए और अन्य सुविधाएं दी जाएं। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मध्य प्रदेश की ग्रामीण डाक सेवा में लगे पचास हजार अस्थाई कर्मचारियों को 20-20 वर्ष सेवा करने के बावजूद भी नियमित कारण का लाभ नहीं दिया गया है। ग्रामीण डाक सेवा के कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ भी नहीं दिया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने उमा देवी एवं कर्नाटक सरकार के मामले में आदेश पारित किया है कि अस्थाई कर्मचारी 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर लेता है, तो नियमित कारण का पात्र हो जाएगा और शासन के विभागों मे 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके अस्थाई कर्मचारियों को विभागो में नियमित किया जाए। संचार मंत्रालय के तहत ग्रामीण डाक सेवा में लगे हजारों कर्मचारियों का विभागीय नौकरशाही शोषण कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा ज्ञापन

एससी-एसटी उद्यमति का विकास करने पर जोर

भोपाल। भोपाल स्थित भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा एक स्ट्रक्चर्ड वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण सेशन आयोजित किया गया। यह नेशनल एससी एसटी हब के आदेश और केंद्र सरकार की पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी ऑर्डर के तहत 4 प्रतिशत एससी एसटी खरीद आरक्षण को पूरा करने के लिए था। इस अवसर पर भेल ने संभावित वेंडरों को वेंडर प्रोग्राम, रजिस्ट्रेशन में मदद और कंप्लायंस वर्कशॉप का आश्वासन दिया।

कोच फैक्ट्री में विश्व हिंदी दिवस पर काव्य गोष्ठी

नगर संवाददाता, भोपाल। सवारी डिब्बा पुनर्विकास कारखाना निशातपुरा भोपाल में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कारखाना के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सोहन सिंह परमार, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (यांत्रिक) ने कहा कि मुझे खुशी है कि कारखाना के राजभाषा अनुभाग द्वारा इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता की सशक्त अभिव्यक्ति है। राजभाषा के रूप में हिंदी का उद्देश्य प्रशासन और आम नागरिक के बीच की दूरी को कम करना है।

सीएम ने पीडब्ल्यूडी के लोकपथ एप 2.0 किया लॉन्च, वाहन चालकों को मिलेंगी सुविधाएं

ब्लैक स्पॉट अलर्ट व वैकल्पिक मार्ग बताएगा एप

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लोक निर्माण विभाग के नवाचारों, डिजिटल पहल और अभियंताओं की क्षमता निर्माण पर केंद्रित राज्य स्तरीय कार्यक्रम सह-प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को किया। रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क दस्तावेज और लोक निर्माण विभाग द्वारा पिछले दो वर्षों में किए गए नवाचारों एवं सुधारात्मक प्रयासों पर आधारित पुस्तिका का भी विमोचन किया। पुस्तिका में डिजिटल समाधान, गुणवत्ता नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण, नई निर्माण तकनीक और आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों की झलक दिखाई गई है। लोकपथ 2.0 ऐप नागरिकों को सड़क रखरखाव की निगरानी, शिकायतों का त्वरित निवारण, रूट प्लानिंग, ब्लैक स्पॉट अलर्ट, आपातकालीन एसओएस सुविधा और सड़क किनारे उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी जैसे कई महत्वपूर्ण फीचर्स उपलब्ध कराएगा। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि गूगल कई जानकारियां देता है, लेकिन लोकपथ ऐप उससे भी बेहतर साबित होगा। यह ऐप स्मार्ट ट्रैवल पार्टनर की तरह काम करेगा, लोगों को वैकल्पिक मार्ग सुझाएगा और ब्लैक स्पॉट की जानकारी यात्रा के दौरान 500 मीटर पहले ही वॉयस अलर्ट के जरिए देगा।

लोकपथ एप से मिलेंगी यह सुविधाएं

वर्तमान में लोकपथ एप में जो सुविधा उपलब्ध है उसमें प्रदेश की सभी मरम्मत योग्य नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग और निर्माणाधीन व क्षतिग्रस्त मार्गों को छोड़कर ग्रामीण जिला मार्ग शामिल हैं। लोकपथ एप 2 जुलाई 2024 को लॉच किया गया था। इसमें व्यवस्था है कि लोग क्षतिग्रस्त सड़कों की फोटो व डिटेल अपलोड कर सकते हैं जो सीधी संबंधित इंजीनियर तक पहुंचती है। शिकायत दर्ज होने के बाद चार दिन की टाइम लिमिट में सड़क की मरम्मत की जाती है और इसके बाद फोटो अपलोड कर बताई जाती है कि सड़क सुधर गई है। अगर गलत जानकारी दी जाए तो शिकायत कर्ता रियल टाइम चेक कर सकता है।

पीडब्ल्यूडी केवल सड़कें नहीं बल्कि गति और दिशा भी करता है तय

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पीडब्ल्यूडी को नारियल फोड़ने या फीता काटने के लिए जाना जाता था। प्रशासनिक अधिकारी अपना तेवर दिखाने के लिए दो तीन विभाग तय रखते थे। इसमें पीडब्ल्यूडी भी शामिल था। लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि पीडब्ल्यूडी केवल सड़कें नहीं बनाता, बल्कि प्रदेश की गति और दिशा भी तय करता है। कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क प्रदेश के विकास की भविष्य की नींव है। उन्होंने बताया कि वर्चुअल बैठक के माध्यम से प्रदेश के 1700 इंजीनियरों से सुझाव लिए गए, जिनमें से 927 इंजीनियरों के सुझावों के आधार पर ही कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क तैयार किया गया। मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में पिछले 70 वर्षों में इंजीनियरों के प्रशिक्षण के लिए कोई समर्पित भवन नहीं था, लेकिन अब प्रदेश की धरती पर अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा।

देश के सबसे दक्ष 1500 इंजीनियर बनाएंगे एमपी की रोड- ब्रिज- बिल्डिंग

नए दौर में सड़क, पुल, बिल्डिंग आदि विकास की गति और दिशा तय करने की रीढ़ हैं। ऐसी अधोसंरचनाओं से लोगों का जीवन सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनता है। सड़क, पुल, बिल्डिंग आदि जन-जीवन को विकास से सीधे जोड़ते हैं। प्रदेश में इनके गुणवत्तायुक्त निर्माण की कवायद की जा रही है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग यानि पीडब्लूडी नई सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। विभाग द्वारा आधुनिक तकनीक के साथ नवाचार भी किए जा रहे हैं। इंजीनियरों को और दक्ष बनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत रवीन्द्र भवन में राज्यस्तरीय कार्यक्रम सह प्रशिक्षण-सत्र आयोजित किया गया। यहां विभाग के 1500 से ज्यादा इंजीनियरों ने प्रशिक्षण लिया। इस दक्षता का इस्तेमाल अब प्रदेश में रोड, ब्रिज और बिल्डिंग निर्माण में किया जाएगा।

मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट आज से देशभर के निवेशक होंगे शामिल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के उभरते हुए उद्यमियों और नवाचारों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए राजधानी के रवींद्र भवन में 11 और 12 जनवरी को वैचारिक संगम होगा। मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट-2026 के नाम से आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय निवेश कुंभ का मकसद प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई ऊंचाई पर ले जाना है। इस आयोजन के जरिए न केवल राच्य की स्टार्टअप-अनुकूल नीतियों और निवेश के अवसरों को बताया जाएगा बल्कि यह देशभर के निवेशकों, नीति-निर्माताओं और सफल उद्यमियों के बीच सहयोग का सेतु भी बनेगा। इस आयोजन में सीएम डॉ मोहन यादव, एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह और एमएसएमई आयुक्त दिलीप कुमार भी शामिल होंगे।

आईआईएम बेंगलुरू और इंदौर के एक्सपर्ट देंगे टिप्स: इस सम्मेलन की शुरुआत रणनीतिक कौशल और स्किल डेवलपमेंट के सत्रों से होगी। पहले दिन का इन्क्यूबेटर्स की आत्मनिर्भरता और कृषि क्षेत्र में नवाचार पर फोकस किया जाएगा। इस दौरान आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम इंदौर जैसे संस्थानों के एक्सपर्ट अपनी मास्टर क्लास के जरिए स्टार्टअप्स को सस्टेनेबिलिटी के गुर सिखाएंगे। वहीं, खेती-किसानी से जुड़े एफपीओ को स्टार्टअप के रूप में कैसे बदला जाए, इस पर भी मंथन होगा। इस दौरान आयोजित होने वाले पिचिंग सत्र के क्वालिफायर राउंड में युवा अपने इनोवेटिव आइडियाज के साथ निवेशकों से चर्चा करेंगे।

संवाद के जरिए निवेश के अवसरों पर होगी चर्चा, करोड़ों के एमओयू भी होंगे

दूसरे दिन सीएम के साथ जाने-माने निवेशक होंगे शामिल: समिट का दूसरा दिन प्रदेश के स्टार्टअप के लिए बेहद खास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस समारोह में शामिल होंगे। इनके साथ स्टार्टअप जगत की दिग्गज कंपनी बोट के को-फाउंडर अमन गुप्ता, इंश्योरेंस देखो के अंकित अग्रवाल और आविष्कार ग्रुप के विनीत राय भी मौजूद रहेंगे। ये सफल उद्यमी अपने अनुभवों के जरिए नए स्टार्टअप्स में चुनौतियों और संभावनाओं से युवाओं को अवगत कराएंगे। आयोजन के दौरान उत्कृष्ट स्टार्टअप्स को पुरस्कार भी दिए जाएंगे और उनकी सफल कहानियों के संकलन का विमोचन होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसी मंच से सिंगल-क्लिक इंसेंटिव जैसी डिजिटल पहल और प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एमओयू भी किए जाएंगे। इन दो दिनो में महिला उद्यमिता, सोशल मीडिया मार्केटिंग और एमएसएमई जैसे विषयों पर होने वाले विशेष सत्रों में बाजार रणनीति तैयार करने में मदद की जाएगी।

विद्यार्थियों का वैज्ञानिक कौशल बढ़ाने तैयार होंगी स्कूलों में आधुनिक लैब

मासिक टेस्ट और अतिरिक्त कक्षाओं से विद्यार्थी होंगे तैयार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जहांगीराबाद में छात्राओं के लिए दो आधुनिक कक्ष तैयार की जा रही हैं। उक्त कक्षों में छात्राओं की स्पेशल क्लास लगेगी, जो पढ़ाई में कमजोर निकलकर सामने आ रहे हैं। यहां पर नियमित छात्राओं की विशेष कक्षाएं लगाई जाएंगी। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि स्कूल में पढ़ाई का माहौल तैयार करने व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं। स्कूल में कोई विद्यार्थी कमजोर नहीं रह पाएगा। जुलाई प्रवेश के समय मासिक टेस्ट से विद्यार्थियों के बौद्धिक बल को बढ़ाने नए-नए तरीके इजात किए जाएंगे। पिछड़ी हुई छात्राओं के लिए एक घंटे की अतिरिक्त कक्षाएं प्रतिदिन लगाने का नियम तैयार किया गया है। विद्यार्थियों को समान कक्षाओं से अलग पढ़ाया जाएगा। इसलिए आधुनिक कक्ष तैयार किया जा रहे

हैं। विषयों के कमजोर विद्यार्थियों की कक्षाएं लगेंगी। डीपीसी आरके यादव ने बताया कि विभाग से 15 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसी धनराशि से यह कक्ष तैयार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि दो माह में यह कक्ष बनकर तैयार हो जाएंगे। इसके बाद जब नया शिक्षण सत्र शुरू होगा तो पहले ही महीने से कमजोर छात्राओं की क्लासें लगाई जाएगी। बनेंगी आधुनिक लैबः गांधीनगर, पड़रिया, काछी, नरेला संकरी एवं सोहाया स्कूल में फिजिक्स-केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी की आधुनिक लैब बनाए जा रहे हैं।

निर्माण के लिए समय तय

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का कहना है कि जो समयावधि निर्धारित की गई है, उसके अनुसार काम होगा। इसे पायलट प्रोजेक्ट भी कहा जा सकता है। यह लैब तैयार होने के बाद अन्य स्कूलों में भी इसी प्रकार की प्रयोगशाला बनाई जाएं। इसके लिए बाद में शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि जो लैब तैयार किया जा रहे है, उनमें विद्यार्थियों का जबरदस्त आकर्षण बनाया जाएगा। विज्ञान के क्षेत्र में उनका कौशल बढ़ाने के लिए निरंतर काम होगा।

आएगी आधुनिक सामग्री

तीनों विषयों में प्रयोग के लिए आधुनिक इंस्ट्रूमेट मंगाये किए जाएंगे। लैब में बच्चों की प्रैक्टिकल करने की अत्याधुनिक व्यवस्था होगी। यह ऐसी लैब बन रही है। जिसमें एक साथ अधिक से अधिक बच्चे विषय संबंधी प्रयोग कर सकते हैं।

पुलिस अकादमी भौंरी में ड्रिल नर्सरी से सुधरेगी कदमताल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। एमपी पुलिस अकादमी भौंरी में नवनियुक्त पुलिस अफसरों और कर्मचारियों के लिए ड्रिल नर्सरी की सुविधा शनिवार से शुरू कर दी गई है। इसका उद्घाटन अकादमी के निदेशक और एडीजी मोहम्मद शाहिद अबसार ने किया। यह ड्रिल नर्सरी प्रशिक्षु अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रयोगशाला की तरह कार्य करेगी, जहां वे परेड के दौरान होने वाली छोटी-बड़ी गलतियों को देखकर सुधार सकेंगे। इस नई तकनीक के जरिए ट्रेनी जवानों में परेड के दौरान आपसी तालमेल और शारीरिक दक्षता में भी सुधार आएगा। इस मौके पर एडीजी ने ट्रेनी डीएसपी के बैच को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी के जीवन में अनुशासन ही सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने परेड की बारीकियों के साथ-साथ जनता से संवाद के दौरान संवेदनशीलता बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अकादमी के उपनिदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने इस दौरान कानून-व्यवस्था की चुनौतियों और आउटडोर प्रशिक्षण की भूमिका पर प्रकाश डाला।

12 दिन चलेगा नई मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का काम

नो मैपिंग वाले मतदाताओं को तामील कराए जाएंगे नोटिस

जागरण संवाददाता, भोपाल। नई मतदाता सूची में वोटर्स का नाम जोड़ने, मृत मतदाताओं का नाम हटाने और नाम व पते में संशोधन का काम 22 जनवरी तक किया जाना है। यानि मतदाता अब केवल 12 दिनों तक नई मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने का काम कर सकेंगे। इसके लिए जिला निर्वाचन कार्यालय से सभी बूथ लेवल अधिकारियों को अगले 12 दिनों तक नियत समय पर मतदान केंद्रों पर उपलब्ध होने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मतदाताओं को नाम जुड़वाने के लिए फार्म 6, नाम व पते में संशोधन के लिए फार्म 8 हासिल करने में किसी भी तरह की परेशानी न हो। इसके अलावा बीएलओ को 22 जनवरी तक जिले के 41 हजार 286 मतदाताओं को जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से जारी नोटिस भी तामील करवाना है। वर्तमान में नई मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जिले के 25 हजार 907 मतदाता आवेदन कर चुके हैं। वहीं 21 हजार 738 मतदाता नाम व पते में संशोधन के लिए आवेदन कर चुके हैं। वहीं जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से नो मैपिंग वाले 75 हजार 639 मतदाताओं को नोटिस भी भेज दिए गए हैं। इन मतदाताओं को शहर में स्थापित किए गए 93 सुनवाई केंद्रों पर दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि दस्तावेजों की जांच के उपरांत इन सबके नाम मतदाता सूची में जोड़े जा सकें।

भोपाल के विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की सूचीं

विधानसभा	फार्म-6	फार्म-7	फार्म-8	भेजे गए नोटिस
बैरसिया	1343	121	937	1663
उत्तर	3837	60	3065	6723
नरेला	5782	47	3738	12946
दक्षिण पश्चिम	1481	127	1845	11102
मध्य	3032	36	2853	6105
गोविंदपुरा	5587	96	5527	20760
हुजूर	4845	191	3771	16340
कुल	25907	678	21738	75639

सुनवाई के लिए पहुंचे 8120 मतदाता

जिले के सभी सुनवाई केंद्रों पर रोजाना मतदाताओं की भीड़ इकट्ठा हो रही है। शनिवार को भी लगभग 8120 मतदाता सुनवाई के लिए पहुंचे। बता दें कि जो मतदाता अपने दस्तावेज मतदान केंद्रों पर नहीं ले जा पा रहे हैं। उन्हें सुनवाई के लिए अगली तारीख दी जा रही है। जिले में सभी नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई 14 फरवरी तक की जानी है। इस दौरान जो मतदाता अपने दस्तावेज सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के सामने प्रस्तुत नहीं कर सकेंगे उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने उपलब्ध कराया मैपिंग ऑपशन

आयोग के द्वारा बीएलओ एप पर ही मैपिंग ऑप्शन उपलब्ध कराया गया है। यह ऑप्शन उन मतदाताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है, जिनको नो मैपिंग का नोटिस जारी हुआ है, लेकिन उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में मौजूद है। इसके अलावा उनके माता पिता या दादा दादी का नाम भी 2003 की मतदाता सूची में मौजूद है। ऐसे मतदाताओं को मैप करने के बाद सीधे मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा।

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन 20 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य

सीएम ने खुरई में किया 312 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सीएम बनने के बाद पहली बार शनिवार को सागर जिले के खुरई पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने दुग्ध उत्पादन को तेजी से बढाने का टारगेट रखा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पशुपालन के जरिए दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गौशाला खोलने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान खुरई के कृषि यंत्र उद्योगों को बढ़ाने के लिए प्रयास करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान दावा किया कि वर्तमान में एमपी में देश का केवल 9 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन हो रहा है और इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। सीएम ने केन-बेतवा लिंक परियोजना के जरिए बुन्देलखंड के हर खेत को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का दावा करते हुए खुरई के नजदीक बन रहे उल्दन बांध का काम भी इस साल के अंत तक पूरा करने की बात कही।

बुंदेलखंड स्थापत्य कला का तीर्थ

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड स्थापत्य कला का तीर्थ है और खजुराहो, ओरछा देखने के लिए लोग देश-विदेश से आते हैं। मुख्यमंत्री ने मंच से ही रिमोट से 312 करोड़ के 86 विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन व लोकार्पण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री के खुरई आगमन 6 किमी लंबा रोड शो आयोजित हुआ। इस दौरान कई स्थानों पर लोगों ने जेसीबी मशीन पर चढ़कर पुष्पवर्षा की। रोड शो के मार्ग पर 151 स्वागत द्वारों पर लोकनृत्य, ढोल-नगाढ़ों के साथ कलाकारों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, विधायक और पूर्व गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह समेत सागर जिले के अधिकांश विधायक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की गईं घोषणाएं

- 500 करोड़ की लगात से राहतगढ़, खुरई रोड बनाया जाएगा।
- 429 करोड़ की बीना नदी परियोजना के माध्यम से 90 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। इसे शीघ्र पूरा किया जाएगा।
- कृषि महाविद्यालय के निर्माण सुविधाओं के विकास के लिए 25 करोड़ दिए जाएंगे।
- खुरई में युवाओं को नवीन आईटीआई शुरू कर प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- खुरई में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एथलेटिक ट्रैक लगाया जाएगा
- मालथौन में मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा।
- दो सांदीपनि विद्यालय खुलेंगे।
- रजवास में 133 केवी का विद्युत सब स्टेशन स्थापित किया जायेगा।

कार्रवाई दर्ज हुई 500 से ज्यादा एफआईआर, राजस्व, पंचायत और स्कूल शिक्षा के सबसे ज्यादा मामले

जांच एजेंसियों ने प्रदेश में एक साल में 258 घूसखोरों को रंगे हाथ पकड़ा

लोकायुक्त ने 229, ईओडब्ल्यू ने 29 सरकारी कर्मचारी-अधिकारियों को किया ट्रेप

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भ्रष्टाचार रोकने के लिए बनी प्रदेश की अहम जांच एजेंसी लोकायुक्त ने बीचे एक साल के दौरान प्रदेश भर के अलग अलग जिलो में कुल 229 रिश्वतखोरों को घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह आंकड़ा पिछले साल के मुकाबिले 30 फीसदी अधिक है। इसके साथ ही लोकायुक्त पुलिस ने प्रदेश भर में आय से अधिक संपत्ति को लेकर आधा दर्जन वर्तमान और रिटायर सरकारी कर्मचारियों के यहां छापे भी मारे। इन रेड में आय से लगभग 100 करोड़ अधिक की संपत्ति का पर्दाफाश किया गया। पिछले साल सौरभ शर्मा केस के बाद सुर्खियों में आई लोकायुक्त पुलिस में नए डीजी की आमद के बाद एक तरफ जहां ट्रेप की कार्रवाई तेजी से बढ़ीं, वहीं सालों से जांच के नाम पर लंबित मामलों में कोर्ट में चालान पेश किए गए। इनमें लगभग 50 आरोपियों को कोर्ट ने कैद की सजा के साथ जुर्मानें से दंडित किया है।

लोकायुक्त के ट्रेप साल दर साल

वर्ष	छापे
2022	297
2023	180
2024	197
2025	229

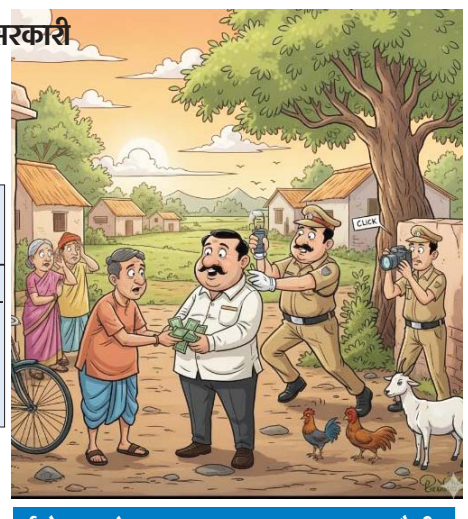

ईओडब्ल्यू के एक्शन पर एक नजर (एक्शन टैली)

श्रेणी	2023	2024	2025
एफआईआर	67	50	172
ट्रेप	3	3	29
आय से अधिक संपत्ति	3	1	11
शिकायतें आईं	348	340	212
निराकरण	208	873	423

धान घोटाले और राजेश शर्मा की जांच पूरी होने की उम्मीद

इसके साथ ही चावल घोटाले के लेकर 10 से अधिक जिलों में छापों की कार्रवाई की गई और धान खरीदी केंद्रों के कई अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा कई राइस मिलों के संचालकों एवं ट्रांसपोर्ट्स् पर भी ईओडब्ल्यू ने विगत साल में अपना शिकंजा कसा। ईओडब्ल्यू की पिछले साल की सबसे अहम कार्रवाई त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के संचालक और आयकर छापों से चर्चाओं में आए राजेश शर्मा के खिलाफ की गई एफआईआर रही। इस मामले में राजेश शर्मा और उसके दो सहयोगियों राजेश तिवारी एवं दीपक तुलसानी के खिलाफ रातीबढ़ के एक किसान से 2 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर की गई। बाद में हाईकोर्ट ने इस एफआईआर को ही निरस्त कर दिया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में की गई ईओडब्ल्यू की अपील पर हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी गई है और एक बार फिर राजेश शर्मा के खिलाफ ईओडब्ल्यू की जांच खुल गई है। इन दोनों मामलों की इस साल जांच पूरी होने की संभावना है।

रिटायर अफसरों के यहां छापों में करोड़ों की प्रॉपर्टी मिली

लोकायुक्त पुलिस ने 2025 में रिटायर अफसरों के यहां रेड मारकर करोड़ो की संपत्ति का खुलासा भी किया। लोक निर्माण विभाग के रिटाड़र ईएनएसी जीपी मेहरा के यहां भोपाल और आबकारी विभाग के रिटायर जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के यहां इदौर यूनिट ने रेड की कार्रवाई की। इस दौरान मेहरा के भोपाल और नर्मदापुरम के ठिकानों से लगभग 60 करोड़ और भदौरिया के इंदौर, ग्वालियर आदि ठिकानों से लगभग 40 करोड़ की आय से अधिक प्रॉपर्टी का खुलासा किया। इन छापों में भारी तादाद में जेवर, नकदी भी मिली। अगर आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो लोकायुक्त ट्रेप में बीते साल सबसे अधिक राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी उलझे। साल में सबसे पटवारी और ग्राम पंचायतों में पदस्थ सचिव, रोजगार सहायक को रंगे हाथों दबोचा गया। इसके अलावा सहकारिता, गृह विभाग के तहत आने वाले पुलिसकर्मी और स्कूल शिक्षा विभाग के कर्मचारी और अधिकारी भी घूसखोरी के केस में उलझे।

ईओडब्ल्यू के छापे, ट्रेप और एफआईआर भी बढ़े

2025 में ईओडब्ल्यू ने 172 एफआईआर दर्ज की हैं। इसमें 29 घूसखोरों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रेप किया गया है। बड़े घोटालों पर प्रहार इस वर्ष की बड़ी कार्रवाइयों में 143 करोड़ का जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाला शामिल रहा। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के भोपाल, जबलपुर और कटनी समेत कई शहरों में सहारा ग्रुप की जमीनों की बिक्री में हुई अनियमितताओं को लेकर भी मामला दर्ज किया गया है। जुलाई 2025 में एजेंसी ने नौ चालू फर्मों और चार फर्जी कंपनियों के एक इंस्टेट अंतर्राच्यीय जीएसटी-आईटीसी रैकेट का भंडाफोड़ किया था। मध्य प्रदेश के अलावा इस घोटाले के तार छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से भी जुड़े थे। इससे पहले पुलिस ने मुख्य आरोपी विनोद को गिरफ्तार कर 512 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस का खुलासा किया था। नवंबर माह में, ईओडब्ल्यू ने डीजी मिनरल्स और मां सीमेंटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिपील के आवास व कार्यालय पर 35.75 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में छापेमारी की। जांच के दौरान पहली बार टीम ने दस्तावेजों के साथ 44 जिंदा कारतूस भी बरामद किए। सहारा ग्रुप के मामले में ईओडब्ल्यू ने संपत्तियों के कम मूल्यांकन और धोखाधड़ी से बिक्री के आरोप में अधिकारियों पर केस दर्ज किया है।

कांग्रेस आज इंदौर में निकालेगी पैदल मार्च

विसं भोपाल। इंदौर में दूषित पानी को लेकर कांग्रेस रविवार को प्रदर्शन करेगी जिसमें भोपाल जिला कांग्रेस और ग्रामीण जिला कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल होंगे। यह जानकारी शनिवार को पत्रकार वर्ता के दौरान पूर्व मंत्री पीपी शर्मा प्रदेश अध्यक्ष जिला अध्यक्ष शहर प्रवीण सक्सेना ने दी। उन्होंने बताया कि इंदौर के भागीरथपुरा में ज़हरीले पानी से 20 मौतें और 1000 से अधिक नागरिकों के बीमार होने की घटना भाजपा सरकार की आपराधिक लापरवाही और प्रशासनिक विफलता का परिणाम है। नेताओं ने बताया किइन मौतों के विरोध में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 11 जनवरी को पूर्वान्ह 11 बजे बड़ा गणपति मंदिर से राजवाड़ा चौक (माँ अहिल्याबाई होल्कर प्रतिमा स्थल) तक प्रदेश स्तरीय पैदल मार्च आयोजित किया जाएगा। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से असंवेदनशील बयानबाजी पर इस्तीफा लेने और मृतकों के परिजनों को 2 लाख के स्थान पर 1 करोड़ रुपये मुआवजा दिए जाने की मांग की जाएगी साथ ही इस पूरे मामले की न्यायिक जांच कर दोषियों पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाए।

अराजकता के कगार पर खड़ा नजर आ रहा ईरान

ईरानी समाज के भीतर एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन जो देखने को मिल रहा है वह यह है कि विरोध अब केवल शहरी मध्यम वर्ग या छात्रों तक सीमित नहीं रहा। महिलाएं, मजदूर, युवा और हाशिए पर मौजूद समुदाय-सभी किसी न किसी रूप में इस असंतोष का हिस्सा बन चुके हैं। जब अलग-अलग वर्गों की शिकायतें एक साझा गुस्से में बदल जाती हैं, तो शासन के लिए उन्हें अलग-अलग करके नियंत्रित करना कठिन हो जाता है।

● अजीत सिंह ●

ईरान आज उस मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां से आगे का रास्ता या तो गहरे राजनीतिक परिवर्तन की ओर जाता है या फिर लंबे समय तक चलने वाली अराजकता की ओर। बीते कुछ महीनों में जिस तरह से देशभर में विरोध प्रदर्शनों ने व्यापक और उग्र रूप लिया है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि ईरानी समाज का सत्ता से भरोसा लगभग टूट चुका है। और जो कुछ हो रहा है यह महज असंतोष नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति गहरे अविश्वास की अभिव्यक्ति है।

ईरान की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए यह देखना जरूरी है कि विरोध का स्वरूप अब सीमित या प्रतीकात्मक नहीं रह गया है। राजधानी तेहरान से लेकर छोटे शहरों तक सड़कों पर उतर आए लोग केवल आर्थिक राहत या नीतिगत सुधार नहीं, बल्कि सत्ता के चरित्र पर सवाल उठा रहे हैं। अब जनता खुले तौर पर सर्वोच्च सत्ता के खिलाफ नारे लगा रही है। यह इस बात संकेत है कि भय का वह कवच टूट चुका है, जिस पर लंबे समय से शासन टिका हुआ है। अली खामेनेई के खिलाफ सार्वजनिक नारेबाजी ईरान जैसे सख्त नियंत्रण वाले देश के लिए एक असाधारण घटना है।

अराजकता की आशंका का दूसरा बड़ा संकेत है-राच्य की प्रतिक्रिया। इंटरनेट बंदी, संचार माध्यमों पर रोक, सुरक्षा बलों की भारी तैनाती और सामूहिक गिरफ्तारियां यह बताती हैं कि शासन सामान्य प्रशासनिक तरीकों से स्थिति संभालने में सक्षम नहीं रह गया है। जब किसी देश में शासन को व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार असाधारण उपायों का सहारा लेना पड़े, तो वह स्थिति स्थायित्व की नहीं, बल्कि अस्थिरता की होती है। यह अस्थिरता धीरे-धीरे अराजकता की ओर बढ़ती है, यदि उसके लिए कोई राजनीतिक समाधान नहीं खोजा गया।

ईरानी समाज के भीतर एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन जो देखने को मिल रहा है वह यह है कि विरोध अब केवल शहरी मध्यम वर्ग या छात्रों तक सीमित नहीं रहा। महिलाएं, मजदूर, युवा और हाशिए पर मौजूद समुदाय-सभी किसी न किसी रूप में इस असंतोष का हिस्सा बन चुके हैं। यह व्यापक सामाजिकभागीदारी किसी भी राजनीतिक संकट को व्यापकता प्रदान करती है। जब अलग-अलग वर्गों की शिकायतें एक साझा गुस्से में बदल जाती हैं, तो शासन के लिए उन्हें अलग-अलग करके नियंत्रित करना कठिन हो जाता है।

हालांकि, यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि ईरान पूरी तरह अराजक हो चुका है। राज्य का दमन तंत्र-विशेष रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स अब भी संगठित और प्रभावी नजर आ रहा है। जब तक सुरक्षा बलों में गंभीर विभाजन नहीं होता या वे जनता के साथ खड़े नहीं हो जाते। यही कारण है कि ईरान इस समय अराजकता की कगार पर है, न कि उसके भीतर।

अराजकता की संभावना को बढ़ाने वाला एक और कारक है-वैकल्पिक नेतृत्व और स्पष्ट राजनीतिक दिशा का अभाव। जनता जानती है कि वह मौजूदा व्यवस्था से क्या नहीं चाहती, लेकिन यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि वह किस तरह की व्यवस्था चाहती है। इतिहास गवाह है कि जब किसी देश में पुरानी सत्ता कमजोर पड़ती है और नई व्यवस्था का खाका स्पष्ट नहीं होता, तब वही रिक्तता अराजकता को जन्म देती है।

अंततः, यह कहना उचित होगा कि ईरान एक ऐसे संक्रमणकाल में प्रवेश कर चुका है जहां से वापसी आसान नहीं है। व्यवस्था चल तो रही है, लेकिन उस पर समाज का भरोसा खत्म हो चुका है। यही स्थिति अराजकता से ठीक पहले की होती है। सवाल यह नहीं है कि ईरान बदलेगा या नहीं-सवाल यह है कि यह बदलाव संगठित राजनीतिक परिवर्तन के रूप में आएगा या अव्यवस्था और अराजकता के रास्ते से होकर। यही द्वंद्व आज ईरान की सबसे बड़ी सच्चाई है।

विरोध की इंतेहा- ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई के फोटो से लड़कियों ने सिगरेट सुलगाई।

चर्चा में

ऑपरेशन सिंदूर के लिए मिला है सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल

एयर मार्शल नागेश कपूर ने भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ) का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी का स्थान लिया, जो चार दशक से अधिक की गौरवशाली सेवा के बाद रिटायर हुए।

एयर मार्शल नागेश कपूर
नए वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ

एयर मार्शल नागेश कपूर इससे पहले गांधीनगर में स्थित साउथ वेस्टर्न एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ रहे हैं। उन्हें इस साल की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका के लिए सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था। एयर मार्शल नागेश कपूर ने उस समय कमान संभाली थी, जब भारतीय वायु सेना ने 6-10 मई के बीच ऑपरेशन्स में पाकिस्तानी एयर बेस पर कई हमले किए थे, जिससे पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ था।

नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र

एयर मार्शल कपूर 06 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन हुए थे। वह नेशनल डिफेंस एकेडमी, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। एक क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और फाइटर कॉम्बैट लीडर के तौर पर उनके पास 3400 घंटे से ज्यादा उड़ान का अनुभव है। अपने विशिष्ट उड़ान करियर के दौरान एयर मार्शल कपूर ने मिग-21 और मिग-29 के सभी वेरिएंट उड़ाए हैं।

स्टेशन कमांडर रहे

अपने शानदार करियर के दौरान एयर मार्शल नागेश कपूर ने कई स्टाफ और फील्ड पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। अपने ऑपरेशन कार्यकाल में वह सेंट्रल सेक्टर में फाइटर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर, प्रमुख एयर बेस के एयर ऑफिसर, वेस्टर्न सेक्टर में फ्लाइंग बेस स्टेशन कमांडर के तौर पर सेवाएं दे चुके हैं। प्रशिक्षण क्षेत्र में उन्होंने एयर फोर्स एकेडमी में चीफ इंस्ट्रक्टर (फ्लाइंग) तथा वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में डायरेक्टिंग स्टाफ के रूप में सेवाएं दीं। इसके अलावा वे पाकिस्तान में डिफेंस अटैच के रूप में राजनयिक नियुक्ति पर भी रह चुके हैं।

सम्मान और पुरस्कार

- स्टाफ नियुक्तियों में उन्होंने एयर हेडक्वार्टर में असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (ऑपरेशंस-स्ट्रैटेजी), साउथ वेस्टर्न एयर कमांड में एयर डिफेंस कमांडर, सेंट्रल एयर कमांड मुख्यालय में सीनियर एयर स्टाफ ऑफिसर और एयर हेडक्वार्टर में एयर ऑफिसर-इन-चार्ज पर्सनल जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।
- देश के लिए उनकी असाधारण और विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें वायु सेना मेडल (2008), अति विशिष्ट सेवा मेडल (2022) तथा परम विशिष्ट सेवा मेडल और सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल (2025) जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है ।

एक फैंटेसी है 'चाणक्य'...?

चाणक्य की कहानी बस एक अलग सभ्यता की स्क्रिप्ट है जिसे भारतीय देशभक्ति के रूप में फिर से बनाया गया है, जिसमें थोड़ा जातिवाद भी मिला दिया गया है। ऐसी कहानियाँ क्यों फलती-फूलती हैं? क्योंकि धर्म को सत्ता चाहिए और सत्ता को पवित्रता चाहिए। राजा पुजारियों की मंजूरी पर निर्भर करते हैं।

● देवदत्त पटनायक ●

इस बात का कोई ऐतिहासिक सबूत नहीं है कि चाणक्य नाम का कोई आदमी मौर्य काल (300बीसी) में कभी हुआ था या उसने चंद्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया था। हमारे पास जो कहानी उपलब्ध है वह बाद के बौद्ध और जैन इतिहास और मुद्रा-राक्षस जैसे संस्कृत नाटकों पर आधारित है, ये सभी 500 एडी के बाद, यानी 700 साल बाद की कल्पना की गई है।

बौद्धों ने चंद्रगुप्त के पोते, अशोक को बौद्ध धर्म का चैंपियन घोषित किया। जैन लोगों ने कहानियाँ सुनाईं कि कैसे चंद्रगुप्त ने जैन धर्म अपनाया और कर्नाटक में आमरण अनशन भी किया। पीछे न रहना चाहने वाले ब्राह्मणों ने तर्क दिया कि चंद्रगुप्त की सफलता का श्रेय एक ब्राह्मण मंत्री 'चाणक्य' को जाता है, जिनकी पहचान अर्थशास्त्र के लेखक कौटिल्य से भी की जाती थी। आज इसे सच माना जाता है। लेकिन अर्थशास्त्र में चीनी रेशम और रोमन सोने के सिक्कों का जिक्र है, जो दोनों मौर्य शासन के लगभग 400 साल बाद, लगभग 200 एडी में भारत आए थे।

इतिहास में प्रसिद्ध है चंद्रगुप्त-चाणक्य की कहानी

चंद्रगुप्त-चाणक्य का रिश्ता दुनिया भर की कहानियों में पाया जाने वाला एक आम किस्सा है। टैलेंटेड नौजवान और उसका चालाक गुरु, बिल्कुल किंग आर्थर और जादूगर मर्लिन की ब्रिटिश कहानी जैसा। 10वीं सदी के राजपूत इतिहास में हरित ऋषि को योगी के तौर पर दिखाया गया है जो अरब हमलावरों के खिलाफ बप्पा रावल को गाइड करते हैं। 12वीं सदी के गुजरात की जैन कहानियों में हमें बताया गया है कि कैसे आचार्य हेमचंद्र ने शाही निशानों वाले एक अनाथ को खोजा, उसे जैन रीति-रिवाजों में पाला, फिर उसे मंदिरों और शिलालेखों का संरक्षक राजा कुमारपाल बनते देखा। 14वीं सदी के दक्कन में, शैव ऋषि विद्यारण्य को आम तौर पर हक्का और बुक्का का गुरु माना जाता है, जिन्होंने विजयनगर की स्थापना की। तपस्वी का दर्शन, योद्धा का वध। बौद्ध याददाश्त ग्रीक मेनांडर (100 बीसी) को नागसेन के गाइडेंस में मिलिंद पन्हा में जोड़ती है और कनिष्क (100 एडी) को कवि-भिक्षु अश्वघोष से जोड़ती है। यह पैटर्न उत्तर-पूर्व में तिब्बत और मंगोलिया तक जाता है, जहाँ लामा ऋषि की जगह लेते हैं- 13वीं सदी में कुबलई खान ने फग्पा लामा से सलाह ली, बाद में दलाई लामा ने मंगोल राजगद्दी को पवित्र किया। स्पष्ट है कि अलग-अलग संस्कृतियों में, यह पार्टनरशिप एक जैसी है- एक सलाह लेता है, दूसरा लागू करता है।

चाणक्य की कहानी बस एक अलग सभ्यता की कहानी है जिसे भारतीय देशभक्ति के रूप में फिर से लिखा गया है, जिसमें जातिवाद का थोड़ा सा तड़का भी है—एक ब्राह्मण विद्वान जो सही व्यवस्था को फिर से बनाने, भ्रष्टाचार को खत्म करने और एक न्यायपूर्ण साम्राज्य बनाने के लिए राजनीति में हेरफेर करता है ताकि ब्राह्मण ज्ञान हमेशा शाही ताकत को गाइड कर सके। जब यह कहानी लोगों की सोच में आई, तो इसने चतुराई और बेरहम यथार्थवाद का एक राष्ट्रीय प्रतीक स्थापित किया- चाणक्य भारत के मैकियावेली के रूप में, हालांकि लगभग दो हजार साल अलग थे। टेलीविजन सीरियल, नॉवेल, मोटिवेशनल पोस्टर और मैनेजमेंट की किताबें उन्हें भारतीय रणनीति के आदर्श के रूप में मानती हैं। लेकिन वे जिसे मान रहे हैं वह कोई दर्ज ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं है; यह एक आसान कल्पना है

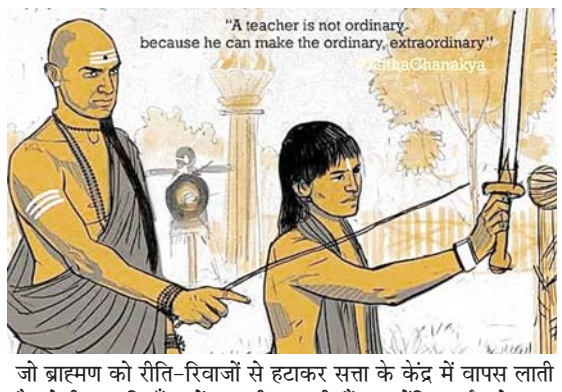

जो ब्राह्मण को रीति-रिवाजों से हटाकर सत्ता के केंद्र में वापस लाती है। ऐसी कहानियाँ क्यों फलती-फूलती हैं? क्योंकि धर्म को सत्ता चाहिए और सत्ता को पवित्रता चाहिए। मठ शाही संरक्षण पर निर्भर करते हैं; राजा पुजारियों की मंजूरी पर निर्भर करते हैं। हर ताम्रपत्र अनुदान, हर प्रशस्ति, हर दरबारी काव्य इस लेन-देन की रसीद है, जिस पर दिव्यता की मुहर लगी है। संत का पैसे से कथित अलगाव, संस्थाओं को बढ़ाने के लिए एकदम सही मार्केटिंग लाइन बन जाता है; राजा का कथित तौर पर ज्ञान की बात मानना, इलाके की महत्वाकांक्षा के लिए एकदम सही बहाना बन जाता है। इस व्यवस्था में, धार्मिक गुरु को पवित्र और राजनीति से ऊपर दिखाया जाता है, फिर भी उसकी सलाह साम्राज्यों को आकार देती है; वह ज़मीन में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाता, फिर भी जिन इलाकों को वह आशीर्वाद देता है, वे उसके मठ को बड़ा करते हैं। यह लेन-देन आध्यात्मिक शब्दों के पीछे छिपा है। मॉडर्न इंडिया ने इस कल्पना पर दोगुना ज़ोर दिया है। राजनेता हमेशा चलने वाली राज-कला के सबूत के तौर पर 'चाणक्य नीति' का जिक्र करते हैं; बिजनेस स्कूल चाणक्य की बातों से मैनेजमेंट के सबक निकालते हैं; टीवी ड्रामा उसे एक ऐसे प्रोटो-नेशनलिस्ट मास्टरमाइंड के तौर पर दिखाते हैं जिसने एक टूटी हुई सत्ता को बचाया। अंततः यह स्थापित किया गया कि जब राजा जीतता है तो ऋषि हमेशा सही होता है, और जब राजा हारता है तो वही ऋषि कभी जिम्मेदार नहीं होता। इस तरह चाणक्य की कहानी मौर्य इतिहास के बारे में कम और एक ऐसे अतीत को जानने की हमारी आज की भूख के बारे में ज़्यादा है जिसमें ताकत समझदारी है, हिंसा और ब्राह्मण जरूरी है।

सांसद, एक्टर, डांसर और हमेशा से भारत की ड्रीम गर्ल, हेमा मालिनी ने बीते साल के अंत में अपने पति मशहूर स्टार धर्मेंद्र को खो दिया। वह भारत के 'ही मैन' थे, जिन्हें लाखों लोग पसंद करते थे।

● शोभा डे ●

हेमा मालिनी ने दिखाया कि गरिमा के साथ दुख कैसे मनाया जाता है...

अपने 90वें जन्मदिन से कुछ दिन पहले उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य दिक्कतों की वजह से उनकी मौत हो गई। देश ने दुख जताया। दुख अभी भी जारी है। दुखी फैंस अभी भी उस एक्टर को प्यार भरी श्रद्धांजलि पोस्ट कर रहे हैं, जो सदा पॉजिटिविटी और सच्ची अच्छाई बिखेरता था। धर्मेंद्र अब नहीं रहे। हेमा अपनी आखिरी सांस तक अपने प्यार के लिए दुख मनाएंगी और वह ऐसा अपनी खास गरिमा और मर्यादा के साथ कर रही हैं... सिर ऊंचा, पीठ सीधी, कंधे सीधे और नम आंखें...दुख में डूबी एक रानी की तरह।

दुख कई तरह से आता है। खासकर तब जब दुख मनाने वालों का इतिहास अलग हो। इस मायने में धर्मेंद्र ने दोहरी जिंदगी जी। उनका मुख्य परिवार था, पब्बी प्रकाश, और उनके चार बच्चे। और फिर हेमा और उनकी दो बेटियां। ज़ाहिर है, समय ने अकेले मुख्य परिवार को ही दुख नहीं दिया है, यह दोनों परिवारों को समझना होगा। सभी ने देखा एक बड़े आइकॉन के जल्दबाजी में अंतिम संस्कार से शुरू होकर, देओल्स द्वारा ऑर्गनाइज की गई प्रार्थना सभाओं तक दुख की कहानी क्या थी। इस सबमें हेमा मालिनी की अपनी बेटियों के साथ शांत, खामोश, बिना झुके मौजूदगी ने दिल को छू लेने वाली हकीकत बयान कर दी।

देखने वाली दुनिया को यह भद्दा, बदतमीज़, मतलबी, बेपरवाह और सिर्फ़ लॉजिस्टिकल अंतिम संस्कार के इंतज़ामों के अलावा दूसरे मकसदों से प्रेरित लग सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो- जो लोग पहले शरीर पर कंट्रोल करते हैं, वे सभी फॉर्मल सेरेमनी की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। इसमें हॉस्पिटल में जिंदगी के लिए जूझ रहे मरीज तक पहुँचना भी शामिल है।

क्या 'दूसरा परिवार' उस इंसान के साथ आखिरी पल बिताने का हकदार नहीं है जो दशकों से उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा रहा है? इतने नाजुक मोड़ पर जानबूझकर अलग रखने से क्या फर्क पड़ता है, जब यह सिर्फ कुछ दिनों, घंटों, मिनटों की बात थी? आखिरी श्रद्धांजलि देने के अधिकार का क्या? वह इंसान मर चुका है और चला गया है। लेकिन क्या जिंदा लोगों को खुद से ऊपर उठकर बीती बातों को भूलकर सही काम नहीं करना चाहिए? दो दुखी महिलाएं, एक आदमी। कम से कम मौत में, बेरहमी से किए गए 'गुणा-भाग' की जगह इंसानी भावनाओं को लेना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता।

लिगेसी के कई पहलू होते हैं। वसीयत। प्रॉपर्टी। इन्वेस्टमेंट। अधिकार। यह और बात है कि किसे क्या मिलता है? सलाहकार तुरंत पहले परिवार को निर्देश देने के लिए आगे आते हैं। 'इसे क्लियर रखें'। कोई नहीं चाहता कि संजय कपूर की हरकतें दोबारा हों जो एक गड़बड़ की तरह सामने आईं।

मैंने हेमा को दिल्ली में प्रेयर मीट के दौरान खुद को संभालते हुए देखा। एक समय ऐसा आया, जब वह अपना आपा खोने और पोडियम पर रोने ही वाली थीं, तो उनकी बेटी ईशा ने चुपके से अपनी माँ को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। हेमा ने दृढ़ता से कहा, नहीं, नहीं! और उनका हाथ हटा दिया। उस पल मुझे हेमा सबसे ज़्यादा पसंद आईं! यही तो असली हेमा हैं- दबंग, कंट्रोल में और कभी न हारने वाली।

उनकी हिंदी में बात दिल को छूने वाली थी, बिना ज़्यादा दिखावे के। वह जो कहना चाहती थीं, कहती थीं, जितना चाहती थीं उतना ही बताती थीं, अपनी आँखों में आँसू आने देती थीं लेकिन बाहर नहीं आने देती थीं, और अपने 'धरम जी' के बारे में बात करते हुए उनकी ठुड्डी कई बार कांपी थी। इमोशंस काबू में थे, लेकिन हर शब्द में सच्चाई थी। उनकी दुनिया, उनका कीमती छोटा सा परिवार, जिसे बहुत संभालकर रखा गया था और जिसे बहुत प्यार किया गया था... उस आदमी के लिए उनका सच्चा प्यार, जो उनकी पूजा करता था, उनकी खूबसूरत आँखों में चमक रहा था, जब उन्होंने उन्हें अपनी जिंदगी में होने और अपनी बेटियों पर प्यार बरसाने के लिए धन्यवाद दिया।

हेमा से सीखने के लिए बहुत कुछ है। उनके या उनकी बेटियों के लिए यह आसान नहीं रहा होगा कि उन्हें फर्स्ट फैमिली द्वारा बड़े फाइव-स्टार लेवल पर किए जाने वाले दूसरे सभी समारोहों से बाहर रखा जाए। क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? ड्रीम गर्ल ने अपने ड्रीम मैन के साथ अपनी सपनों की जिंदगी जी थी। यही हमेशा उनका सबसे बड़ा इनाम रहेगा...।

खाई ही नहीं...ब्रज में गाई भी जाती है खिचड़ी

● अमित मुद्गल ●

प्रसिद्ध मोरक्को यात्री इब्नेबतूता ने अपने यात्रा वृत्तांत रिहला में खिचड़ी का जिक्र 'किशरी' नामक एक व्यंजन के रूप में किया है। मकर संक्रांति पर्व पर लगभग पूरे देश में खिचड़ी खाने की परंपरा है।

14वीं शताब्दी में भारत आए प्रसिद्ध मोरक्को यात्री इब्नबतूता ने 'किशरी' नाम के एक व्यंजन का जिक्र अपने यात्रा वृत्तांत रिहला में किया। दरअसल, यह व्यंजन खिचड़ी थी, जो भारतीय उपमहाद्वीप में पुरातन काल से ही खाई जाती रही है। इब्नेबतूता के अलावा रूसी यात्री अफनासी निकितन व फ्रांसीसी जीन बैप्टिस्ट ने भी दाल और चावल मिश्रित इस व्यंजन का जिक्र किया है। आइने अकबरी में अबुल फजल ने खिचड़ी की रेसिपी लिखी, जबकि बीरबल की खिचड़ी की कहावत तो पूरे देश में मशहूर है।

ब्रज में खिचड़ी

खिचड़ी का अभिप्राय है दो अनाजों का मिश्रण, पर ब्रज में इसकी परिभाषा अलग है। ब्रज के बेलवन मेले में लाखों लोग मान्यताओं, परंपराओं व मनौतियों के साथ खिचड़ी का भोग लगाते हैं। वृंदावन के राधाबल्लभ मंदिर में माघ शुक्ल प्रतिपदा तक खिचड़ी महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित होता है।

अहम बात यह है कि ब्रज में खिचड़ी केवल खाई ही नहीं जाती है, बल्कि गाई भी जाती है। ब्रज की संस्कृति में राधाकृष्ण की लीलाओं को दर्शाते हुए खिचड़ी पद भी गाए जाते हैं। हितजीमहाराज कृत श्रीमद् चतुरासी में एवं श्रीराधा सुधा निधि साहित्य में खिचड़ी उत्सव का वर्णन है। 18वीं सदी में ब्रज साहित्यकार चाचा हित वृंदावनदास ने पद लिखा...खिचरी भोर नीकी बनी।

वृंदावन शोध संस्थान के शोध अधिकारी डॉ. राजेश शर्मा कहते हैं कि खिचड़ी में रसमयता का समन्वय ब्रज की विशेषता को बताता है। ब्रजभाषा साहित्य की खिचड़ी उत्सव से जुड़ी पांडुलिपियां बताती हैं कि भक्तिकाल में गोस्वामियों ने गायन में खिचड़ी को शामिल किया है। यही कारण है कि गोस्वामी किशोरीलाल, कमलनैन, कुंजलालजी, रूपलाल तथा चाचा वृंदावनदास ने खिचड़ी उत्सव को लेकर बहुविधि पद लिखे हैं, जो आज भी समूचे ब्रज में गाए जाते हैं।

2026 की लॉन्च लाइनअप

एसयूवी और ईसी का होगा वर्चस्व

भारत का ऑटोमोबाइल बाजार 2026 में जबरदस्त हलचल के लिए तैयार है। उद्योग से जुड़े अनुमानों के मुताबिक, अगले साल औसतन हर हफ्ते एक नई कार लॉन्च हो सकती है। वाहन निर्माता मजबूत मांग की रफ्तार बनाए रखने के लिए लगातार नए मॉडल, फेसलिफ्ट, नए वेरिएंट और मिड-लाइफ अपडेट पेश करने की तैयारी में हैं। यह आक्रामक लॉन्च रणनीति न सिर्फ पोर्टफोलियो को ताजा रखने की कोशिश है। बल्कि बदलती उपभोक्ता पसंद और बढ़ती प्रतिस्पर्धा का भी जवाब है।

भारत का ऑटोमोबाइल बाजार अगले साल नए उत्पादों की लहर के लिए तैयार है। जिसमें इंडस्ट्री में हर हफ्ते औसतन एक कार लॉन्च होने की उम्मीद है।

रेनो, निसान और लग्जरी ब्रांड्स

रेनो भारत में अपनी पहचान फिर से मजबूत करने के लिए 26 जनवरी 2026 को नई डस्टर लॉन्च करने जा रही है। इसके बाद बिगस्टर (डस्टर का सात-सीटर अवतार) और संभावित इलेक्ट्रिक क्विड भी आ सकती है। निसान भी डस्टर के अपने वर्जन टेक्टॉन और ट्राइबर आधारित मल्टी-सीटर ग्रेवाइट को लॉन्च करने की तैयारी में है।

एसयूवी का दबदबा

2026 की लॉन्च लाइनअप में एसयूवी का वर्चस्व साफ दिखाई देता है। कॉम्पैक्ट 5-सीटर से लेकर प्रीमियम और लग्जरी 7-सीटर एसयूवी तक, ज्यादातर नई पेशकशें इसी सेगमेंट में होंगी। इसके उलट, हैचबैक और सेडान सेगमेंट में कोई भी बिल्कुल नया मॉडल आने की संभावना नहीं है। इन श्रेणियों में कंपनियां सिर्फ फेसलिफ्ट या मामूली अपडेट तक ही सीमित रहेंगी। जो इस बात का संकेत है कि ग्राहकों की प्राथमिकता अब साफ तौर पर एसयूवी की ओर झुक चुकी है।

लग्जरी सेगमेंट में खास

- लग्जरी सेगमेंट में मर्सीडीज बेंज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी और जगुआर लैंड रोवर कई नए मॉडल और लिमिटेड एडिशन पेश करेंगे। वहीं टेस्ला जिसे मॉडल वाई से उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली। लिहाजा वह 2026 में कम से कम एक नया मॉडल ला सकती है। वियतनामी ब्रांड विनफास्ट भी अपनी तीसरी पेशकश के तौर पर सात-सीटर ईवी लिमो ग्रीन भारत लाएगी।
- कुल मिलाकर, 2026 भारत के ऑटो बाजार के लिए एसयूवी और ईवी के वर्चस्व वाला साल साबित हो सकता है। जहां हर हफ्ते नई पेशकश ग्राहकों के सामने होगी।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ेगा दांव

- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी 2026 के लॉन्च कैलेंडर का एक बड़ा हिस्सा होने जा रही है। मारुति सुजुकी आखिरकार अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को बाजार में उतारने जा रही है, जिससे वह इस सेगमेंट में टाटा मोटर्स को सीधी टक्कर देगी। इसके अलावा ब्रेजा और बलेनो के फेसलिफ्ट भी आएंगे, जबकि कुछ मॉडल्स में सीएनजी का विकल्प जोड़ा जाएगा।
- टाटा मोटर्स अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने की तैयारी में है। कंपनी 2026 के मध्य में सिएरा ईवी लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही पंच फेसलिफ्ट और संभावित अल्ट्रोज ईवी भी लाइनअप का हिस्सा हो सकते हैं।
- ह्यूंदे इस साल वापसी की तैयारी में है। वर्ना, एक्सटर और आयोनिक 5 के फेसलिफ्ट लाने की योजना है। जबकि वेन्यू का नया अवतार हाल ही में लॉन्च किया जा चुका है। महिंद्रा एंड महिंद्रा का फोकस मांग के अनुरूप उत्पादन बढ़ाने पर रहेगा, खासकर ईवी सेगमेंट में। जनवरी की शुरुआत में एक्सयूवी 700 का फेसलिफ्ट, जिसे एक्सयूवी 7 एक्स ओ नाम दिया जाएगा, लॉन्च होने की उम्मीद है। टोयोटा भी मारुति के रास्ते पर चलते हुए अपनी पहली ईवी को ई-विटारा प्लेटफॉर्म पर उतारेगी। इसके साथ ही लैंड क्रूसर प्राडो और नई फॉरच्यूनर भी 2026 में पेश की जाएंगी।

आभूषण-शक्ति और राजनीति का दर्पण

● शैफाली संध्या ●

फ्रांसीसी विक्रेता को ऐसी अनोखी माँग का सामना पहले कभी नहीं करना पड़ा था। उसके सामने, एक युवा भारतीय शासक ने अखबारों की कतरनों से भरी एक लकड़ी की पेटी खोलने की मांग की। कुछ देर की घबराहट के बाद, उसने सावधानी से उन्हें खोला। उसमें से एक बर्मी माणिक निकला जो बटेर के अंडे के आकार का था - फिर एक और। और फिर, आश्चर्यजनक रूप से, 234.65 कैरेट का डी बीयर्स पीला हीरा, जो झूमर से भी ज़्यादा चमकीला, अंडे से भी हल्का, हिम तेंदुए से भी दुर्लभ था।

यह 1925 की बात है। वह युवक भूपिंदर सिंह था, पटियाला का महाराजा। उपनिवेशवाद-विरोधी तनाव से घिरे उस दौर में, वह कार्टियर को अपने सबसे बेशकीमती रत्नों के 1,000 कैरेट से ज़्यादा सौंप रहा था - बिना रसीद माँगे। इस मुलाकात से जो सामने आया वह था पटियाला हार - जो अब लंदन के विक्टोरिया एंड अल्बर्ट संग्रहालय में कार्टियर प्रदर्शनी में प्रदर्शित है। हार के 2,930 हीरे, जिनमें कुशन-कट डी बीयर्स का पीला हीरा भी शामिल है, मानो सूर्य की किरणों से चमक रहे हों। यह कार्टियर का अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है।

इस हार के सामने खड़े होकर, कोई इसे आभूषण कम और शरणस्थली ज़्यादा समझता। यह एक मनोवैज्ञानिक सुरक्षा कवच था, जिसने महाराजा की कमज़ोरी को एक अभेद्य शक्ति में बदल दिया था।

यह समझने के लिए कि आभूषण राष्ट्रीय चिंताओं का मंच कैसे बन गए, हमें युद्धों के बीच के वर्षों में लौटना होगा, जब भारतीय राजघरानों को अपनी शक्ति के प्रतीक अचानक अस्थिर लगने लगे, जबकि वे लंबे समय से शाही शौकों पर फिजूलखर्ची करते आए थे।

1920 का दशक भारतीय राजघरानों के लिए एक संकट का समय था। वे लंबे समय से यूरोपीय प्रतिष्ठा के प्रतीक, विलासिता की वस्तुओं पर अपनी संप्रभुता का प्रदर्शन करने के लिए निर्भर थे। लेकिन उपनिवेशवाद-विरोधी भावना का ज्वार उनकी प्रतिष्ठा को उलट रहा था और कोई भी उपाय उनकी घबराहट को कम नहीं कर पा रहा था। जब एक रोल्स-रॉयस विक्रेता ने अलवर के महाराजा को ठुकरा दिया, तो उन्होंने पूरी गाड़ी खरीद ली और उसे कचरा ढोने वाले ट्रकों में बदल दिया। इस उथल-पुथल भरे माहौल में, पटियाला के महाराजा ने खुद को बेनकाब पाया। जिनके शाही हरम में 10 पत्नियाँ, 180 रखैलें, 44 रोल्स-रॉयस और 1200 शिकार किए बाघों की खालें थीं। उनके शरीर पर पटियाला हार धन और दिव्यता के शिखर का प्रतीक था, जो उन्हें एक ऐसे राजा के रूप में दर्शाता था जिसने साम्राज्यों और युगों की सीमा पर शासन किया।

आभूषण असली सितारे!

सदियों से, आभूषण राजनीतिक अभिव्यक्ति का एक मंच रहे हैं। उदाहरण के लिए, मार्च 2024 में, भारत के सबसे धनी परिवार ने एक ऐसी शादी का आयोजन किया जो किसी वैश्विक शिखर सम्मेलन जैसा था। हेलीकॉप्टर चक्कर लगा रहे थे। गणमान्य व्यक्ति और बॉलीवुड घराने आपस में मिल रहे थे। लेकिन असली सितारे तो आभूषण थे। आलिया भट्ट अंडे के आकार के कोलंबियाई पन्ने में चमक रही थीं; दीपिका पादुकोण हीरों की एक नदी सी नजर आ रही थीं, और ऐश्वर्या राय बर्मी माणिकों में दमक रही थीं। जबकि अंबानी के पन्ने ने वैश्विक मंच पर भारत के एक आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में उभरने की घोषणा की।

आभूषणों के स्थायी आकर्षण की व्याख्या क्या करती है?

आज की बोली-प्रक्रिया अतीत के शाही आदेशों की प्रतिध्वनि करती है। 2022 में, सोथबी के हांगकांग ने विलियमसन पिंक स्टार - एक 11.15 कैरेट का हीरा, अंगूठे के आकार का और अब तक ज्ञात सबसे शुद्ध गुलाबी हीरों में से एक - 57.7 मिलियन डॉलर में बेचा। पिंक स्टार की कीमत न केवल इसकी अंतर्निहित दुर्लभता बल्कि इसके प्रतीकात्मक महत्व के कारण भी बढ़ी। इसकी बड़ी बहन, 54 कैरेट का विलियमसन स्टोन, जो उसी तंजानियाई खदान से निकाला गया था, ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को सुशोभित किया था।

तेजी से बढ़ रहा वैश्विक आभूषण बाजार

ऐतिहासिक रूप से, भारत हीरे की प्रारंभिक प्राप्ति का स्रोत रहा है। आज यह नवाचार और उपभोग का केंद्र बन गया है, जहाँ सूरत अब दुनिया के 90 फीसद से अधिक हीरे की कटाई और पॉलिशिंग का काम करता है। जयपुर का अमेरिका को आभूषण निर्यात सालाना 3,200 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। चीन के बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आभूषण बाजार के रूप में, भारत का प्रभाव उद्योग से परे है; यह सांस्कृतिक और आर्थिक दोनों है। अमेरिकी टैरिफ भारत के 94 अरब डॉलर के रत्न उद्योग के लिए एक बड़ा खतरा हैं, जिससे लगभग 50 लाख लोगों की आजीविका खतरे में पड़ रही है और राष्ट्रीय आर्थिक प्रगति प्रभावित हो रही है। वैश्विक आभूषण बाज़ार तेज़ी से बढ़ रहा है, और अनुमान है कि इसकी बिक्री 2025 के 57 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक लगभग 100 अरब डॉलर हो जाएगी, जो हर दूसरे विलासिता क्षेत्र को पीछे छोड़ देगी। आभूषण सिर्फ़ सजावटी सामान से कहीं आगे निकल जाते हैं; ये विलासिता बाज़ार के भविष्य पर सबसे तेज़ नज़र डालते हैं।

शक्ति , राजनीति और मनोविज्ञान का दर्पण

वेबसीरीज : नए समय का साहित्य

● सचिन श्रीवास्तव ●

कभी साहित्य कागज पर उतरता था। स्याही में डूबा हुआ—धीमी, गहरी कहानी धैर्य मांगती थी। अब वही साहित्य स्क्रीन पर सांस लेता है; एपिसोडों में, सीजनों में, और हर एपिसोड एक अध्याय की तरह हमारे समय की नस टटोलता है।

वेबसीरीज दरअसल कहानियां नहीं हैं। वे समय के दस्तावेज हैं। ये वह साहित्य हैं, जो पाठक नहीं, दर्शक से बात करता है, और दर्शक भी अब निष्क्रिय नहीं—वह गवाह है, सह-अपराधी है, कभी जज, कभी अभियुक्त।

जहां उपन्यास रुकता था, वहां से वेबसीरीज शुरू होती है। उपन्यास के पास भाषा थी, वेबसीरीज के पास दृश्य है। उपन्यास में पात्र बोलते थे, यहां वे चुप्पी से स्वीकार करते हैं। एक लंबे शॉट में किसी किरदार का खाली चेहरा- पूरा पैराग्राफ है। एक अचानक आया कट- अल्पविराम है। एक सीजन का अंत- उस त्रासदी का अध्याय है, जिसके बाद दर्शक भी बदल जाता है।

यहां नायक अब उजला नहीं रहा है। पुराने साहित्य में नायक आदर्श होता था या बनने की कोशिश करता था। नए समय का नायक संशय में जीता है। वह अपराध करता है और उसे तर्क देता है। वह सत्ता चाहता है और उसे नैतिकता कहता है। वह परिवार के लिए झूठ बोलता है और खुद को सही ठहराता है। यह नायक दरअसल हमारी ही परछाई है। थोड़ी ज़्यादा ईमानदार, थोड़ी ज्यादा नंगी।

वेबसीरीज का संसार असल में यथार्थ का अतिरंजन है। यह यथार्थ का फोटो नहीं, उसका एक्स-रे है। यह हमें बताती है कि राजनीति भाषणों में नहीं, कमरों में खेली जाती है, कि तकनीक सुविधा नहीं, निगरानी है, कि पैसा सिर्फ मुद्रा नहीं, चरित्र है।

वेबसीरीज लक्षणा में कहती है- यह कहानी है। व्यंजना में फुसफुसाती है- यह तुम्हारी ही कहानी है।

आप देखेंगे कि इन दिनों जो ज्यादातर वेबसीरीज दर्शकों को लुभा रही हैं, वे सत्ता, अपराध और नैतिकता के ईर्दगिर्द बुनी गई हैं। यही नए समय का साहित्य है। वह उसे एक बीमार व्यवस्था की तरह दिखाता है। जहां हर हाथ गंदा है, बस दागों की गहराई अलग-अलग है। यहां अपराध एक आर्थिक मजबूरी है। नैतिकता एक सौदा है- जो हालात के हिसाब से बदला जाता है। तो असल में भाषा बदली है, आत्मा नहीं। कहा जाता है- यह साहित्य नहीं, मनोरंजन है। पर यही तो हर नए साहित्य के साथ कहा गया था। नाटक को भी कभी हल्का कहा गया, उपन्यास को भी। आज वेबसीरीज उसी आरोप के कटघरे में है।

असल में यह वह साहित्य है जो लंबी सांस ले सकता है। जिसे किरदार को समझाने के लिए तीन सौ पन्ने नहीं, तीन सीजन मिल जाते हैं।

दर्शक ही अब नया पाठक है। अब पाठक चर्चा करता है, विश्लेषण करता है, सोशल मीडिया पर बहस करता है। वह तय करता है कौन सही था, कौन गलत। वह कहानी का सह-निर्माता बन चुका है। यह साहित्य जरूरी है क्योंकि यह हमें असहज करता है। क्योंकि यह साफ समाधान नहीं देता। क्योंकि यह कहता है— मैं आईना हूं। मुझे तोड़ सकते हो, चेहरा नहीं बदल सकते।

यह नया साहित्य सांत्वना नहीं देता— सवाल छोड़ जाता है। और सवाल किसी भी समय की सबसे ईमानदार कविता होते हैं।

और अंत में....

वेबसीरीज कोई क्षणिक फैशन नहीं। यह हमारे समय का सबसे जीवित साहित्य है। जो डरता नहीं, संकोच नहीं करता, और हमें वही दिखाता है जिससे हम नजर चुराते आए हैं। कागज से स्क्रीन तक का यह सफर साहित्य का पतन नहीं, उसका विकास है। क्योंकि हर युग अपनी भाषा चुनता है और यह युग वेबसीरीज में लिख रहा है

फोकस

'धुरंधर' ने दुबारा जोड़ा दर्शकों से सिनेमा का रिश्ता

"वर्षों से भारतीय सिनेमा का दर्शकों से रिश्ता टूट गया था। सिनेमा के हमारे नैतिक अभिभावक भांप ही नहीं पा रहे थे कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं। देशभक्ति को या तो नेपथ्य में रखा जाता था या इसे पुराना विषय माना जाने लगा था। धुरंधर ने इस परिदृश्य को बदल दिया। राष्ट्रवाद के उभार को धुरंधर में वह आत्मविश्वास मिला, जिसमें किसी का अपमान नहीं है, न ही इस गर्व में कोई पूर्वाग्रह है। इसके दर्शक भी उतने ही परिष्कृत हैं, जो देशभक्ति की प्रशंसा तो करते हैं, पर नफरत नहीं फैलाते।

● प्रभु चावला ●

पिछले साल का अंत रुपहले पर्दे पर एक गर्जन के साथ हुआ और इसकी प्रतिध्वनि बाकी सब को परिभाषित कर गई। 'धुरंधर' की सफलता सिर्फ सिनेमाई नहीं, बल्कि सभ्यतागत सफलता भी है। इसने सिर्फ रिकॉर्ड नहीं तोड़े, इसने देश का भावनात्मक लहजा भी तय किया है। जब दर्शक इसकी सफलता पर अभिभूत होकर खड़े हुए, तब वे सिर्फ इस फिल्म के क्राफ्ट का आनंद नहीं मना रहे थे, वे उस भावना पर भी मुहर लगा रहे थे, जो लंबे समय से स्वर की तलाश में थी। 'धुरंधर' ने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपये का कीर्तिमान छू लिया और इस साल की सबसे अधिक कमाने वाली सर्वकालीन पांच फिल्मों की श्रेणी में शामिल हो गयी। यह उपलब्धि बताती है कि भारत का राष्ट्रवादी मूड राजनीति से लोकप्रियतावादी कल्पना में शिफ्ट हो गया है, और फिल्मों के दर्शक देश के भावनात्मक विमर्श का अनुकरण करने के बजाय उसे दिशा दे रहे हैं।

देश के जिस सबसे बड़े उद्योग पर लंबे समय तक उधारी का लहजा और महानगरीय सूत्रों का आरोप लगता था, वह एकाएक राष्ट्रवादी मूड की प्रतिध्वनि बन गया है। जिस कारण से यह उपलब्धि और महत्वपूर्ण हो गयी है, यह दरअसल वह इकोसिस्टम है, जिसका खुलासा इसने किया है।

इस वर्ष फिल्म उद्योग ऐसी फिल्म का गवाह बना, जिन्होंने अपनी मौलिकता, भावनात्मक ईमानदारी और उन मुद्दों को संबोधित करने की इच्छाशक्ति का परिचय दिया। पहले ही सप्ताह से 'धुरंधर' ब्लॉकबस्टर से ज्यादा ही कुछ साबित हुई। इसके विज्ञापन, इसकी कहन शैली, इसके संवाद और दर्शकों से इसके जुड़ाव ने एक ऐसा माहौल तैयार किया, जो अद्भुत और शानदार था। इसने साबित किया कि देशभक्ति की भावना भौगोलिक और जनसांख्यिकीय सरहदों के पार तक पहुंचती है।

पटकथाओं में आ रहा बदलाव

'धुरंधर' की सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है, क्योंकि फिल्म पटकथाओं में पिछले साल महत्वपूर्ण बदलाव दिखायी पड़ा। फरवरी में विलक्षण मराठा योद्धा संभाजी के जीवन पर आधारित विकी कौशल की 'छावा' ने बॉक्स ऑफिस में 600 करोड़ का आंकड़ा पार किया था। 'छावा' ने बताया था कि भारत का इतिहास और भारतीय नायक अब हाशिये के नहीं, मुख्यधारा के लोकप्रिय विषय हैं। 'धुरंधर' ने इसे ही सिनेमैटिक क्राफ्ट में प्रतीकात्मकता के साथ दिखाया है। फिल्म की शुरुआत एक सुस्पष्ट सैन्य कार्रवाई से हुई, जो इस जोश को जज्बा देते हुए आगे बढ़ती रही। रुपहले पर्दे पर लंबे समय से व्यंग्य और नैतिक ऊहापोह के अभ्यस्त दर्शकों को इस स्पष्टता ने राहत दी।

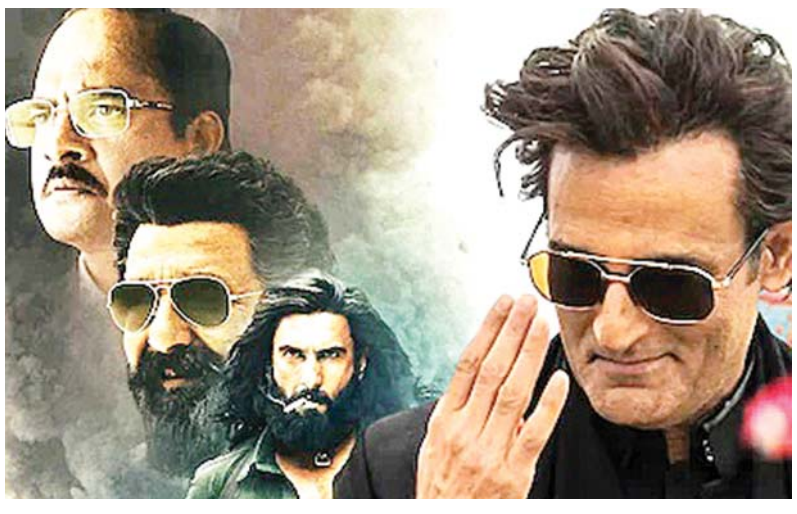

दर्शकों से जुड़ा रिश्ता

वर्षों से भारतीय सिनेमा का दर्शकों से रिश्ता टूट गया था। दरअसल सिनेमा के हमारे नैतिक अभिभावक यह भांप ही नहीं पा रहे थे कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं। बड़े प्रोडक्शन हाउसों ने खुद को महानगरीय जीवन बोध तक सीमित कर लिया था। देशभक्ति को या तो नेपथ्य में रखा जाता था या इसे पुराना विषय माना जाने लगा था। 'धुरंधर' ने इस परिदृश्य को बदल दिया। सिनेमा में बदलाव के लिए एकदम अनुकूल माहौल था। देश की राजनीतिक और सांस्कृतिक भाषा 2019 से ही सतत बदलाव से गुजर रही थी। राष्ट्रीय भावनाएं जब ज्यादा प्रभावी तरीके से सामने आने लगीं, तो संभ्रांत प्रगतिशीलता, शहरी विडंबना, वैश्विक आकांक्षा और नैतिक तटस्थता जैसी भावनाएं सिनेमा के नेपथ्य में चली गयीं।

कला से कोई समझौता नहीं

'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर सिक्का जमाने से ज्यादा कुछ किया है। इसने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को याद दिलाया है कि कला और मानक से समझौता किये बगैर भी फिल्में देश की सामाजिक भावना से जुड़ सकती है। इसने मूड को आंदोलन में और आंदोलन को मुख्यधारा में रूपांतरित कर दिया है। हालांकि यह भावना इसकी शैलीगत गहराई में विकसित होगी या सिर्फ शोर में तब्दील हो जायेगी, यह देखना शेष है। 'धुरंधर' के जरिये भारतीय सिनेमा ने विश्वास करने के अधिकार को फिर से हासिल किया है।

नयी फिल्मों के लिए लॉन्चिंग पैड

इससे पहले 'उरी - द सर्जिकल स्ट्राइक', 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द केरला स्टोरी' जैसी फिल्मों की सफलताओं ने बदलाव का संकेत दिया था, लेकिन 'धुरंधर' ने इसे संस्थागत रूप दिया है। यह एक फिल्म भर नहीं है, बल्कि मुख्यधारा में नयी भावनात्मक फिल्मों के लिए लॉन्चिंग पैड है। इसका प्रभाव इतना अधिक रहा, जैसे कि अपनी भाषा में बात करने से डर रहे पूरे भारतीय सिनेमा को यह अपनी भाषा और भावना में उतरने का निर्देश दे रही हो। अलबत्ता, 'धुरंधर' की सफलता को आक्रामकता की जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। 'धुरंधर' की उपलब्धि इसके अभिव्यक्तिकरण में है, इसकी विवादास्पदता में नहीं। निर्देशक आदित्य धर ने बमबारी पर स्पष्टता को तरजीह दी है।

विश्व सिंधी सेवा संगम के पदाधिकारी।

देश व दुनिया से आए सिंधी प्रतिनिधि।

दो दिन के सम्मेलन में सिंधी समाज की किसी समस्या पर नहीं हुई कोई चर्चा

एकता पर दिया जोर, लालवानी ने कहा राजनीति में रुचि लें युवा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। जिस तरह से विश्व सिंधी एसोसियेशन आफ फाउंडेशन की तरफ से 23 नवम्बर 2025 को दिल्ली के विज्ञान भवन में विश्व सिंधी सम्मेलन जिसमें रक्षामंत्री राजनथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष औम बिड़ला एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र शेखावट जैसी हस्तियों के सामने आयोजक सिंधी समाज की किसी भी समस्या को मुस्तैदी से नहीं रख पाए, जबकि इसकी तुलना में संत हिरदाराम नगर से वहां पहुंचे सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के प्रतिनिधियों ने न केवल केन्द्रीय मंत्रियों व लोकसभा अध्यक्ष के अलावा आयोजकों को सिंधियों की लिखित में समस्याओं बावत ज्ञापन प्रस्तुत किया, उसी तरह भोपाल के एक आलीशान होटल में चल रहे इंटरनेशनल सिंधी सम्मेलन में भी सिंधी समाज का आम गरीब एवं मध्यम वर्ग जिन कठिनाईयों को झेल रहा है, और इस वर्ग की सरकार से जो अपेक्षा है, उसका दो दिन में तो कोई उल्लेख नहीं हो सका है। सम्मेलन 29 मुल्कों के अलावा देश के विभिन्न प्रांतों से प्रतिनिधि आए हैं। मुम्बई के राजू मनवानी की अगुवाई में आयोजित इस सम्मेलन में जहां समाज में एकता एवं आपसी सदभावना पर जोर दिया गया, वहीं धनाढ्य सिंधियों के इस सम्मेलन में कारोबारी एवं पारिवारिक रिश्ते जरूर मजबूत हुए। इधर लोकसभा में एकमात्र सिंधी भाषी भाजपा सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि युवाओं को न केवल सिंधी भाषा, सस्कृति एवं सभ्यता की जानकारी दी जाना जरूरी है बल्कि उन्हें अब राजनीति में भी रूचि लेकर नया नेतृत्व पैदा करना चाहिए क्योंकि आने वाली पीढ़ी युवाओं की है। भले ही इस सम्मेलन में देश के गरीब एवं मध्यम वर्ग कें सिधियों की समस्याओं के निराकरण पर चर्चा नहीं हुई हो, लेकिन देश व दुनिया से आए इन धनढ्य सिंधियों के बीच आपसी कारोबार के अलावा पारिवारिक रिश्ते जरूर मजबूत हुए, जो सिंधियों के कारोबार एवं बच्चों के रिश्तों में काफी सहायक सिद्ध होंगे।

जरूरी था इन बातों का उल्लेख

सम्मेलन में पाकिस्तान में सिंधी हिन्दुओं पर अत्याचार बंद कराने, वहां रह रहे 14 लाख सिंधी हिन्दुओं को भारत लाने, सिंधी भाषा को रोजगार से जोड़े जाने सिंधी हिन्दुओं को भारत में सरकारी नौकरियों एवं पार्षद, विधायक, सांसद व राज्य सभा के हेतु आरक्षण, सिंधी विकास बोर्ड का गठन करने, मध्यप्रदेश सहित अनेक प्रदेशों में सिंधी विस्थापित परिवारों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक दिलानी, हर प्रदेश में सिंधी साहित्य अकादमी का गठन, संधी भाषा विकास परिषद की बागडोर शुद्ध रूप से सिंधी साहित्यकार, कलाकार, लेखक, कवि या सिंधी पत्रकार के हाथों सौंपने, सालाना बजट 50 करोड़ करने, भारत में पृथक सिंधी प्रांत के गठन पर चर्चा करना जरूरी था।

ये मौजूद थी हस्तियां

तीन दिवसीय इस सम्मेलन की अगुवाई जहां विश्व सिंधी सेवा संगम के इंटरनेशनल अध्यक्ष मुम्बई के राजू मनवानी कर कर रहे हैं, वहीं सम्मेलन में इंदौर के एकमात्र सिंधी भाषी सांसद शंकर लालवानी, हालानी दरबार रायपुर के संत युदिष्टर महाराज, अमरावती के संत राजेश महाराज, महाभारत में युदिष्टर की भूमिका निभाने वाले आचार्य युदिष्टर, मानव अधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष मनोहर ममतानी, उत्तर प्रदेश के पूर्व आइपीएस राजाराम, पुणे के डा. पीटर दलवानी, जाने माने टीवी एंकर किशोर अजवानी, वरधा से आए वरिष्ठ समाज सेवी भगवानदास आहूजा, देवास के जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी, सिंधु भवन मध्यप्रदेश ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी, सम्ममेलन के उप संयोजक विजय पाहूजा आदि शामिल हुए।

बैरसिया वन विभाग का दो दिनी अनुभूति कैंप आयोजित

बैरसिया। वन विभाग बैरसिया की ओर से विगत दो दिनों में अनुभूति कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर बीट दामखेड़ा के सिद्धबाबा खो स्थल एवं बीट खुड़ा के बद कुआं नामक स्थल पर आयोजित हुआ। शिविर में बैरसिया एवं गुनगा क्षेत्र के कक्षा 9वीं एवं 11वीं के लगभग 240 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।कैंप के दौरान विद्यार्थियों को नेचर ट्रेल एवं प्रगति पथ पर जंगल भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें वन्य जीवन, पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रकृति से जोड़ना एवं उन्हें भविष्य में वन संरक्षक बनने के लिए प्रेरित करना रहा।भ्रमण के दौरान छात्रों को विभिन्न पेड़-पौधों एवं उनके औषधीय गुणों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उन्हें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनर एवं सेवानिवृत्त वन अधिकारी सुदेश बाघमारे तथा उपवनमंडलाधिकारी भोपाल धीरज सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को वन संरक्षण, कृषि एवं शिक्षा के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने जंगल की सुरक्षा के तरीके, वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उपाय भी बताए। कार्यक्रम के अंतर्गत प्लांटेशन एक्टिविटी, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी बैरसिया संजय सिंह राजपूत, परिक्षेत्र सहायक बैरसिया एवं हर्राखेड़ा सहित वन विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

लालवानी ने दी स्व. गेहानी को श्रद्धांजलि, बोले- समाज ने विद्वान शिक्षाविद खोया

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इंदौर के भाजपा सांसद शंकर लालवानी शनिवार को नगर निगम भोपाल के एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, भाजपा नेता नरेन्द्र लालवानी, कैलाश आसूदानी के साथ अपना सम्पूर्ण जीवन शिक्षा व सेवा को समर्पित कर देने वाले महान शिक्षाविद 90 वर्षीय विष्णु गेहानी के निवास पहुंचे। दो दिन पूर्व ही उनका देहांत हो गया था। इस मौके पर शंकर लालवानी ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा कि उन्होंने शिक्षा व सेवा का जो अलख जगाया वह हमें प्रेरित करता है। आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर सेवा व शिक्षा को पहली प्राथमिकता देना चाहिए क्योंकि ऐसे सेवाभावी लोग विरले पैदा होते हैं। भाजपा सांसद ने स्व. विष्णु गेहानी के परिजनों से मुलाकात की और कुछ देर निवास पर बैठकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इधर विष्णु गेहानी के पगड़ी रस्म में विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी सहित समाज की अनेक हस्तियों ने मौजूद रहकर उनके शिक्षा व सेवा में दिए गए योगदान का स्मरण किया।

कथा सुनने से कई जन्मों के भाग्य उदय होते हैं: पं मनोज

जागरण संवाददाता ओबेदुल्लागंज। महावीर कालोनी ज्वला चौक पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस पर कथावाचक पंडित मनोज शात्री महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते हैं।उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है।उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। ज्वला चौक महावीर कालोनी में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है।

रेलवे जीएम पहुंचे एयरपोर्ट, देखे विकास कार्य डायरेक्टर ने दी विस्तार से जानकारी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। रेलवे के जनरल मैनेजर इंजीनियरिंग डब्ल्यूआर भुदेव सरकार ने राजा भोज एयरपोर्ट पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यो का अवलोकन किया और इसमें अजाद की जा रही नवीन तकनीकी की जानकारी हासिल की। अपने अपने सहयोगी अधिकारियों के साथ विमान तल पहुंचे जहां डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट डायरेक्टर ने बताया कि यहां चल रहे विकास कार्यो खासतौर पर इंफास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के बारे में बताया जिसमें पीपीटी के काम, नया अराइवल हाल, नवीन फायर स्टेशन जिसका निर्माण अंतिम चरण में है, जिसके इसी साल मार्च में प्रारंभ होने की संभावना है, और जहां बोइंग 777 जैसे बड़े विमान जिसमें अक्सर देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति एवं रक्षा मंत्री आदि सफर करते हैं, की आपात सुरक्षित लैंडिंग में भी सक्षम किया गया है, की जानकारी प्रदान की। इसके अलावा आपरेशनल एफिशिएंसी और पैसेंजर एक्सीपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए दूसरी विकास गतिविधियां शामिल हैं, की भी विस्तार से जानकारी प्रदान की। जनरल मैनेजर इंजीनियरिंग डब्ल्यूआर ने विमान तल पर इस तरह की अत्याधुनिक सुविधाओं के अलावा यात्रियों के लिए जिस तरह अधिक सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है, उस पर संतोष प्रकट किया और इस हेतु एयरपोर्ट डायरेक्टर सहित भोपाल एयरपोर्ट अर्थारिटी की सरहाना की। यहां एयरपोर्ट डायरेक्टर ने अधिकारियों को एयरपोर्ट का विस्तार से निरीक्षण भी करवाया।

रीचा सिंह का प्रतिष्ठित औद्योगिक कंपनी में चयन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज में समय समय पर कैम्पस के आयोजन में होनहार छात्राओं का बड़ी बड़ी कम्पनियों में चयन हो रहा है इसी कड़ी में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा रिचा सिंह का चयन बौद्ध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड में लैब केमिस्ट के पद पर हुआ है। यह उपलब्धि कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता, उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण तथा समग्र छात्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सुश्री सिंह का चयन उनकी शैक्षणिक लगन, तकनीकी दक्षता तथा संस्थान की सुदृढ़ प्लेसमेंट सहायता प्रणाली को दर्शाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने छात्रा को हार्दिक बधाई देते हुए संकाय सदस्यों एवं प्लेसमेंट सेल के सतत प्रयासों की सराहना की। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज निरंतर प्रतिभाओं के पोषण एवं प्रभावी औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है, जिससे छात्राएं शिक्षा जगत से व्यावसायिक क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ प्रवेश कर सकें।

निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन में अनुश्री नामदेव व पूनम धनेले रहीं प्रथम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर भाषा विभाग द्वारा निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में राष्ट्रप्रेम, साहित्यिक चेतना एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका अनिल मिश्रा, पार्षद, वार्ड क्रमांक 5 द्वारा किया गया। महाविद्यालय में कार्यक्रम का सफल आयोजन भाषा विभाग द्वारा किया गया, जिसकी विभागाध्यक्ष गीतांशी बुट्टन रहीं। निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर सारगर्भित निबंध प्रस्तुत किए। निबंध प्रतियोगिता का मूल्यांकन गीतांशी बुट्टन एवं दीपा मिश्रा द्वारा किया गया, जबकि रंगोली प्रतियोगिता का निर्णय बबीता गोस्वामी द्वारा किया गया।

अनुश्री व पूनम रही प्रथम : रंगोली प्रतियोगिता मे प्रथम पुरस्कार अनुश्री नामदेव, द्वितीय पुरस्कार रश्मि विश्वकर्मा, तृतीय पुरस्कार हर्षा सहारे को प्रदान किया स इस प्रकार से निबंध प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पूनम धनेले ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान अनमोल वर्मा को दिया गया एवं तृतीय स्थान आयुषी राजक को प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में विचारशीलता, रचनात्मकता और राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

न्यू शानवी स्कूल विजेता शास. बालक उपविजेता

मंडीदीप। नगर पालिका परिषद मंडीदीप द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला महाकुंभ पिछले लगभग 20 वर्षों से नगर में खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख मंच रहा है। इस आयोजन के अंतर्गत नगर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के बीच करीब 20 दिनों तक खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। वर्तमान में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन जारी है। महाकुंभ के पांचवें दिवस क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल ने टॉस कराकर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में इंडियन पब्लिक स्कूल ने प्रयाग स्कूल को 10 विकेट से पराजित किया। प्रयाग स्कूल ने 6 ओवर में 19 रन बनाए थे, जिसे इंडियन पब्लिक स्कूल ने 3 ओवर में हासिल कर लिया।

निजी स्कूल के अवैध अतिक्रमण पर चला शासन का बुलडोजर

अवैध बाउंड्री तोड़कर खुलवाया आम रास्ता

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। नगर के वार्ड क्रमांक 2 में हाइवे से विद्या नगर और महावीर कालोनी में प्रवेश करने वाले मार्ग को विगत कई वर्षों से निजी स्कूल मॉडर्न कान्वेंट द्वारा बाउंड्री वाल खड़ी कर बाधित कर दिया गया था। जिसे आज प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए जेसीबी से ढहा दिया गया, प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में इस अतिक्रमण कर बनाई गई अवैद्य दीवार को हटाया गया। ज्ञात हो कि इस अतिक्रमण को लेकर विगत कई महीनों से स्थानीय निवासियों एवं भूमि स्वामी द्वारा शिकायतें प्रशासन को दी जा रही थी, नागरिकों द्वारा रायसेन जन सुनवाई में भी गुहार लगाई गई थी। अधिकारियों द्वारा माप और सीमांकन में शिकायतें सही पाई गई और स्कूल प्रबंधन को अतिक्रमण हटाने हेतु सूचित किया गया था लेकिन प्रबंधन की ओर से कोई प्रतिक्रिया ना होने पर इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया। हालकि स्कूल प्रबन्धक द्वारा उक्त कार्यवाही बिना पूर्व सूचना के करने के आरोप लगाये गए स्थानीय निवासियों का कहना है कि अभी भी स्कूल प्रबन्धन द्वारा कई मामलों जैसे निर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन इत्यादि में बहुत सी अनियमितताएं बरती जा रही हैं जो शिकायतों में विचाराधीन हैं, जिनका हल प्रशासन द्वारा शीघ्र किया जाएगा।

ससुराल पक्ष पर कुल्हाड़ी से हत्या करने वाले को आजीवन कारावास

जबलपुर। चरगवां में ससुराल पक्ष पर कुल्हाड़ी से हमला कर रच्जू नामक युवक की हत्या करने वाले आरोपी कल्याण सिंह को अदालत ने दोषी करार दिया है। पाटन के अपर सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश रजक की अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास व साढ़े तीन हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

SUDOKU 115

		2	6		1			
3						6		4
9		6	7	2				
					9	2		
8		3				9		1
		1	5					
				9	5	3		7
7		4						5
			3		4	8		

SOLUTIONS 114

6	9	7	5	4	8	1	3	2
1	8	3	7	9	2	4	6	5
4	5	2	1	6	3	9	7	8
7	3	9	6	8	4	2	5	1
5	6	1	9	2	7	8	4	3
2	4	8	3	1	5	7	9	6
9	1	5	8	7	6	3	2	4
3	7	4	2	5	1	6	8	9
8	2	6	4	3	9	5	1	7

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन उत्साह और ऊर्जा से भरा रहेगा। ऑफिस में आपके प्रयास रंग लाएंगे और कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं, लेकिन जल्दबाजी में खर्च ना करें।

वृषभ : आज आप लोगों को धैर्य और समझदारी से काम लेने की जरूरत है। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी।

मिथुन : आज बातचीत और संपर्क आपके लिए फायदेमंद रहेंगे। ऑफिस में आपकी बातों को महत्व मिलेगा।प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क : आज इमोशनल तौर पर आप मजबूत रहेंगे। कामकाज में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें अच्छे से निभाएंगे। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी।

सिंह : आज मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। ऑफिस में आपकी लीडरशिप क्वालिटी सामने आएगी। कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

कन्या : आज का दिन प्लानिंग के साथ काम करने का है। नौकरी में ग्रोथ के संकेत हैं। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

तुला : आज हर चीज में बैलेंस बनाकर चलना फायदेमंद रहेगा। रिश्तों में समझ बढ़ेगी और पुराने मतभेद दूर हो सकते हैं। धन से जुड़े मामलों में सोच-समझकर फैसले लें।

वृश्चिक : आज आपकी मेहनत और आत्मविश्वास आपको सफलता दिलाएगा। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। जीवनसाथी का साथ मिलेगा

धनु : आज आपको नए मौके और एक्सपीरियंस मिल सकते हैं। करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

मकर : आज आप लोगों की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें बखूबी संभाल लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी

कुंभ : आज हो सकता है कि नए विचार और योजनाएं आपके दिमाग में आएं। यात्रा के योग बन रहे हैं। सेहत अच्छी रहेगी

मीन : आज आप मेंटल और इमोशनल तौर पर बैलेंस्ड महसूस करने वाले हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। व्यापार में आर्थिक उन्नति मिल सकती है।

आज का पंचांग: 11 जनवरी रविवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा में रहेगा। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु माघ मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी 10 घंटे 21 मिनट तक तत्पश्चात नवमी, चित्रा नक्षत्र 18 घंटे 13 मिनट तक तत्पश्चात स्वाति नक्षत्र, सुकर्मा योग 17 घंटे 27 मिनट तक तत्पश्चात धृति योग, तुला में चंद्रमा। **राहुकाल :** सुबह 11.7 से दोपहर 12.24 बजे तक रहेगा।

सूने मकानों में चोरी करने वाला गिरोह पुलिस ने पकड़ा

मंडीदीप। थाना मिसरोद पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 15 लाख रुपये की ज्वेलरी एवं अन्य कीमती सामान बरामद किया है। इस संबंध में पूरी जानकारी मिसरोद थाना सब इंस्पेक्टर राजकुमार गुप्ता ने दी। सब इंस्पेक्टर राजकुमार गुप्ता ने बताया कि थाना क्षेत्र में लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल हरिनारायण चारी मिश्र, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी एवं पुलिस उपायुक्त जोन-1 डॉ. विवेक सिंह के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-1 गौतम सोलंकी एवं सहायक पुलिस आयुक्त मिसरोद रजनीश कश्यप कोल के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह परिहार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। 03 जनवरी 2026 को फरियादी द्वारा सूने मकान में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने बंगरसिया क्षेत्र में घेराबंदी कर तीन संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी गई ज्वेलरी व अन्य सामान बरामद हुआ।

नाम एवं जन्म तिथि संशोधन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं (Syed Mohammed Farhan Azam) आत्मज श्री सैयद मोहम्मद सलमान, आयु वयस्क निवासी-मकान नं. 07, पायगा स्ट्रीट बुधवारा, कोतवाली, भोपाल जिला-भोपाल (म.प्र.) यह कि मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम Syed Mohammed Farhan था, एवं जन्मतिथि 11/3/1974 अंकित थी जो कि गलत है। अत: मेरा सही नाम Syed Mohammed Farhan Azam है तथा जन्म तिथि 11/04/1974 है जोकि सही। अत: भविष्य में मुझे Syed Mohammed Farhan Azam के नाम से जाना-पहचाना एवं पढ़ा जावें।

नाम संशोधन सूचना

मैं श्रीमति रानू वशिष्ठ पत्नि श्री हरीश वशिष्ठ आयु वयस्क निवासी एल.आई.जी. 171 ए वार्ड नं. 12 इन्दिरा नगर मंडीदीप तह. गौहरगंज जिला रायसेन म.प्र. आधार. नं. 7424 1395 6369 है। मेरी पुत्री (DIYA VASISHTHA) कक्षा 10 में CARMEL CONVENT SCH RATANPUR MISROD BHOPAL MP म.प्र. से उत्तीर्ण की थी जो कि सत्य एवं सही है । मेरी पुत्री की अंकसूची एवं स्कूल के समस्त दस्तावेजों में त्रुटिवश उसका नाम (DIYA VASISHTHA) एवं मेरा नाम (RANI VASISHTHA) एवं उसके पिता का नाम (HARISH VASISHTHA) हो गया है जो कि गलत नाम है। मेरी पुत्री का सही नाम (DIYA VASHISTHA) मेरा सही नाम रानू वशिष्ठ (RANU VASHISTHA) मेरी पुत्री के पिता मेरे पति का सही नाम (HARISH VASHISTHA) है जो कि आधार कार्ड में अंकित है जो सही नाम है यह कथन सत्य एवं सही है।

नाम संशोधन सूचना

मैं **मनीष कुमार अग्रवाल आत्मज श्री चंद्र मोहन आयु वयस्क, निवासी-54 मस्जिद वाली गली गुजरपुरा, भोपाल चौक भोपाल म.प्र.।** मेरा आधार नं. **9864 8802 0719** है। मेरा एक प्रकरण 8636/93, क्लेम नं. 125789 वार्ड क्रमांक 16, अधिकरण क्र. 03, माननीय उपायुक्त महोदय के समक्ष गैस दावा अदालत शाहजहांनाबाद भोपाल में नाम सुधार हेतु लंबित है। मेरे अन्तिम आदेश में मेरा नाम **अशोक अग्रवाल** व पिता का नाम **चंद्रमोहन** अंकित है व प्रोरेटा आदेश में मेरा स्वयं का नाम **अशोक अग्रवाल** व पिता का नाम **चंद्रमोहन** अंकित है जबकि मेरा सही नाम **अशोक अग्रवाल उर्फ मनीष कुमार अग्रवाल** पिता का नाम चंद्रमोहन है।

आम सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती आबिदा ख़ातून पत्नि स्वर्गीय अब्दुल नूर ख़ान, निवासी म.नं.-33, सेक्टर-ए, गली नं.-02, बाग उमराव दूल्हा, शहर भोपाल, म.प्र., के स्वत्व, स्वामित्व एवं अधिपत्य का मकान नं.-163 (एक सौ तिरेसठ), जो ख़सरा नं.-788/2, एवं 813, के अंश पर निर्मित है, जिसकी सीमाऐं इस प्रकार हैं कि-पूरब में-प्लाट नं.-162, व पश्चिम में-प्लाट नं.-164, एवं उत्तर में-कालोनी रोड, तथा दक्षिण में-प्लाट नं.-178 है, एवं जिसकी नाप 20 फिट बाई 40 फिट बराबर 800 वर्गफिट अर्थात 74.35 वर्गमीटर है, मकान स्थित सोनिया गांधी कालोनी, बाग रानी साहिबा, खन्ती, ऐशबाग स्टेडियम के पास (मुख्य मार्ग से अन्दर), वर्तमान वार्ड नं.-40, शहर भोपाल, को क्रय करने एवं अनुबंध करने हेतु विचाराधीन है। उपरोक्त मकान कहीं दान, बंधक या उक्त मकान का किसी अन्य व्यक्ति से कोई अनुबंध हो या किसी संस्था या व्यक्ति/महिला/संस्था/बैंक का ऋण व भार हो, या किसी उत्तराधिकारी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो अथवा इस अंतरण से किसी के कोई हित प्रभावित हो रहे हों, तो सूचना दिनांक सहित 07 (सात) दिन की अवधि में, दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे निम्न पता (आफिस) पर आकर आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि गुजर जाने के बाद किसी भी व्यक्ति/महिला/संस्था/बैंक का दावा या आपत्ति मान्य नहीं होगी, एवं मेरे पक्षकार उपरोक्त वर्णित मकान के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में कराने के लिये स्वतंत्र रहेंगे।

मोहम्मद इशाद कुरैशी अधिवक्ता
आफिस- चैंबर नंबर 103 व 105, प्रथम तल, सिंधई हाइट्स, बिग ब्रांड्स मार्ट के सामने, जहांगीरिया स्कूल लेन, इब्राहिमपुरा, भोपाल, मोबाइल नंबर-9981036131

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

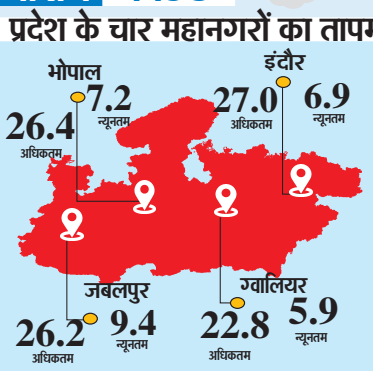

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
20.2 अधिकतम	4.2 न्यूनतम	31.4 अधिकतम	16.2 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
32.5 अधिकतम	18.1 न्यूनतम	22.0 अधिकतम	11.5 न्यूनतम

सूर्यास्त 5:52 PM
सूर्योदय 7:04 AM
चन्द्रोदय 12:00 AM
चन्द्रास्त 11:30 PM

गोबर, गौमूत्र और दूध से बीमारियों पर रिसर्च वाली पंचगव्य योजना में 3.5 करोड़ का घोटाला

योजना की राशि से अफसरों ने की हवाई यात्रा, कार खरीदी, पेट्रोल-डीजल पर लाखों फूंके

कमिश्नर के निर्देश पर हुई जांच, सरकार को जल्द भेजेंगे रिपोर्ट

जागरण, जबलपुर। सरकार ने गाय के गोबर, गौमूत्र और दूध से कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से लड़ाई लड़ने के लिए पंचगव्य योजना शुरू की। योजना के लिए नानाजी देशमुख विवि को करोड़ों रुपए दिए। योजना पर राशि खर्च करने की जगह अफसरों ने इसे घूमने-फिरने पर उड़ा दिया। पंचगव्य के पैसों से गाड़ियां खरीदी और उनकी मरम्मत कराई। योजना में करीब 3.5 करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया। जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। संभाग कमिश्नर के निर्देश पर तैयार जांच रिपोर्ट जल्द ही सरकार को भेजी जाएगी। मालूम हो कि राज्य सरकार ने गोबर, गौमूत्र और दूध से बीमारियों पर रिसर्च के लिए 2011 में पंचगव्य योजना शुरू की थी। योजना के तहत नानाजी देशमुख विवि ने रिसर्च के लिए 8 लाख 75 हजार रुपए का प्रपोजल सरकार को भेजा। स्वीकृति साढ़े तीन लाख की हुई। शुरुआत से ही योजना का पैसा रिसर्च की जगह कहीं और उड़ाना शुरू कर दिया। लिहाजा कुछ सालों बाद ही इसे बंद कर दिया।

मनमाने दाम पर खरीदी, दिल खोलकर हवाई यात्रा

योजना में गड़बड़ी पर संभाग कमिश्नर धनंजय सिंह ने जबलपुर कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के आदेश पर डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह मरावी और जिला कोषालय अधिकारी विनायकी लकरा ने जांच की तो गड़बड़झाला सामने आया। जांच में सामने आया कि विवि ने जिस पंचगव्य योजना के तहत साढ़े 3 करोड़ रुपए शासन से लिए थे, उसकी कोई गाइडलाइन ही नहीं थी, यानी राशि को किस तरह से और कहां खर्च करना है। करीब 1 करोड़ 92 लाख रुपए में गोबर, गौमूत्र, गमला, कच्चा पदार्थ और कुछ मशीनें खरीदी गईं, जबकि बाजार में इन मशीनों की कीमत महज 15 से 20 लाख रुपए बताई जा रही है। योजना में शामिल अधिकारियों ने रिसर्च के नाम पर एक नहीं, दो नहीं बल्कि 20 से अधिक बार अलग-अलग शहर और राज्यों की हवाई यात्रा की। डा. यशपाल साहनी, डा. सचिन कुमार जैन, रिसर्चर गिरिराज सिंह ने गोवा, हैदराबाद, कोलकाता,बेंगलुरु सहित 20 से अधिक शहरों की हवाई यात्रा की।

इसके अलावा करीब साढ़े 7 लाख रुपए की नई कार खरीदी गई। इसके साथ ही 7 लाख रुपए पेट्रोल-डीजल और मेंटनेंस में फूंक डाले। वाहनों के सुधार के लिए 3 लाख 50 हजार रुपए लेबर पेमेंट भी कर दी। इसके साथ ही करीब 15 लाख रुपए के टेबल और इलेक्ट्रानिक आइटम खरीद लिए।

किसानों को प्रशिक्षण कब दिया तारीखों का उल्लेख नहीं

2011 में शुरू हुई यह योजना आखिरकार 2018 में बंद हो गई। जांच टीम ने यह भी पाया कि 2016 से लेकर 2020 तक में कई किसानों को पंचगव्य योजना के नाम पर प्रशिक्षण करने का दावा भी किया है, पर जो लिस्ट सामने आई, उसे एक सादे कागज में बना रखा था, जिसमें शुरुआत के सालों में तारीखों का उल्लेख नहीं था। जांच टीम ने पाया कि जिस दौरान पंचगव्य योजना शुरू हुई थी, उस समय यशपाल साहनी, सचिन कुमार जैन, गिरिराज सिंह सहित अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। जांच में यह भी पाया गया है, कि विवि के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध हो सकती है। डिप्टी कलेक्टर और विनायिका लकरा की जांच रिपोर्ट कलेक्टर के माध्यम से कमिश्नर तक पहुंच गई है।

मांगे गए दस्तावेज उपलब्ध कराए: कुलगुरु

इस संबंध में नानाजी देशमुख पशु विज्ञान महाविद्यालय के कुलगुरु मनदीप शर्मा ने बताया कि योजना वर्ष 2011 से 2018 तक चली थी। यह एक पुरानी योजना है। इसमें जो भी कार्य हुए, उनकी सभी तकनीकी रिपोर्ट और वित्तीय रिपोर्ट फंडिंग जांच एजेंसी को पहले ही उपलब्ध करा दिए थे। सभी रिपोर्ट ऑडिटेड थीं, उस समय किसी भी तरह की अनियमितता सामने नहीं आई थी। प्रशासन की एक टीम ने हम से पंचगव्य योजना से संबंधित दस्तावेज मांगे से जो कि उपलब्ध करा दिए गए।

कांग्रेस का फिर दिखा जिन्ना प्रेम, युकां राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले-जिन्नाजी

जागरण, इंदौर। भारत के विभाजन कराने में मुख्य भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान के संस्थापक जिन्ना के प्रति कांग्रेस का प्रेम एक बार फिर सामने आ गया, जब इंदौर में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने जिन्ना को आदर देते हुए जिन्नाजी बोला। चिब ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहाकि अंग्रेजों ने आसानी से नहीं दी थी आजादी। इसमें हमारे पूर्वजों का बलिदान था। भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना जी। कितने लोग जेल में रहे और ऐसे हजारों सैकड़ों हैं, जिनके बलिदान के बाद देश को आजादी मिली। युकां अध्यक्ष ने भाजपा और प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा जैसी घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं, लेकिन जिम्मेदारों को कोई परवाह नहीं है। चिब ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयानों को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए तत्काल इस्तीफे की मांग की। महापौर पर भी गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज होना चाहिए। चिब के बयान को भाजपा के शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने निंदनीय बताते हुए कहाकि जिन्ना को जिन्नाजी बोलकर युकां अध्यक्ष ने कांग्रेस का असली चरित्र बता दिया है।

सल्फास पर प्रतिबंध लगाने निकाली शवयात्रा

जागरण, मंदसौर। जिले की जनहित समस्याओं को लेकर शनिवार दोपहर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने मंदसौर में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें रखीं। इस दौरान सल्फास की गोली पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग को लेकर एक शव यात्रा भी निकाली गई। यह विरोध जुलूस गांधी चौराहे से महाराणा प्रताप चौराहे तक निकाला गया, जिसका उद्देश्य शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना था। प्रदर्शन के बाद प्रशासन को 11 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

मिठाई मुफ्त नहीं दी तो डेयरी संचालक को चाकू मारा

जागरण, इंदौर। बदमाशों को मुफ्त में मिठाई नहीं दी तो उन्होंने डेयरी संचालक पर चाकू से हमला कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बदमाशों ने डेयरी संचालक के गले पर धारदार हथियार से हमला किया। वारदात में डेयरी संचालक सहित तीन लोग घायल हो गए। बदमाश पहले भी फ्री में मिठाई लेने आ चुके थे। पुलिस मामले में आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना देर रात एरोड्रम थाना क्षेत्र के 60 फीट रोड की है। टीआई तरुण भाटी ने बताया कि 60 फीट रोड पर श्रीकृष्णा डेयरी और स्वीट्स है। इसके संचालक मोहन गुर्जर और उनके दो बेटे नितिन और अंकित है। रात करीब 11 बजे तीन से चार लड़कों ने उनके साथ मारपीट की उसमें मोहन गुर्जर को गले में चोट है, घटना में नितिन भी घायल है। फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। घटना को लेकर पूछताछ जारी है। उन्होंने एक युवक का नाम बताया जो मिठाई लेने आया था। मिठाई को लेकर उनका विवाद हो गया था, उसमें ये घटना हुई है। आरोपी की जानकारी और रिकॉर्ड निकाले जा रहे हैं। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गुलाबगंज क्षेत्र में तेंदुए की दहशत

जागरण, विदिशा। गुलाबगंज क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में तेंदुए की मौजूदगी से दहशत फैल गई है। शनिवार को एक तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसके बाद वन विभाग अलर्ट हो गया है। विभाग ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए की उपस्थिति की पुष्टि की है। कार से गुजर रहे लोगों ने सड़क पर घूमते हुए एक जंगली जानवर का वीडियो बनाया था। वीडियो में दावा किया गया कि जानवर चक्क खेजड़ा की ओर नाले में उतर गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम रात में ही मौके पर पहुंची और उसकी तलाश शुरू की।

दूषित पानी से 21वीं मौत, चार वेंटिलेटर पर, 11 आईसीयू में

जागरण, इंदौर। शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से शनिवार को 21वीं मौत हो गई। एक और महिला सुनीता पति सतीश वर्मा (49) निवासी फर्जी वाली गली की मौत हो गई। सुनीता को 7 जनवरी को एमवायएच में भर्ती कराया था। इसके बाद उसकी हालत लगातार खराब होती चली गई और शनिवार दोपहर को उसने दम तोड़ दिया। महिला के बेटे विकास ने बताया कि दूषित पानी पीने से उसकी मां की किडनी डैमेज हुई थी। रविवार को महिला का पीएम किया जाएगा। दूसरी ओर 21 मौतों के बाद अब धीरे-धीरे नए मरीजों की संख्या कम हुई है। इलाज के बाद मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज भी किया जा रहा है। शुक्रवार को ओपीडी में डायरिया के 15 नए मरीज पहुंचे, जिनमें से दो को भर्ती किया। अब तक कुल 414 मरीज अस्पताल में भर्ती हुए थे, जिनमें से 369 को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया है। फिलहाल 45 मरीज भर्ती हैं। इनमें से 11 मरीज आईसीयू में हैं, जबकि चार मरीज वेंटिलेटर पर हैं। इन गंभीर मरीजों को किडनी और लिवर की समस्या के साथ मल्टी ऑर्गन फेल्योर जैसी जटिलताएं हैं। डॉक्टरों की विशेष टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है, जो चार मरीज करीब एक हफ्ते से वेंटिलेटर पर हैं।

बैतूल में भगवा झंडे जलाए, दो गिरफ्तार

जागरण, बैतूल। शहर के गंज थाना क्षेत्र में रात दो युवकों ने घरों और सड़कों के किनारे लगे भगवा झंडों को आग लगा दी।सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से लगभग दस जले हुए भगवा झंडे बरामद किए हैं। आने वाले दिनों में होने वाले हिंदू सम्मेलन को लेकर ये भगवा झंडे लगाए गए थे। एसपी वीरेंद्र जैन ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। झंडे जलाने की सूचना सबसे पहले कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को मिली थी। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल एसपी और एसडीएम बैतूल डॉ. अभिजीत सिंह को घटनास्थल पर भेजा। एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह ने बताया कि क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है ।

भाजपा राष्ट्र सेवा और विचारों का आंदोलन : खंडेलवाल

जी रामजी जनजागरण अभियान को लेकर प्रदेशाध्यक्ष ने ली जिला बैठक

रतलाम/भोपाल। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की अटूट निष्ठा, अथक परिश्रम और वैचारिक प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष, त्याग और विचारधारा के कारण आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनकर देश और समाज का मार्गदर्शन कर रही है। संगठन शक्ति ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है। मजबूत संगठन से ही सशक्त लोकतंत्र का निर्माण होता है। दायित्व के लिए किसी कार्यकर्ता को कहीं भटकने की आवश्यकता नहीं होती। भाजपा खोज-खोज कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देती है। यह बात भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने रतलाम में शनिवार को रतलाम में कही। वे यहां

अतिथि गार्डन में पार्टी की जिला बैठक, वीबी-जी रामजी जनजागरण अभियान, छोटी टोली के साथ सोशल मीडिया, आईटी टोली और मन की बात टोली की बैठकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहाकि भाजपा में कोई भी कितना भी बड़े दायित्व पर क्यों न हो, उसके मन में सदैव कार्यकर्ता भाव बना रहना चाहिए। एक समय ऐसा भी था जब बूथ स्तर पर कार्यकर्ता जुटाना कठिन होता था, लेकिन आज भाजपा में कई करोड़ कार्यकर्ता हैं। भाजपा राष्ट्र सेवा और अपनी विचारधारा को लेकर चलने वाला आंदोलन है। यही विचारधारा आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत भारत की नींव रखेगी। खंडेलवाल ने वीबीजी रामजी जनजागरण अभियान की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा जैसी योजनाओं में बिचौलियों की सक्रियता के कारण मजदूरों को उनका पूरा हक नहीं मिल पाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने तकनीक और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से इस व्यवस्था को सुधारते हुए गांवों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी है। जी रामजी से हर मजदूर को समय पर मजदूरी के साथ उनके हित सुनिश्चित होंगे। बैठक में राज्य शासन के मंत्री चेतन्य काश्यप, संभाग प्रभारी सुरेश आर्य, सांसद सुधीर गुप्ता, प्रदीप पांडेय, जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, विधायक राजेंद्र पांडेय, मथुरालाल डामर एवं चिंतामणि मालवीय सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रिटायर्ड शिक्षक को घर में 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 29 लाख की ठगी

डेढ़ करोड़ के फ्रॉड में शामिल होने का दिखाया था डर

जागरण, ग्वालियर। जिले में रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का एक मामला सामने आया है। वे 48 घंटे तक घर में डिजिटल अरेस्ट रहे। मुंबई में उनके नाम के खाते में डेढ़ करोड़ की राशि फ्रॉड में शामिल होने का आरोप लगाया। उनके साथ ही परिवार को आरोपी बनाने का डर

दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया। ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर 29 लाख 50 हजार रुपए की ठगी को अंजाम दिया है।

सायबर सेल ने 08 लाख की राशि फ्रीज कराई : दरअसल भिंड के रहने वाले रिटायर्ड शिक्षक प्रेम सिंह कुशवाह के साथ ठगी हुई है। तीन लेयर में कुल 30 खातों में ठगी की राशि ट्रांसफर हुई। राज्य सायबर सेल ने 08 लाख का अमाउंट खातों में फ्रीज कराया। लगभग 19 लाख की राशि खाते से ठगों ने निकाली है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ओवरलोड ट्रैक्टर ने 2 मासूमों को कुचला

जागरण, सिंगरौली। जिले में शनिवार को एक ट्रैक्टर मौत बनकर सड़क पर दौड़ पड़ा। जिसने 2 मासूमों को कुचलकर उनका जीवन छीन लिया। इस हादसे के बाद से गांव में मातम पसरा है। दरअसल, पूरी घटना नौडिहवा चौकी क्षेत्र की है। ग्राम पंचायत बरवाडीह के गोडगवा गांव में मुरुम से लदे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने 2 बच्चों को कुचल दिया। इस हादसे में 15 वर्षीय बुद्धिमान और 14 वर्षीय मक्कलू की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर संतकुमार यादव चला रहा था। जबकि मालकिन जयमाला दुबे बताई जा रही है। हादसे के बाद से गांव में मातम पसरा है।

कोर्ट से लौटे पति ने पत्नी और बुआ पर पेट्रोल डालकर लगाई आग

जागरण, मंदसौर। जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पीपलखूंटा में शनिवार शाम करीब 6 बजे एक शख्स ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जब उसकी बुआ बचाने पहुंचीं, तो आरोपी ने उन पर भी पेट्रोल डालकर आग लगा दी। दोनों महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं और जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती हैं। डॉक्टरों के अनुसार ममता का चेहरा, छाती और पेट करीब 35 फीसदी झुलस चुका है, जबकि कासूबाई की हालत भी गंभीर बनी हुई है। घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें आरोपी आग लगाते दिखाई दे रहा है। पीड़िता ममता ने बताया कि उसने अपने पति राजूनाथ के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया था। आरोप है कि पति ने पांच लाख रुपए की मांग की थी। रकम नहीं मिलने पर घर में आए दिन विवाद और मारपीट होती थी। इसी केस की 9 जनवरी को सीतामऊ कोर्ट में सुनवाई हुई थी। पेशी के बाद ममता अपनी बुआ कासूबाई (60) के घर पीपलखूंटा गांव चली गई थी। ममता पिछले करीब एक साल से पति से अलग रह रही थी।

मंदसौर की घटना, दोनों को बर्न वार्ड में कराया भर्ती

बिजनेस प्लस

तंबाकू उत्पादों पर टैक्स में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। हजारों छोटे दुकानदारों, फेरीवालों और रेहड़ी-पटरी वालों ने रोजमर्रा की वस्तुओं, खासकर वैध तंबाकू उत्पादों पर टैक्स में अचानक की गई भारी बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। फेडरेशन ऑफ रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआरएआई) के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने वित्त मंत्रालय के बाहर धरना देकर चेतावनी दी कि इस फैसले से उनकी पहले से कम आय पर गहरा असर पड़ेगा और लाखों परिवारों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। रिटेलर्स ने सरकार के हालिया नोटिफिकेशन के तहत सिगरेट पर बढ़ी एक्साइज ड्यूटी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कीमतें बढ़ने से मांग खत्म हो जाएगी और ग्राहक अवैध विकल्पों की ओर जाएंगे। एफआरएआई सचिव विनय कुमार ने कहा कि अचानक टैक्स बढ़ोतरी से छोटे दुकानदारों की दुकानें बंद होने की कगार पर हैं। एसोसिएशन ने सरकार से अपील की कि टैक्स दरों पर पुनर्विचार किया जाए और भारत की जमीनी रिटेल अर्थव्यवस्था व स्व-रोजगार करने वालों की आजीविका की रक्षा की जाए।

यूएस एफडीए रजिस्ट्रेशन हासिल कर लॉर्ड्स मार्क को मिली उपलब्धि

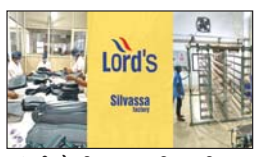

नई दिल्ली। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने 153 ऑर्थोसर्जिकल प्रोडक्ट्स के लिए यूएस एफडीए रजिस्ट्रेशन हासिल कर एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है, जिससे यह भारत की चुनिंदा यूएस एफडीए-लिस्टेड मेडिकल डिवाइस कंपनियों में शामिल हो गई है। यह उपलब्धि भारतीय मेडिकल मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित करती है। सभी प्रोडक्ट्स कंपनी के सिलवासा स्थित विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बनाए जाते हैं, जो सख्त क्वॉलिटी कंट्रोल, वैलिडेटेड प्रोसेस और एंड-टू-एंड ट्रेसेबिलिटी पर आधारित हैं। यूएस एफडीए-लिस्टेड पोर्टफोलियो में ऑर्थोपेडिक ब्रेसिज़, स्पाइनल व सर्वाइकल सपोर्ट, एक्टिवगार्ड रेंज, सर्जरी के बाद के रिहैबिलिटेशन प्रोडक्ट्स और डिसइंफेक्टेंट वाइप्स शामिल हैं। कंपनी के एमडी सच्चिदानंद उपाध्याय के अनुसार, यह मान्यता भारत से ग्लोबल-स्टैंडर्ड मेडिकल डिवाइस बनाने की क्षमता को दर्शाती है। इस उपलब्धि से लॉर्ड्स मार्क की अमेरिका, लैटिन अमेरिका और मिडिल ईस्ट जैसे रेगुलेटेड मार्केट्स में मौजूदगी और निर्यात संभावनाएं मजबूत होंगी।

सिस्टेक में इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग स्टूडेंट चैप्टर का गठन

भोपाल। समग्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने, प्रणालियों को अनुकूलित करने, उत्पादकता में सुधार करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने के उद्देश्य से, सिस्टेक गांधी नगर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने आज भारतीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान (आईआईआईई) के स्टूडेंट चैप्टर का गठन किया। यह स्टूडेंट चैप्टर सिस्टेक के सतत विकास के 5 वर्षीय मिशन का भाग है और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों को अक्षमताओं की पहचान करने, अपव्यय को कम करने, सुरक्षा बढ़ाने, विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता, नेतृत्व कौशल को विकसित करने और समग्र संगठनात्मक प्रदर्शन में सुधार करने के लिए उन्हें सशक्त बनाएगा। आईआईआईई स्टूडेंट चैप्टर का उद्घाटन मुख्य अतिथि एम बी कुलकर्णी, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परिषद, आईआईआईई द्वारा योगेश एस. दीपनाइक, मानद सचिव राष्ट्रीय परिषद, आईआईआईई और टीआर गुलियानी, अध्यक्ष आईआईआईई भोपाल अध्याय ने विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ च्योति देशमुख ग्रुप डायरेक्टर सिस्टेक, मनीष बिल्लोरे प्रिंसिपल सिस्टेक और डॉ स्वाति सक्सेना, वाइस प्रिंसिपल, सिस्टेक की उपस्थिति में किया गया। सिस्टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए एम बी कुलकर्णी ने कहा, स्टूडेंट चैप्टर सिर्फ एक संगठन नहीं है। यह कक्षा से परे उद्योग जगत से जुडने, पेशेवर मार्गदर्शन, नैतिक मूल्यों और नेतृत्व का अनुभव प्राप्त करने का एक द्वार है।

आईईएस यूनिवर्सिटी में दीक्षांत समारोह का आयोजन

भोपाल। आईईएस यूनिवर्सिटी में छात्रो का दीक्षांत समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न। आईईएस यूनिवर्सिटी द्वारा छात्रो के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन आईईएस कैम्पस में किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगू भाई पटेल, राज्य मंत्री लाखन सिंह पटेल, पद्म डॉ. पीटी उषा, राच्य सभा सांसद गोविंद लाल भाई ढोलकिया, , इंनियर बी.एस.यादव चांसलर, अरुण योगीराज, शिल्पकार, चंद्रकांत सीताराम पंडित पूर्व भारतीय क्रिकेटर, प्रसिद्ध क्रिकेट कोच, प्रोफेसर खेमसिंह डेहरिया अध्यक्ष म.प्र. नि विश्वविद्यालय नियामक आयोग, भोपाल, सुदेश शांडिल्य महाराज, पीठाधीश्वर करुणाधाम आश्रम विशिष्ट अतिथि, माधुरी सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, फाउंडेशन फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट भारत सरकार प्रोफ (डॉ.) सुनीता सिंह, प्रो चांसलर एवं देवांश सिंह, सीईओ आईईएस यूनिवर्सिटी द्वारा दीप प्रजावलन कर किया गया। आईईएस दीक्षांत समारोह के आरंभ में देवांश सिंह, सीईओ आईईएस यूनिवर्सिटी ने सभी आतिथिओ का आभार व्यक्त कर उन्हे स्मृति चिन्ह भेट किया साथ ही सभी छात्रो को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उनका मार्गदर्शन किया। दीक्षांत समारोह में आईईएस यूनिवर्सिटी के चांसलर, रजिस्ट्रार, डीन एवं सभी डिपार्टमेंट के एचओडी, फैक्लटी मेम्बर के साथ लगभग 2500 से आधिक छात्र माजूद रहे।

सेंट जॉर्ज स्कूल में भव्य विदाई समारोह का आयोजन

भोपाल। सेंट जॉर्ज स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक बाबू थॉमस, डोना थॉमस एवं अरुण थॉमस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य राजेश नायर ने की। समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों को प्रेरणादायक शब्दों से मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय के जूनियर विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 12वीं के छात्रों के सम्मान में विदाई पार्टी का आयोजन किया।

फर्जी टीपी से देशव्यापी नेटवर्क का खुलासा लाखों की लकड़ी जब्त

जागरण, शहडोल। देशभर में खैर लकड़ी की अचानक बढ़ी डिमांड ने इसे तस्करी का नया हॉटस्पॉट बना दिया है। इसी कड़ी में शहडोल वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खैर और सागौन लकड़ी की अवैध तस्करी में लिप्त नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है। इस कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया है। दरअसल वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ शहडोल जिले में तीन अलग-अलग स्थानों पर छापामार अभियान चलाया। वन परिक्षेत्र बुढ़ार के ग्राम बुगरा में तलाशी के दौरान राम प्रवेश यादव के बाड़ी परिसर से 104 नग सागौन लकड़ी, कुल 3.109 घनमीटर, बरामद की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह लकड़ी रात में पिकअप वाहन से लाई गई थी, जिस पर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के कोलमी वार्ड में अशोक कुमार अवस्थी के निवास से सागौन लकड़ी की छिलन, 5 बोरे, 2 लकड़ी के टुकड़े, एक बैटरी चालित चेन-सॉ मशीन व 13 चेन-सॉ जब्त किए। ग्राम पटदई में सुनील अवस्थी के ढाबा परिसर से 130 नग सागौन लकड़ी (2.079 घनमीटर) बरामद हुई।

ईरान में जेन-जी का आक्रोश

ईरान में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इंटरनेट पूरी तरह से बंद है। प्रदर्शनकारियों ने तेहरान की अल-रसूल मस्जिद में आग लगा दी ।

मोदी ने सोमनाथ मंदिर में महाआरती कर, त्रिशूल उठाया, किया ॐ का जाप

सोमनाथ, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 12 जनवरी तक 3 दिन के गुजरात के दौरे पर हैं। शनिवार शाम वे राजकोट से हेलिकॉप्टर के जरिए सोमनाथ पहुंचे। यहां उन्होंने रोड शो किया। इसके बाद सोमनाथ मंदिर पहुंचे। सोमेश्वर महादेव की महाआरती की और 72 घंटे चलने वाले ऊं जाप में शामिल होकर ऊं जाप भी किया। पीएम ने ड्रोन शो भी देखा, जिसमें 3 हजार ड्रोन से सोमनाथ गाथा प्रस्तुत की गई। रोड शो के दौरान पीएम को देखने के लिए सड़क के दोनों और भीड़ मौजूद रही थी। मंदिर पहुंचने से पहले पीएम ने सोमनाथ सर्किट हाउस में सोमनाथ के ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग भी की थी। पीएम सोमनाथ सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। दरअसल पीएम मोदी ने सोमनाथ पर 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर हो रहे इस कार्यक्रम को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' नाम दिया है। पर्व 8 से 11 जनवरी तक मनाया जा रहा है।

जनसभा को भी करेंगे संबोधित

इस अवसर पर निकलने वाली शौर्य यात्रा का समापन सोमनाथ के सद्भावना मैदान में होगा। इसके बाद पीएम सोमनाथ मंदिर में दर्शन, जलाभिषेक और पूजा अर्चना करेंगे। सद्भावना मैदान में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। वर्ष 2012 में जब मोदी गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने सोमनाथ के इसी मैदान में नर्मदा नदी पर बने सरदार सरोवर डैम की ऊंचाई बढ़ाने के मुद्दे पर हुए जन आंदोलन के दौरान सद्भावना उपवास रखा था। तब से यह मैदान सद्भावना मैदान के नाम से पहचाना जाने लगा है।

राजकोट में वीजीआरसी का उद्घाटन करेंगे

पीएम कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) का उद्घाटन करने के लिए राजकोट जाएंगे। कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र पर केंद्रित यह दो दिवसीय सम्मेलन 11 और 12 जनवरी के बीच मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के परिसर में होगा। इसके बाद पीएम राजकोट से अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे। यहां साबरमती आश्रम में नवीनीकरण और विस्तार कार्य की समीक्षा करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दुश्मनों का मनोबल तोड़ने की लिये लड़ते हैं : डोभाल

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा कि युद्ध राष्ट्र की इच्छाशक्ति के लिए लड़े जाते हैं। उन्होंने कहा, हम साइकोपैथ (मनोरोगी) नहीं हैं, जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष या सुकून मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जातीं। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी देश का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं, ताकि वह हमारी शर्तों पर आत्मसमर्पण करे और हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकें। अजीत डोभाल ने शनिवार को नई दिल्ली में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह के दौरान ये बाते कहीं। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप अपनी इच्छाशक्ति बढ़ा सकते हैं। वही इच्छाशक्ति राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है। दुनिया में हो रहे सभी युद्ध और संघर्षों को देखें तो साफ है कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। इसके लिए अपनी ताकत का प्रयोग कर रहे हैं। अगर कोई देश इतना शक्तिशाली है कि कोई उसका विरोध न कर सके तो वह हमेशा स्वतंत्र रहेगा। लेकिन अगर संसाधन और हथियार हों, पर मनोबल न हो तो सब कुछ बेकार हो जाता है।

सीजेआई पहली बार पहुंचे अपने पैतृक गांव

हांसी/हिसार, जेएनएन। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत के हरियाणा दौरे के दूसरे दिन खुली जीप में सवार होकर हांसी जिले में अपने पैतृक गांव पेटवाड़ पहुंचे। यहां उनके सम्मान में एक समारोह रखा गया था। उनके साथ कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे। यहां सीजेआई ने कहा- मुझे अपने इंग्लिश के टीचर मदनखेड़ी गांव निवासी मास्टर प्रेम सिंह जी आज भी याद हैं। उन्होंने कुछ बच्चों को चुना ताकि मैट्रिक (10वीं) एग्जाम में गांव का रिजल्ट अच्छा आए। हम धान की पराली बिछाकर स्कूल के बड़े कमरे में सोते थे और रात 11-12 बजे तक मास्टर जी हमें पढ़ाते थे। यह केवल पढ़ाई नहीं थी, यह एक मां-बाप जैसी तपस्या थी। इसके बाद सीजेआई को हिसार स्थित अपने पुराने कॉलेज गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में एलुमनी मीट में पहुंचना था। हालांकि, लेट होने के कारण वह नहीं आ पाए।

अमिताभ की जमीन का मूल्य 30 गुना बढ़ा

गांधीनगर, जेएनएन। गुजरात में गांधीनगर के शाहपुर में अमिताभ की 15 साल पहले खरीदी गई जमीन की कीमत 30 गुना बढ़ने का दावा किया जा रहा है। अमिताभ ने 2011 में अराध्या के जन्म के समय करीब 5.72 एकड़ (14 बीघा) जमीन 7 करोड़ रुपए में खरीदी थी। एक स्थानीय दिनेश ठाकोर ने दावा किया की यहां अब प्रति बीघा जमीन 15 करोड़ रुपये में बिक रही है। इस तरह से अमिताभ की जमीन की कीमत 203 करोड़ रुपये हो सकती है। हालांकि इसको लेकर रजिस्ट्रार ऑफिस से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। जमीन पर अमिताभ के बेटे अभिषेक बच्चन ने कमर्शियल और रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट के लिए मुंबई के लोटस डेवलपर्स से डील की है। इस समझौते के अनुसार डेवलपर कंपनी डिजाइन और कंट्रक्शन का काम करेगी। हालांकि जमीन बच्चन परिवार की होगी। प्रोजेक्ट पर काम शुरु होने के बाद इसे पूरा होने में 4 साल लग जाएंगे। यह जमीन अमिताभ बच्चन ने सीधे खुद नहीं खरीदी थी। उनकी तरफ से पावर ऑफ अटॉर्नी (कानूनी प्रतिनिधि) के रूप में एबीसीएल कंपनी के एमडी राजेश ऋषिकेश यादव ने सौदा किया।

कृष-4 की तैयारी में जुटे ऋतिक

बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन कल ही अपना 52वां जन्मदिन मनाया है। ये पल उनके परिवार और फैंस के लिए भी काफी स्पेशल है. ऋतिक की फिल्में देखने के लिए हर कोई बेताब रहता हैं। फैंस को उनका सुपरहीरो अवतार कृष देखना काफी पसंद है। वो इस फ्रेंचाइजी फिल्म के अगले पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। ऋतिक की कृष 4 पिछले काफी सालों से सुर्खियों में बनी हुई है। उनके पिता राकेश रोशन कई बार बता चुके हैं कि वो इसके अगले पार्ट पर जल्द काम शुरू करेंगे। पिछले साल, राकेश रोशन ने कृष 4 को अनाउंस किया था और बताया कि इस फिल्म को उनके बेटे ऋतिक ही डायरेक्ट करने वाले हैं। हालांकि, इसकी शूटिंग कब शुरू होगी इसपर कोई अपडेट नहीं थी। लेकिन अब ऋतिक के बर्थडे पर कृष 4 से जुड़ा एक हिंट देखने मिला है। एक्टर के फिटनेस ब्रैंड एचआरएक्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ऋतिक का एक वर्कआउट वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो जिम में कड़ी मेहनत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में कृष फिल्म का गाना लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ऋतिक ये सारी मेहनत दोबारा पर्दे पर कृष बनने के लिए कर रहे हैं।

ग्रीनलैंड पर कब्जा करना हमारी मजबूरी हम नहीं चाहते रूस-चीन यहां काबिज हों

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को बताया कि अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड पर कब्जा करना क्यों जरूरी है। उन्होंने व्हाइट हाउस में तेल और गैस कंपनियों के बड़े अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक के दौरान कहा कि अगर अमेरिका ने ऐसा नहीं किया तो रूस और चीन जैसे देश इस पर काबिज हो जाएंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ग्रीनलैंड को हासिल करना जमीन खरीदने का मसला नहीं है, यह रूस और चीन को दूर रखने से जुड़ा है। हम ऐसे देशों को अपना पड़ोसी बनते देख नहीं सकते। ट्रम्प ने आगे कहा, अमेरिका अगर ग्रीनलैंड को आसान तरीके से हासिल नहीं कर पाया, तो दूसरे सख्त तरीके अपनाने होंगे। उन्होंने कहा, 'हम ग्रीनलैंड के मुद्दे पर कुछ न कुछ करेंगे, चाहे उन्हें पसंद हो या न हो।' उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैं चाहता हूं कि सौदा आसान तरीके से हो जाए।' हालांकि, उन्होंने डेनमार्क के प्रति अपनी नरमी भी जताई और कहा, 'वैसे मैं डेनमार्क का बहुत बड़ा फैन हूं। वे मेरे साथ बहुत अच्छे रहे हैं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका ग्रीनलैंड के लोगों को सीधे पैसे देकर उन्हें अमेरिका के साथ जुड़ने के लिए राजी करने की योजना बना रहा है।

ग्रीनलैंड के पास रूसी और चीनी गतिविधियां बढ़ी

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड के पास रूसी और चीनी नौसेना की बढ़ती गतिविधियों का हवाला दिया, जिसमें डिस्ट्रॉयर और पनडुब्बियां शामिल हैं। ट्रम्प ने कहा, हम रूस या चीन को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वे चीन और रूस दोनों को पसंद करते हैं। उनके नेताओं व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के साथ अच्छे संबंध हैं।

मालिक बनकर बेहतर तरीके से रक्षा करेंगे

जब ट्रम्प से पूछा गया कि अमेरिका का पहले से ही वहां सैन्य अड्डा है, तो पूरे कब्जे की क्या जरूरत है। इसपर ट्रम्प ने जवाब दिया कि लीज काफी नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'जब हम मालिक होते हैं, तो हम इसकी रक्षा करते हैं। लीज की रक्षा उतनी नहीं की जाती। हमें पूरा मालिकाना हक चाहिए।' ट्रम्प ने पुरानी कूटनीति की आलोचना भी की।

डेनमार्क ने हमले की धमकी दी थी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी के बीच डेनमार्क ने जवाब दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने धमकी दी थी कि अगर कोई विदेशी ताकत उनके इलाके पर हमला करती है, तो सैनिक आदेश का इंतजार किए बिना तुरंत जवाबी कार्रवाई करेंगे और गोली चलाएंगे। बिना आदेश हमला करने का नियम 1952 का है।

नेतन्याहू किडनैप करे अमेरिका पाक रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को किडनैप करने की मांग की। एक टीवी इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अमेरिका को नेतन्याहू को उसी तरह पकड़ना चाहिए जैसे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो को पकड़ा गया था। उन्होंने आगे कहा कि तुर्किए भी नेतन्याहू को पकड़ सकता है और पाकिस्तानी इसके लिए दुआ कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने नेतन्याहू को मानवता का सबसे बड़ा अपराधी करार दिया और दावा किया कि गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ जो अत्याचार हुए हैं, वे इतिहास में कभी नहीं देखे गए। यह बयान एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में सामने आया, जिसकी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस दौरान आसिफ ने उन लोगों पर भी सवाल उठाने शुरू किए, जो ऐसे अपराधियों का समर्थन करते हैं। 'कानून उन लोगों के बारे में क्या कहता है, जो ऐसे अपराधियों का साथ देते हैं।

'जी राम जी विधेयक' पर सियासी घमासान

विरोध में उतरे छह राज्य, केंद्र पर अधिकार छीनने का आरोप

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्थान पर प्रस्तावित 'वीबी-जी राम जी अधिनियम' को लेकर देश की राजनीति में तीखा टकराव सामने आ गया है। कर्नाटक, तेलंगाना और पंजाब ने इस कानून के खिलाफ अपने-अपने विधानसभाओं में प्रस्ताव पारित कर विरोध दर्ज कराया है, जबकि तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल ने भी खुलकर इसे संघीय ढांचे और राज्यों के अधिकारों पर हमला बताया है। इधर, कांग्रेस ने शनिवार से 45 दिन का राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया है।

विरोध कर रहे राज्यों का आरोप है कि इस नए कानून के जरिए मनरेगा से 'महात्मा गांधी' का नाम हटाया गया, योजना के स्वरूप को बदला गया और सारे निर्णायक अधिकार केंद्र सरकार के हाथ में सौंप दिए गए। उनका कहना है कि इससे न सिर्फ राज्यों की स्वायत्तता कमजोर होगी, बल्कि वित्तीय बोझ भी चार गुना तक बढ़ सकता है।

हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि नया कानून ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएगा।

राज्यों की प्रमुख आपत्तियां

विरोधी राज्यों का कहना है कि मनरेगा एक मांग-आधारित योजना थी, जिसमें ग्रामीण परिवार काम की मांग करते थे और सरकार को रोजगार उपलब्ध कराना पड़ता था। नए कानून में इसे आपूर्ति-आधारित ढांचे की ओर ले जाने की आशंका है, जिससे रोजगार की गारंटी कमजोर हो सकती है। इसके अलावा, राज्यों का आरोप है कि केंद्र सरकार वित्तीय जिम्मेदारी राज्यों पर डालकर नियंत्रण अपने पास रखना चाहती है, जो संघीय व्यवस्था की भावना के खिलाफ है।

रिसर्च का दावा: राज्यों को 17 हजार करोड़ का लाभ: हालांकि, केंद्र सरकार के समर्थन में एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू होने पर राज्यों को कुल मिलाकर 17 हजार करोड़ रुपये का लाभ हो सकता है। यह आकलन पिछले सात वर्षों के मनरेगा आवंटन की तुलना के आधार पर किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नए मॉडल में केंद्र और राज्यों के बीच फंड का बंटवारा नॉर्मेटिव असेसमेंट के आधार पर होगा।

उत्तराखण्ड बनेगा पर्यटन की पहली पसंद

नई दिल्ली, जेएनएन। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज जी के मार्गदर्शन में देश का पहली बार ऐसा प्रयास किया जा रहा है जिसमें एक राज्य अपने पर्यटन पक्ष को संगठित, समन्वित और बहु-शहरी अभियान के रूप में आगे रख रहा है।उत्तराखण्ड पर्यटन ने दिल्ली से पैनइंडिया एकीकृत रोड शो की शुरुआत की जिसमें उत्तराखंड तथा दिल्ली- एनसीआर के 250 से ज्यादा इंडस्ट्री स्टेकहोल्डर ने प्रतिभाग किया। यह आयोजन देश के प्रमुख महानगरों में आयोजित होंगे। यह अभियान उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशों

तथा पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज के मार्गदर्शन में प्रारम्भ किया गया है, जिसका उद्देश्य उत्तराखण्ड को सालभर के 365-दिवसीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज के साथ धीराज सिंह गर्ब्याल, पर्यटन सचिव, अभिषेक रुहेला अपर सचिव, विशाल मिश्रा, प्रबंध निदेशक, गढ़वाल मंडल विकास निगम, विनीत तोमर, प्रबंध निदेशक, कुमाऊँ मंडल विकास निगम सहित अनेक विभागीय अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि और देश के प्रमुख टूर व ट्रैवल ऑपरेटर मौजूद रहे।

प. बंगाल के हल्दिया में अपना बेस बना रही नेवी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय नौसेना पश्चिम बंगाल के हल्दिया में एक नया नेवी बेस बनाने जा रही है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह कदम चीन की बढ़ती नौसैनिक गतिविधियों और बांग्लादेश-पाकिस्तान से जुड़े बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा हालात को देखते हुए उठाया जा रहा है। इस नए बेस पर लगभग 100 अधिकारी और नाविक तैनात किए जाएंगे। इससे साफ है कि यह एक छोटा लेकिन रणनीतिक रूप से अहम बेस होगा। हल्दिया, कोलकाता से करीब 100 किमी दूर है और यहां से सीधे बंगाल की खाड़ी तक पहुंच मिलती है। इसका मकसद उत्तरी बंगाल की खाड़ी में भारत की समुद्री मौजूदगी को मजबूत करना है। यह नया बेस एक पूर्ण नौसैनिक कमांड न होकर 'नेवल डिटैचमेंट' के रूप में काम करेगा। यहां से छोटे वॉरशिप और हाईस्पीड बोट की तैनाती की जाएगी, ताकि समुद्री निगरानी और कार्रवाई की क्षमता बढ़ाई जा सके।

भारत सरकार
केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, ट्रैक्टर नगर, बुदनी (मध्य प्रदेश) - 466445

फा.सं./F-No : 15-11011/1/2024-MES दिनांक 09.01.2026

अनुपयोगी/अप्रचलित कृषि यंत्र एवं मशीनरी, मैकेनिक टूल्स (सामान्य/विशेष), बागवानी औजार, कंप्यूटर, स्कैनर, विद्युत सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बेकार लोहा (स्क्रैप), प्लास्टिक दरवाजे एवं प्लास्टिक स्क्रैप, तथा लकड़ी के स्क्रैप का विक्रय

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान में उपलब्ध अनुपयोगी/अप्रचलित कृषि यंत्र एवं मशीनरी, मैकेनिक टूल्स (सामान्य/विशेष), बागवानी औजार, कंप्यूटर, स्कैनर, विद्युत सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बेकार लोहा (स्क्रैप), प्लास्टिक दरवाजे एवं प्लास्टिक स्क्रैप, तथा लकड़ी के स्क्रैप का निपटान ''जहाँ है जैसे है'' (As Is Where Is) के आधार पर नीलामी हेतु मोहरबंद निविदाएँ (Sealed Tenders) आमंत्रित की जाती हैं।
मोहरबंद निविदाएँ दिनांक 28-01-2026 को प्रात: 11:00 बजे तक प्राप्त की जाएँगी। निविदाएँ दिनांक 28-01-2026 को 12:00 बजे संस्थान के सभा भवन में निविदाकर्ताओं की उपस्थिति में खोली जाएँगी।
नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं शर्तों के लिए कृपया संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र डाउनलोड करें। वेबसाइट : http://fmttibudni.gov.in

कृषि अभियंता

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल-ce.tender.wrdmp@gmail.com
फोन-0755-2767635 फैक्स-0755-2552406
निविदा सूचना क्रमांक-1197/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/भोपाल, दिनांक 07.01.2026

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाईट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 27.01.2026 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2026_WRD_473814	केरवा बांध पर पूर्व निर्मित स्पिल - वे फुट ब्रिज को तोड़कर नवीन फुट ब्रिज, स्पिल चैनल एवं शूट फाल का निर्माण एवं वि./यां. से संबंधित कार्य।	भोपाल	1174.49

जी-24206/25 बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

संचालनालय
खेल और युवा कल्याण
टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल, मध्यप्रदेश

ई-निविदा सूचना

संचालनालय खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश, द्वारा **'टेनिस खेल सामग्री/उपकरण क्रय हेतु'** निर्माता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व निविदा की विस्तृत शर्तें **www.mptenders.gov.in** पर उपलब्ध है। ई-निविदा प्रकाशन उपरांत निविदा में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है तो वह मात्र उपरोक्त उल्लेखित ई-टेण्डर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेगा।
म.प्र. माध्यम/123926/2026 संचालक

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/115/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर "ई" निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्र	नियत तारीख
1.	40252202B	वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड सिंगल सेल ऑफ 1100AH बेगी ।	53 सेट	28/01/2026
2.	20254515B	ब्रेक शू कम्पलीट	27020 नं.	29/01/2026
3.	30255004A	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग - कमीशनिंग ऑफ IP बेस्ड वीडियो सर्विलांस सिस्टम	1855 सेट	30/01/2026
4.	38252306	POH किट फॉर डिस्ट्रिब्यूटर वाल्व टाईप	1615 सेट	09/02/2026
5.	40251835	पोर्सिलेन ब्रैकेट इंसुलेटर	2111 नं.	11/02/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।
हस्ता.
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, रीवा मण्डल रीवा
संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति क्र. 08 / 2025-26

क्रमांक 50/ग्रा.यां.से./2026 रीवा, दिनांक 7/01/2026

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से Cover - 3 (तीन लिफाफा पद्धति) राशि रु. 1.00 से अधिक एवं Cover -2 (दो लिफाफा पद्धति) राशि रु. 1.00 करोड़ तक के आधार पर ऑनलाईन प्रतिशत दर निविदा प्रपत्र एपेंडिक्स 2.10 अनुसार निविदायें लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निम्नलिखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

क्र.	ग्रा.यां.से. संभागीय कार्यालय	सिस्टम आई.डी. नम्बर	कार्य का प्रकार	कार्यों की संख्या	निर्माण कार्यों की अनुमानित लागत (लाख)	एस.ओ.आर./ आमंत्रण का क्रम
1	मैहर	2026_RES_473890	शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास बड़ाइटमा में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	01	37.86	11.04.2022 प्रथम
2	सतना	2026_RES_473891	आदिवासी बालक आश्रम शाला मोटवा में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	01	37.86	11.04.2022 प्रथम
3	सतना	2026_RES_473892	आदिवासी बालक आश्रम शाला बरौधा में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	01	47.32	11.04.2022 प्रथम
4	सतना	2026_RES_473893	आदिवासी बालक आश्रम शाला चितहरा में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	01	28.40	11.04.2022 प्रथम
5	सतना	2026_RES_473894	शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास सितपुरा में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	01	41.25	11.04.2022 प्रथम
6	सतना	2026_RES_473896	सितपुरा से सतना नदी तक एवं सतना नदी तरहटी सोहावल तक बायपास निर्माण कार्य।	01	125.30	11.04.2022 प्रथम
7	मैहर	2026_RES_473898	पैकेज क्रमांक 1277 शा. हायर सेकेंड्री स्कूल अजवाईन में फिजिक्स, कैमिस्ट्री एवं बायोलॉजी लैब निर्माण कार्य।	03	48.58	11.04.2022 प्रथम
			कुल योग:-		366.57	

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने का **दिनांक 12.01.2026** से प्रारंभ होकर **दिनांक 02.02.2026** समय 17:30 बजे शाम तक क्रय एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी । संशोधन संबंधी सूचनाएं केवल वेबसाईट पर ही अपलोड की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र बिड जमा करें। वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा ।

अधीक्षण यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
रीवा मण्डल रीवा

जी-24208/25 पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

भारतीय सितारों के सामने न्यूजीलैंड की अनुभवहीन टीम की कड़ी परीक्षा

दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज का पहला वनडे आज दोपहर 1:30 बजे से प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर निगाहें कोहली और रोहित पर

जेएनएन, वडोदरा

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रविवार को खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है, लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिये से सीरीज अहम है। अगले महीने वाली टी-20 विश्व कप के कारण वनडे सीरीज की अहमियत थोड़ी कम है, लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड के लिए चीजें काफी अलग हैं, क्योंकि उनकी टीम के 15 में से आठ खिलाड़ी अब तक भारत में पहले कभी नहीं खेले हैं। दो ऐसे भी हैं, जो अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही नहीं खेले हैं, तो वहीं एक ने कभी वनडे नहीं खेला है। पांच ऐसे हैं, जिन्होंने 10 से कम मैच खेले हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि टी-20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है और 31 वर्षीय इस बल्लेबाज का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से रिषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम है। मैच से पहले रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप, वॉशिंगटन और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे।

कीवियों के पास नए खिलाड़ियों को परखने का मौका

न्यूजीलैंड के लिए पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत से मिली हार का खास महत्व नहीं है, क्योंकि यह सीरीज और दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मौका है। टीम 2024-25 में भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज में मिली 3-0 की ऐतिहासिक जीत की योजना को वनडे सीरीज में भी आजमाना चाहेगी। कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की अगुआई करेंगे। नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे सीरीज से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। पूर्व कप्तान केन विलियमसन दक्षिण अफ्रीका में एसए20 लीग में टी-20 प्रतिबद्धताओं को निभा रहे हैं। रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है। पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी-20 सीरीज पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। जेडन लेनॉक्स को सैंटनर के समान विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड टीम में कई नए और अनुभवहीन चेहरों के बीच डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल यंग और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी से बल्लेबाजी मजबूत है।

"मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है, उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। मैं हमेशा वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं, इससे जीवन आसान हो जाता है। जब हमने पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे खेले थे, तब मेरा पदार्पण हुआ था और मैं हमेशा उस दिन को संजोकर रखता हूं। किसी भी प्रारूप को आसान नहीं मानना चाहिए। अगर आप देखें, तो भारतीय टीम ने 2011 के बाद कोई वनडे विश्व कप नहीं जीता है। ऐसे में कोई भी प्रारूप आसान नहीं होता और इसके लिए बहुत मेहनत और दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है। कप्तान के रूप में बहुत कुछ करना होता है, आपको गति बनानी होती है और उसी पर निर्माण करना होता है।

- शुभमन गिल

पिच और परिस्थिति

शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा। यह पहला मौका होगा, जब कोटाम्बी स्थित बड़ोदा क्रिकेट संघ के नए स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे सीरीज की मेजबानी कर चुका है।

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), रिषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंडः माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

खेल एक नजर

नीरज चोपड़ा ने किया कोच जान जेलेज्नी से करार खत्म

नई दिल्ली, जेएनएन। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने शनिवार को चेक गणराज्य के दिग्गज कोच जान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी को एक ही सत्र के बाद समाप्त करने की घोषणा की। चोपड़ा ने जेलेज्नी के साथ करार खत्म करने का कारण नहीं बताया, लेकिन कहा कि यह सफर 'प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव' से भरा रहा। जेलेज्नी के नाम इस खेल का विश्व रिकॉर्ड है और इस प्रतिष्ठित दिग्गज के मार्गदर्शन में चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का थ्रो फेंका था। चोपड़ा ने अपने अनुभव पर बात करते हुए कहा कि बचपन से जिस एथलीट को वह आदर्श मानते थे, उन्हीं से खेल के गुर सीखना उनके लिए सपना पूरा होने जैसा था और इससे उन्हें अभ्यास, तकनीकी विचार और ताजा दृष्टिकोण का बिलकुल नया टूलबॉक्स मिला। हरियाणा के इस एथलीट ने कहा कि जान जेलेज्नी के साथ काम करने से मुझे कई नए विचार मिले।

गेंदबाजी एक्शन को लेकर पाक तेज गेंदबाज जमां खान जांच के दायरे में

कराची, जेएनएन। पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज जमां खान शनिवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मैच के दौरान अपने 'स्लिंगशॉट' गेंदबाजी एक्शन को लेकर जांच के दायरे में आ गए। सिडनी थंडर के लिए 82 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर को बार-बार जमां के गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठाते और इस गेंदबाज का सामना करने के बाद मैदानी अंपायर से इस मुद्दे को उठाते देखा गया। पाकिस्तान के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी की जगह ब्रिस्बेन हीट से जुड़े जमां सत्र के अपने पहले मैच में संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने तीन ओवर में 32 रन लुटा दिए। जमां की गेंदबाजी पर चिंता व्यक्त करने के बावजूद ब्रिस्बेन हीट ने सात विकेट से जीत दर्ज की। यह घटना पाकिस्तान के एक अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद हसनैन से जुड़े पुराने विवाद की याद दिलाती है।

सबालेंका-मार्ता में खिताबी मुकाबला

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस

ब्रिसबेन, जेएनएन। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। रविवार को फाइनल में उनका सामना यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक से होगा। 23 साल की कोस्तयुक ने चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-0, 6-3 से शिकस्त दी। मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने पैट राफ्टर एरिना में खेले गए मुकाबले में चौथे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। कीज ने पिछले साल मेलबर्न पार्क में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सबालेंका को हराकर पहला ग्रैंड स्लैम जीता था।

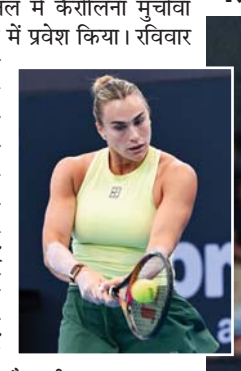

स्वितोलिना की भिड़ंत वांग शिंजु से

ऑकलैंड। शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने शनिवार को अमेरिकी युवा इवा जोविक को 7-6 (5), 6-2 से हराकर दूसरी बार ऑकलैंड डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना इससे पहले 2024 में भी इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं, जिसमें उन्हें अमेरिकी स्टार कोको गॉफ से हार का सामना करना पड़ा था। अब रविवार को होने वाले फाइनल में स्वितोलिना का मुकाबला चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त वांग शिंजु से होगा। इंग ने दूसरे सेमीफाइनल में फिलीपींस की चौथी वरीय एलेक्जेंड्रा ईला को 5-7, 7-5, 6-4 से हराया।

डब्ल्यूपीएल डबल हेडर: मुंबई ने दिल्ली को हराया, गुजरात की यूपी पर 10 रन से जीत

गत चैंपियन मुंबई की पहली जीत

जेएनएन, नवी मुंबई

कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 74) के अर्धशतक, नैटली सिवर ब्रंट (70 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और निकोला कैरी की शानदार गेंदबाजी से गत चैंपियन मुंबई इंडियंस ने शनिवार को डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रन से हराया। मुंबई के चार विकेट पर 195 रन के प्रतिस्पर्धी स्कोर के जवाब में दिल्ली चिनेली हेनरी (33 गेंद में 56 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। कैरी और अमेलिया केर के तीन-तीन विकेट झटके। आरसीबी के खिलाफ खराब प्रदर्शन के एक दिन बाद 33 साल की ऑलराउंडर सिवर ब्रंट ने शानदार वापसी करते हुए 46 गेंद की पारी में 13 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत के साथ मिलकर मौजूदा चैंपियन की पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी से टीम के प्रतिस्पर्धी स्कोर की नींव बनी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली ने पावरप्ले में चार अहम विकेट गंवा दिए थे, जिससे टीम उबर ही नहीं सकी जिसमें निकोला कैरी (37 रन देकर तीन विकेट) के दो विकेट महत्वपूर्ण साबित हुए। चौथे ओवर में लिजेल ली (10) के आउट होने के बाद कैरी ने पांचवें ओवर में शेफाली वर्मा (08) और लौरा वोलवार्ट (09) को बोल्ड कर दिया। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (01) को शबनीम इस्माइल (14 रन देकर एक विकेट) ने शिकार बनाया। इससे 5.2 ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर 33 रन था।

अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीती गुजरात

नवी मुंबई, जेएनएन। गुजरात जाएंट्स ने हाई-स्कोरिंग मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 10 रन से हराते हुए सीजन की शुरुआत जीत के साथ की है। इस मैच में दोनों टीमों से मिलाकर कुल 21 छक्के लगे जो किसी महिला टी-20 मैच में लगे सबसे ज्यादा छक्के हैं। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर कप्तान एशले गार्डनर (65) और जॉर्जिया वेयरहैम (10 गेंद में नाबाद 27 रन) की पारियों की बदौलत गुजरात ने चार विकेट पर 207 रन बनाए। अनुष्का शर्मा ने 44 और सोफी डिवाइन ने भी 38 रन की उम्दा पारी खेली। गुजरात का अपना यह सर्वोच्च स्कोर है। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड (40 गेंद में 78 रन) ने यूपी को दौड़ में बनाए रखा, लेकिन 16वें ओवर में उनके आउट होने के बाद गुजरात ने मैच पर शिकंजा कस लिया। यूपी वारियर्स ने आठ विकेट पर 197 रन बनाए। आशा शोभना ने 10 गेंद में नाबाद 27 रन बनाए। गुजरात के लिए आस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम ने 30 रन देकर दो विकेट लिए। रेणुका सिंह और सोफी डेवाइन को भी दो-दो विकेट मिल।

डियाज के गोल से मोरक्को अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के सेमीफाइनल में

रबात, जेएनएन। ब्राहिम डियाज के लगातार पांचवें मैच में गोल से मेजबान मोरक्को ने कैमरून को 2-0 से हराकर 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' के सेमीफाइनल में जगह बना ली। डियाज ने 27वें मिनट में कॉर्नर से आयूब एल काबी के हेडर को गोल में बदला, जबकि इस्माइल सैबरी ने 74वें मिनट में दूसरे गोल के साथ टीम की जीत पक्की कर दी। इससे पांच बार के चैंपियन कैमरून का सफर सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले ही खत्म हो गया। मोरक्को के सामने बुधवार को सेमीफाइनल में नाइजीरिया और अल्जीरिया के बीच खेले जाने वाले अंतिम आठ मैच के विजेता की चुनौती होगी। क्वार्टर फाइनल के अन्य मुकाबले में सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही माली की टीम को 1-0 से हराया। इस मैच का इकलौता गोल इलिमन नदिये ने 27वें मिनट में किया। साल 2021 की चैंपियन टीम को सेमीफाइनल में आइवरी कोस्ट और मिस्र के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ना होगा।

भोपाल ने उज्जैन डिवीजन को आठ विकेट से पराजित किया

भोपाल, खेप्र। भोपाल डिवीजन ने हीरालाल गायकवाड़ ट्रॉफी अंडर-18 बॉयज इंटर डिवीजनल मल्टी डे क्रिकेट टूर्नामेंट में उज्जैन को आठ विकेट से शिकस्त दी। इस जीत से भोपाल डिवीजन को 6 अंक प्राप्त हुए। एमपीसीए द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में उज्जैन से मिले 70 रन के लक्ष्य का पीछा भोपाल ने 22.2 ओवर में दो विकेट खोकर जीत दर्ज की। कनिष्क गौतम ने नाबाद 41 और आलिफ हसन ने नाबाद 13 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच ओजस शुक्ला (162 रन) को दिया गया।

मलेशिया ओपन: सेमीफाइनल में वांग से हारी सिंधू, भारतीय चुनौती समाप्त

कुआलालंपुर, जेएनएन। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू का शानदार सफर शनिवार को सत्र के पहले मलेशिया ओपन सुपर 1000 के महिला एकल सेमीफाइनल में चीन की वांग झियी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू विश्व नंबर दो खिलाड़ी के दबाव को झेल नहीं पाई और 6-21, 15-21 से हार गई। उन्होंने मुकाबले में कई गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा। पिछले साल अक्टूबर से पैर की चोट के कारण मैदान से बाहर रहीं सिंधू अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही थीं। वह दूसरे गेम में एक समय 11-6 की बढ़त के साथ वापसी कर रही थी, लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर भी समाप्त हो गया। सिंधू ने शुरुआत में बेहतर रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी।

सिटी स्पोर्ट्स

मुक्केबाज मलिका, माही और अंजलि ने जीता कांस्य पदक

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य मुक्केबाजी अकादमी की खिलाड़ियों ने 9वीं एलीट राष्ट्रीय चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते। यह चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में तीन से 10 जनवरी तक खेली गई। पदक विजेता खिलाड़ियों में मालिका मोर (48 किग्रा भारवर्ग), अंजलि सिंह (57 किग्रा भारवर्ग) और माही लामा (60 किग्रा भारवर्ग) शामिल है। इस प्रदर्शन के आधार पर इन तीनों मुक्केबाजों का चयन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए किया गया। यह कैंप पटियाला (पंजाब) में 12 जनवरी से 20 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह सभी खिलाड़ी मप्र अकादमी में मुख्यकोच रोशनलाल से प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

वॉमिक और विवेक के दोहरे प्रदर्शन प्रदेश टुडे और पीपुल्स की टीमें जीतीं

भोपाल, खेप्र। वॉमिक खान (44 रन व तीन विकेट) के दोहरे प्रदर्शन की बदौलत प्रदेश टूडे ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को 39 रनों से हराकर 31वें आईईएस डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में आसान जीत दर्ज की है। जबकि पीपुल्स ने अटल न्यूज को आठ विकेट से हराया। विभागीय ग्रुप में डीजीपी इलेवन और जनसंपर्क ने जीत दर्ज की। ओल्ड कैंपियन मैदान पर प्रदेश टुडे ने 18 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बनाए। इलेक्ट्रानिक मीडिया के जीतू बागरे और मनोज नामदेव ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में इलेक्ट्रानिक मीडिया 14.4 ओवर में 74 रनों पर आउट हो गई। अन्य मैच में अटल न्यूज ने अकबर (64) के अर्धशतक की बदौलत 134 रन बनाए। जवाब में पीपुल्स ने विवेक साध्य (63) और संजय शर्मा (47) की पारियों की बदौलत 13.4 ओवर में दो विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। बाबे आली मैदान पर नगर निगम कमिश्नर इलेवन ने 9 विकेट पर 137 रन बनाए। डीजीपी इलेवन के अरुण सिंह ने चार विकेट लिए। जवाब में डीजीपी इलेवन ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 138 रन बना दिए। दिशांत खरे ने 56 रनों की पारी खेली। अन्य मैच में जनसंपर्क ने डॉक्टर को 6 रन से हराया। जनसंपर्क ने छह विकेट पर 176 रन बनाए। कप्तान अनुराग उइके ने अविजित 70 और तोषी ने 65 रन बनाए। डॉक्टर इलेवन आठ विकेट पर 168 रन बना सकी ।

रायसेन की टीम हॉकी चैंपियन

भोपाल, खेप्र। रायसेन की टीम ने सीनियर राज्य महिला हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल में जबलपुर को 3-2 से पराजित कर पहली बार खिताब पर कब्जा जमाया। यह प्रतियोगिता बालाघाट के मूलना हॉकी स्टेडियम में खेली गई। रायसेन ने समीफाइनल में भोपाल को 3-2 से शिकस्त दी थी। इससे पहले रायसेन की लड़कियों ने उज्जैन को 8-1 से, देवास को 10-0 से और ग्वालियर को 2-0 से हराया था। जिला कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा, जिला पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता और जिला खेल अधिकारी जलज चतुर्वेदी ने विजेता टीम को बधाई दी।

अस्मिता लीग में रुक्मणी दांगी और चंद्रकला-मोनिका ने जीते स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। रुकमणी दांगी और चंद्रकला कुशवाहा व मोनिका की जोड़ी ने महिला अस्मिता लीग में स्वर्ण पदक जीते। भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण एवं भारतीय कयाकिंग एवं केनोइंग संघ द्वारा शहर की छोटी झील पर यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। के-1 में रुक्मणी दांगी ने 51.75 का समय लेकर पहला स्थान प्राप्त किया। कुलसुम 52.45 और मीणा देवी 53.79 समय के साथ क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहीं। के-2 में चंद्रकला कुशवाहा-मोनिका की जोड़ी ने 47.79 का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। प्रियांशी रजक-माही रावत (48.72) ने रजत और आस्था दांगी-दीपाली (49.53) ने कांस्य जीता। मप्र कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ के सचिव मयंक ठाकुर ने बताया कि अस्मिता कप के तहत सी-1, सी-2 व सी-4 तथा के-1, के-2 व के-4 की 200 मीटर के इवेंट आयोजित किए जा रहे हैं।

केसी त्यागी की जदयू से छुट्टी

पटना, जेएनएन। जदयू के सीनियर नेता केसी त्यागी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की है।

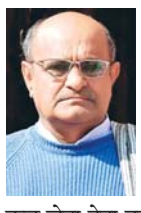

हालांकि, जदयू के बड़े नेताओं ने केसी त्यागी की इस मांग से पल्ला झाड़ लिया है। पार्टी का कहना है कि ये उनकी व्यक्तिगत राय है और पार्टी का उनसे कुछ लेना देना नहीं। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, ये पार्टी की राय नहीं है ये उनकी अपनी राय है। पार्टी में इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, केसी त्यागी जी क्या बोलते हैं, उससे जदयू का कोई लेना-देना नहीं है। जदयू पार्टी प्रवक्ता राजीव रंजन के बयान से यह साफ हो गया है कि जेडीयू का अब केसी त्यागी से कोई औपचारिक संबंध नहीं रह गया है। हाल के दिनों में केसी त्यागी के कुछ बयानों और गतिविधियों को लेकर पार्टी में असंतोष की खबरें सामने आ रही थीं। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने पार्टी लाइन से अलग जाकर बयान दिए थे, जिसके बाद जेडीयू आलाकमान ने उनसे दूरी बनाने का फैसला किया। केसी त्यागी ने हाल ही में बांग्लादेशी क्रिकेटर को आईपीएल से हटाने के फैसले का विरोध किया था। पार्टी लाइन से अलग जाकर कहा था कि खेल और राजनीति को अलग रखना चाहिए। केसी त्यागी ने अपने पत्र में लिखा था कि जैसे पिछले साल चौधरी चरण सिंह और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया गया था, उसी तरह नीतीश कुमार भी इस सम्मान के हकदार हैं।

ममता का आरोप: गृह मंत्री शाह और सुवेंदु अधिकारी कोयला तस्करी मामले में शामिल

सुवेंदु ने ममता बनर्जी को कानूनी नोटिस भेजकर 72 घंटे में दावों के सबूत मांगे

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें ममता से 72 घंटे के भीतर अपने दावों के सबूत मांगे हैं। सुवेंदु ने कहा कि ऐसा न करने पर वे ममता के खिलाफ मानहानि का केस करेंगे। दरअसल, ममता ने आरोप लगाया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सुवेंदु अधिकारी कोयला तस्करी मामले में शामिल हैं। कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु के जरिए शाह तक जाता है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने कोलकाता में 8 जनवरी को आई-पीएसी कार्यालय में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के विरोध में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां की थीं। सीएम ममता बनर्जी ने ईडी पर दो एफआईआर भी दर्ज कराई है। उन्होंने कोलकाता में मार्च भी निकाला। इसी दौरान बनर्जी ने दावा किया कि उनके पास गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ पेन ड्राइव हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट जज को बिना सुनवाई किए जाना पड़ा: तृणमूल कांग्रेस ने ईडी की तलाशी के खिलाफ हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। उससे पहले ईडी ने भी ममता बनर्जी के खिलाफ संवैधानिक पद का दुरुपयोग करते हुए जबरन अहम दस्तावेज ले जाने के आरोप में 28 पेज की याचिका दायर की थी। 9 जनवरी को दोपहर ढाई बजे से जस्टिस शुभ्रा घोष की बेंच में सुनवाई होनी थी। जज के पहुंचने से पहले ही कोर्ट रूम में भारी भीड़ जमा हो गई। जज ने कोर्ट रूम खाली करने के लिए पांच मिनट दिए और कहा कि जिन वकीलों का इस मामले से कोई संबंध नहीं है वे बाहर चले जाएं। इसके बाद वकील आपस में ही भिड़ गए और हंगामा होने लगा। धक्का-मुक्की भी शुरू हो गई। परेशान होकर जज ने सुनवाई 14 जनवरी तक टाल दी और बाहर निकल गईं।

आई-पैक को 20 करोड़ दिए: ईडी

ईडी ने हाईकोर्ट में दी याचिका में दावा किया है कि बंगाल के कोयला तस्करी नेटवर्क ने 2017-2020 के बीच 2,742 करोड़ का नकद कोष बनाया, जिसमें से करीब 20 करोड़ हवाला के जरिए आई-पैक के गोवा स्थित चुनावी अभियानों तक पहुंचाए। ईडी के अनुसार, आई-पैक के दफ्तर व प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी के दौरान फोरेंसिक जांच चल रही थी, तभी सीएम ममता के पहुंचने के बाद जांच बाधित हुई।

सुवेंदु अधिकारी की पोस्ट...

आज, सीएम ममता बनर्जी ने ईडी की जांच से ध्यान भटकाने की कोशिश में, मेरे खिलाफ बिल्कुल निराधार मानहानिकारक आरोप लगाए और मुझे केंद्रीय गृह मंत्री के साथ कोयला घोटाले से जोड़ा। ये लापरवाह बयान, व्यक्तिगत अपमान से भरे हुए, बिना किसी सबूत के सार्वजनिक रूप से दिए गए। ऐसे निराधार दावों ने न केवल मेरी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है, बल्कि सार्वजनिक चर्चा की गरिमा को भी कम किया है।

शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी पर लगाया हमले का आरोप

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सीनियर बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, शुभेंदु अधिकारी शनिवार रात करीब 8.30 बजे पुरुलिया में एक पब्लिक मीटिंग के बाद लौट रहे थे। आरोप है कि जैसे ही भाजपा नेता का काफिला चौराहे से गुजरा, तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि शुभेंदु की गाड़ी पर डंडों और बांस से हमला किया गया। दोनों तरफ से नारेबाजी और जवाबी नारे लगते रहे। लेकिन कुछ देर तक पब्लिक रोड पर हंगामा करने के बावजूद आरोप है कि पुलिस नहीं दिखी। विपक्षी नेता ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चंद्रकोना पुलिस स्टेशन पर धरना दिया। उनके साथ बीजेपी के कई कार्यकर्ता और नेता भी रहे। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि रूलिंग पार्टी (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने चंद्रकोना रोड का चौराहा पार करने के बाद उनका रास्ता रोक दिया और हमला किया।

भारत में हिजाब पहनने वाली बेटी प्रधानमंत्री बनेगी: ओवैसी

हिंदू राष्ट्र में संभव नहीं, इस्लामिक देश में जाएं : भाजपा

मुंबई, जेएनएन। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि एक दिन हिजाब पहनने वाली बेटी भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। जो पार्टियां आज देश में मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम कर रही हैं, उनकी दुकान अब ज्यादा दिन नहीं चलने वाली। ओवैसी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में आयोजित जनसभा में ये बयान दिया। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा- पाकिस्तान के संविधान में लिखा है कि सिर्फ एक ही धर्म का व्यक्ति प्रधानमंत्री बन सकता है, लेकिन बाबा साहब का संविधान कहता है कि कोई भी भारतीय नागरिक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मेयर बन सकता है। ओवैसी के बयान का जवाब महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने दिया। उन्होंने मीडिया से कहा- ओवैसी हिंदू राष्ट्र में ऐसे बयान नहीं दे सकते हैं। जो लोग ऐसे पदों पर बैठना चाहते हैं, उन्हें अपने इस्लामिक देशों में जाना चाहिए। हम बुर्के वाली और हिजाब पहनने वाली के साथ ओवैसी को भी बैठाएंगे और यहां से भगा देंगे।

भारत का पीएम हमेशा एक हिंदू होगा: हिमंत बिस्वा

असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि संविधान के अनुसार कोई रोक नहीं है। कोई भी प्रधानमंत्री बन सकता है, लेकिन भारत एक हिंदू राष्ट्र और हिंदू सभ्यता वाला देश है। हमें पूरा भरोसा है कि भारत का प्रधानमंत्री हमेशा एक हिंदू होगा। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा- संविधान किसी को नहीं रोकता, लेकिन ओवैसी को चुनौती देता हूं कि पहले आप किसी पसमांदा या हिजाब वाली को एआईएमआईएम का अध्यक्ष बनाएं।

वी2वी तकनीक : आपस में बात करेंगी गाड़ियां, हादसे होंगे कम

नई दिल्ली, जेएनएन। कल्पना कीजिए कि आप घने कोहरे में गाड़ी चला रहे हैं, सामने कुछ दिख नहीं रहा है, लेकिन आपकी कार आपको पहले ही बता दे कि आगे खड़ी गाड़ी कितनी दूर है या पीछे से तेज रफ्तार वाहन आ रहा है और सिस्टम आपको अलर्ट कर दे। सरकार अब इसी तरह की एक खास तकनीकी को वाहनों में देने की योजना पर काम कर रही है। भारत सरकार 2026 के अंत तक देश में व्हीकल-टू-व्हीकल यानी वी2वी कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लागू करने की तैयारी में है। इसका सीधा मकसद है सड़कों पर हादसों की संख्या को कम करना और यात्रियों की जान बचाना है।

सरकार जल्द लागू करेगी वी2वी टेक्नॉलाजी: केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्य परिवहन मंत्रियों के साथ हुई सालाना बैठक के बाद इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में इस टेक्नोलॉजी पर विस्तार से चर्चा हुई है और इसे जल्द लागू किया जाएगा। उनके मुताबिक यह सिस्टम खास तौर पर पार्क की गई गाड़ियों और कोहरे में होने वाले हादसों को रोकने में बेहद कारगर साबित होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर ने इसे रोड सेफ्टी की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया के बहुत कम देशों में इस तरह की तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। भारत में इसे लागू करना एक बड़ी उपलब्धि होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह सिस्टम एक खास डिवाइस के जरिए काम करेगा, जो सिम कार्ड जैसी होगी और गाड़ी में लगाई जाएगी। यह डिवाइस आसपास मौजूद अन्य वाहनों से सिग्नल लेकर जानकारी साझा करेगी।

क्या है वी2वी कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी

वी2वी टेक्नोलॉजी के तहत गाड़ियां आपस में सीधे बातचीत करेंगी। इसके लिए किसी मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट की जरूरत नहीं होगी। जब दो वाहन एक-दूसरे के ज्यादा करीब आएंगे तो सिस्टम तुरंत सिग्नल भेजेगा और ड्राइवर को अलर्ट कर देगा। इससे किसी भी संभावित टक्कर की आशंका काफी हद तक कम हो जाएगी। यह तकनीक खास तौर पर उन हादसों को रोकने में मदद करेगी, जो सड़कों पर खड़ी गाड़ियों और पीछे से तेज रफ्तार में आने वाले वाहनों के बीच होते हैं। सर्दियों में घने कोहरे के कारण होने वाले बड़े हादसों और कई गाड़ियों की टक्कर को भी यह सिस्टम रोक सकता है।

केरल सरकार मलयालम को अनिवार्य बनाने बिल लाएगी

बेंगलुरु, जेएनएन। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को चिट्ठी लिखी, जिसमें उन्होंने केरल सरकार के प्रस्तावित मलयालम भाषा बिल पर चिंता जताई। दरअसल, प्रस्तावित मलयालम विधेयक में कासरगोड जैसे कर्नाटक-केरल की बॉर्डर बसे जिलों के कन्नड़ मीडियम स्कूलों में भी मलयालम को अनिवार्य करने का प्रावधान है। सीएम सिद्धारमैया ने लेटर में लिखा कि अगर बिल पास होता है, तो कर्नाटक भाषाई अल्पसंख्यकों और देश की बहुलवादी भावना की रक्षा के लिए मिलने वाले संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल करके विरोध करेगा। यह पत्र आपसी सम्मान, सहकारी संघवाद और साझा संवैधानिक जिम्मेदारी की भावना से लिख रहा हूं, जिसने लंबे समय से कर्नाटक और केरल के बीच संबंधों को रास्ता बनाया है। मेरी चिंता प्रस्तावित मलयालम भाषा विधेयक को लेकर है, जो कन्नड़-माध्यम के स्कूलों में भी खासकर कासरगोड जैसे सीमावर्ती जिलों में मलयालम को अनिवार्य पहली भाषा बनाता है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- | संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
दिल्ली क्लासीफाइड ₹50/- per word
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 580/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

Requirement

TARANG Edu. Com
(1) Teaching-BSC, Msc-55 Post
(2) Non Teaching 12th Pass-12 Post
MEDI A3 Pharma-70 Post
12th, Bsc, Msc, B.A., M.A. M.Com
Call-9767652798, 9673096935, 7498587973
(11-1)

मध्यप्रदेश शासन | MSME
MADHYA PRADESH STARTUP CENTRE | MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

स्वर्णिम भविष्य की दिशा में बढ़ता युवा

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

MADHYA PRADESH STARTUP SUMMIT-2026
11-12 JANUARY, 2026

11 जनवरी 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
रवीन्द्र भवन, भोपाल

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के स्टार्ट-अप, उद्यमिता एवं नवाचार को सशक्त बनाने हेतु राज्यस्तरीय आयोजन

- इनक्यूबेटर, एक्सेलेरेटर एवं वित्तीय संस्थानों की सहभागिता
- नीति, फंडिंग एवं वैश्विक अवसरों पर परिचर्चा
- स्टार्ट-अप पिचिंग सत्र एवं निवेशक संवाद
- हैक एंड मेक हैकाथॉन का आयोजन
- थीम आधारित सत्र एवं मास्टर क्लास
- 150+ स्टार्ट-अप्स को हितलाभ वितरण
- मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत स्टार्ट-अप्स को विशेष सहायता

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D-11182/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

इंदौर के लालबाग में बनेगा ओपन थियेटर

जागरण, इंदौर। लालबाग में जून 2025 से शुरू हुए सौंदर्यीकरण के कामों में मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम ने तेजी ला दी है। यहां ओपन थिएटर भी बनना है, जिसे लेकर निविदा जारी कर दी है। अब लालबाग का पूरा परिसर भी सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगा। अगले साल तक सारे काम यहां पूरे कर लिए जाएंगे। लालबाग के भीतर का काम दिल्ली की आईजीएनसीए के जिम्मे है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में अनुभूति शिविर आयोजित

जागरण, मंडला। जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही परिक्षेत्र में एक दिवसीय अनुभूति शिविर का आयोजन किया। इसका उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण को बढ़ावा देना था। शिविर में शासकीय माध्यमिक एवं हाई स्कूल मांझीपुर, शासकीय प्राथमिक शाला प्रेमनगर, अजयनगर और केडब्लूएसएन बॉयज हॉस्टल माधोपुर के दिव्यांग बच्चों सहित कुल 124 छात्र-छात्राएं तथा 15 शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

''ट्वीट ऑफ द डे''

शुभमन गिल
भारतीय क्रिकेटर

मेरा मानना है कि मैं वहीं हूं जहां मुझे होना चाहिए। एक खिलाड़ी के तौर पर आपको यह विश्वास होता है कि अगर आप विश्व कप में खेलते हैं तो आप अपनी टीम के लिए और अपने देश के लिए जीत हासिल करेंगे। मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं और टी20 टीम को मेरी शुभकामनाएं। मुझे पूरी उम्मीद है कि वे हमारे लिए विश्व कप जीतेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पीएम रिपोर्ट में खुलासा करंट से बाघिन की मौत

जागरण, मंडला। जिले के अंजनिया परिक्षेत्र में मिले बाघिन के शव के पीएम में बड़ा खुलासा हुआ है। शनिवार को हुई जांच में पुष्टि हुई कि बाघिन की मौत बिजली के करंट से हुई थी, उसकी उम्र 14 से 16 माह के बीच थी। वनकर्मियों ने गश्त के दौरान अंजनिया बीट क्षेत्र में बाघ का शव देखा था, जिसके बाद वरिष्ठ वन अधिकारियों को सूचित कर पूरे इलाके की घेराबंदी की। वन विभाग ने मौके पर डॉग स्क्वॉयड बुलाकर प्रारंभिक जांच भी की थी। पूर्व सामान्य वनमंडल की डीएफओ प्रीता एसएम ने बताया कि रात को अंधेरा होने से विस्तृत जांच संभव नहीं हो पाई थी। शनिवार सुबह वन्यजीव विशेषज्ञ डॉक्टर ने शव का पीए किया, जिसमें करंट लगने से बाघिन की मौत की पुष्टि हुई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने एक जांच टीम गठित की है। टीम घटनास्थल के चार किमी के दायरे में सघन जांच कर रही है, ताकि करंट फैलने के कारण और जिम्मेदारों का पता लगाया जा सके। आगे की कार्रवाई पीएम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर होगी।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना
ट्रैक बिछाने के साथ विद्युतीकरण कार्य शुरू

जागरण, धार। इंदौर-दाहोद रेल परियोजना का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। रेलवे ट्रैक बिछाने के साथ-साथ अब इस परियोजना में विद्युतीकरण (इलेक्ट्रिफिकेशन) का कार्य भी शुरू हो गया है। रेल लाइन के पास ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन के लिए बिजली के खंभे लगाने का काम शुरू हो चुका है, जो परियोजना के अगले महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश का संकेत है। रेलवे के पीआरओ मुकेश कुमार के मुताबिक इंदौर-दाहोद रेल परियोजना में विद्युतीकरण से संबंधित कार्य तेजी से चल रहा है। अलग-अलग हिस्सों में एक साथ बिजली के खंभे लगाए जा रहे हैं और सभी कार्य निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। रेलवे प्रशासन का लक्ष्य है कि परियोजना का कार्य तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। इस परियोजना के तहत आधुनिक मानकों के अनुरूप रेलवे ट्रैक, विद्युतीकरण और अन्य तकनीकी कार्य समानांतर रूप से किए जा रहे हैं। इससे इस मार्ग पर ट्रेनों के संचालन में गति, सुरक्षा और सुविधा में सुधार होगा। धार जिले के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लिए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बदलेगा मौसम: मावठा के आसार, फिर एक बार लौटेगी तेज ठंड

▸ वेस्टर्न डिस्टरबेंस हुआ सक्रिय ▸ जम्मू-कश्मीर व हिमाचल में भारी बर्फबारी की संभावना ▸ राजधानी में तीन से चार दिन दिख सकता है असर

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी सहित प्रदेश के कई जिलों में दिन का तापमान 27 डिग्री तक पहुंच रहा है। जबकि रात का पारा 7 से 9 डिग्री के बीच बना हुआ है। तापमान की यह रेंज सर्दी का कम एहसास करा रही है। जिससे कयास लगाए जाने लगे हैं कि ठंड जा रही है। लेकिन ऐसा नहीं है, मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार इस समय उत्तरी पाकिस्तान और पंजाब क्षेत्र के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जिसकी वजह से हवाओं की गति तेज है और वह नमी पैदा कर रही हैं। ऐसी स्थिति में हिमालयी क्षेत्र, जम्मू-कश्मीर, व उत्तराखंड में भारी बर्फबारी की आशंका है। जबकि राजस्थान में बारिश हो सकती है। इस आधार पर मप्र के कई जिलों में मावठा गिरने की प्रबल संभावना है। इसी आधार पर मौसम केंद्र भोपाल ने संभावना जताई है कि दो से तीन दिन में एक बार फिर तेज ठंड लौट सकती है। कई जिलों में घना कोहरा और शीत लहर चलने के आसार हैं।

मध्यप्रदेश का उत्तरी हिस्सा ज्यादा ठंडा

मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड फिलहाल उत्तरी हिस्से में पड़ रही है। यहां ठंड और घने कोहरे का असर ज्यादा है। बीती रात प्रदेश के 25 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। छतरपुर का खजुराहो लगातार दूसरी रात सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 3.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में घना कोहरा छाया रहा। भोपाल, इंदौर, रायसेन, शाजापुर, विदिशा समेत कई जिलों में भी कोहरे का असर देखने को मिला है। शनिवार सुबह कोहरे की वजह से मालवा, सचखंड, झेलम, पंजाब मेल समेत कई ट्रेनें निर्धारित समय से लेट चल रही हैं। मालवा एक्सप्रेस साढ़े 3 घंटे लेट है। यह ट्रेन सुबह 7.25 बजे भोपाल आ जाती है, लेकिन आज यह दोपहर 12 बजे तक आएगी। मुरैना में आज सुबह घना कोहरा छाया रहा।

उत्तराखंड में पिथौरागढ़ में झरना जमा, जैसलमेर का तापमान 4.6 डिग्री , बिहार के 32 जिलों में शीतलहर; यूपी में कोहरा, 50 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली, जेएनएन। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के चलते तापमान में खासी गिरावट हुई है। उत्तराखंड में पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी में शुक्रवार रात पारा -19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। शनिवार सुबह छिड़कानी में पानी के झरने जमे हुए नजर आए। चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग में पानी की पाइपलाइन जम गई है। इधर, पहाड़ी राज्यों से आ रही बर्फीली हवाओं से राजस्थान में सर्दी बढ़ गई है। 13 जिलों में कोहरे और शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को जैसलमेर सबसे ठंडा शहर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, बिहार के 32 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। इससे विजिबिलिटी 10 मीटर के आसपास रहने की संभावना है।16 जिलों में पारा 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। उप्र में 30 शहरों में शनिवार सुबह कोहरा छाया। कोहरे का असर ट्रेन और फ्लाइटों पर दिखा। गोरखपुर, लखनऊ और वाराणसी समेत तमाम स्टेशनों पर 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

मौसम का हाल

11 जनवरी: पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश में घने कोहरे का अलर्ट, कड़ाके की सर्दी रहेगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी का अलर्ट।
12 जनवरी-मैदानी राज्यों में बारिश: उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा में कोहरे के साथ हल्की बारिश का अलर्ट। पहाड़ी राज्यों में तापमान और गिर सकता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी जारी रहेगी।

आरवीएनएल का कमाल: भुरभुरी मिट्टी के पहाड़ में बना रहे 8.6 किमी लंबी सुरंग

इंदौर-बुधनी नई रेल लाइन परियोजना का हिस्सा है टनल, पहले चरण में 100 मीटर की खुदाई का काम पूरा

नगर संवाददाता, भोपाल। आरवीएनएल (रेल विकास निगम लिमिटेड) द्वारा इंदौर से बुधनी के बीच नई रेल लाइन डाली जा रही है। मप्र में यह रेल मंत्रालय का बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है। प्रोजेक्ट के तहत आरवीएनएल ने हाल ही में एक कठिन कार्य को अंजाम दिया है। आरवीएनएल एडवांस मशीनों और टेक्नोलॉजी की मदद से 8.6 किलोमीटर टनल का निर्माण किया जा रहा है। जिसके पहले चरण में 100 मीटर की खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। यह काम दो महीने में पूरा हो सका। इस काम की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जिस पहाड़ को काटकर सुरंग बनाई जा रही है, वह धसकती और नरम मिट्टी का पहाड़ है। यानि यहां खुदाई के दौरान निरंतर यह खतरा बना रहता है कि ऊपर से पूरा पहाड़ धसक न जाए। आरवीएनएल के इंजीनियरों ने इस चुनौती का सामना करते हुए खुदाई के काम पूरा किया और 8.6 किमी की सुरंग के पहले पोर्टल को खोल दिया।

सेंसर लगाकर किया जा रहा कामः आरवीएनएल द्वारा सुरंग निर्माण का काम काफी एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर किया जा रहा है। टनल के अंदर और सतह पर सेंसर जैसे पीजोमीटर और इनक्लिनोमीटर लगाए गए हैं। यह डेटा रीयल-टाइम में यह बताता है कि जमीन में कितना दबाव या हलचल हो रही है, जिससे किसी भी खतरे का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। सेंसर पहाड़ की मिट्टी धंसने की पल पल की खबर देता है। इसके साथ ही इंजीनियरों द्वारा जियोलॉजीकल अध्ययन भी किया है।

दो महीने में 100 मीटर खुदाई का काम पूरा

ऊपर पानी का नाला, नीचे चल रही टीबीएम

जिस पहाड़ के नीचे सुरंग बनाई जा रही है, वहां काम करना इसलिए भी कठिन था क्योंकि पहाड़ के ऊपर नाला बहता है। उसे नाले के पानी के रिसने का खतरा भी बना रहता है। सुरंग खोदने के लिए एजेंसी द्वारा टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का इस्तेमाल किया जा रहा है। सुरंग खुदाई का कितना चुनौतीपूर्ण है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दो महीने में 100 मीटर की खुदाई हो सकी। यानि हर दिन लगभग सिर्फ 2 मीटर की खुदाई पूरी हो सकी।

तीन गांव, दो तहसीलों से गुजर रही टनल

इंदौर-बुधनी नई रेल परियोजना के तहत बनाई जा रही यह सुरंग देवास जिले की बागली और कन्नौद तहसीलों से होकर गुजर रही है। इसके साथ ही तीन गांव कमलापुर, थालघेवारिया एवं हटनौरा गांव इसमें मुख्य रूप से शामिल हैं

घोड़े की नाल का आकार चौड़ाई 8 मीटर

देवास जिले में बन रही इस सुरंग की जहां लंबाई 8.6 किलो मीटर है, वहीं इसकी चौड़ाई 8 मीटर है। इसके साथ ही इस टनल की सबसे आकर्षक बात यह है कि इसका आकार घोड़े की नाल की तरह घुमावदार है।

150 किमी कम होगी इंदौर-जबलपुर की दूरी

इंदौर-बुधनी नई रेल परियोजना इंदौर को बुधनी से जोड़कर भोपाल-इटारसी के भीड़भाड़ वाले मार्ग को बायपास करेगी, जिससे इंदौर-जबलपुर की दूरी लगभग 150 किमी कम होगी और देवास, सीहोर, कन्नौद जैसे क्षेत्रों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इस परियोजना से औद्योगिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और लाखों रोजगार की उम्मीद है, लेकिन भूमि अधिग्रहण और वन क्षेत्र से गुजरने के कारण इसमें देरी हो रही है, हालांकि काम इंदौर और अन्य हिस्सों में शुरू हो गया है। यह नई लाइन इंदौर के मांगलियागांव से शुरू होकर बुधनी के मौजूदा यार्ड से जुड़ेगी, जिससे भोपाल-इटारसी के व्यस्त मार्ग (घाट सेक्शन) को बायपास किया जा सकेगा। इसमें सीहोर, देवास और इंदौर जिलों के नसरुल्लागंज, खातेगांव और कन्नौद जैसे रेल-रहित कस्बों को शामिल किया गया है।

बुरहानपुर स्वास्थ्य विभाग बना जंग का अखाड़ा
सीएमएचओ-सीएस में तनातनी के चलते कर्मचारियों के बीच मारपीट

जागरण, बुरहानपुर। जिले में दो अफसरों के बीच तनातनी के चक्कर में स्वास्थ्य विभाग जंग का अखाड़ा बनकर रह गया है। सीएमएचओ डॉ. आरके वर्मा और जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. प्रदीप मोजेस के बीच चल रही तनातनी अब कर्मचारियों के बीच झूमाझटकी और मारपीट तक पहुंच गई है। रात करीब 11 बजे अस्पताल से लगी नई यूनिट के पास दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हुआ, जिसके बाद शनिवार दोपहर सीएमएचओ कार्यालय के बाबू योगेश गोस्वामी ने लालबाग थाने पहुंच कर सीएस प्रदीप मोजेस और आरएमओ डॉ. भूपेंद्र गौर के खिलाफ शिकायत की है। इसमें उन पर गुंडे बुलवा कर पिटवाने का आरोप लगाया गया है।

सीएमएचओ कार्यालय में होने के कारण बनाया निशानाः पीड़ित योगेश का आरोप है कि उसकी पिटाई केवल इसलिए कराई, क्योंकि वह सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ है और डॉ. वर्मा के आधीन काम करता है। दूसरी ओर आरएमओ डॉ. भूपेंद्र गौर ने भी थाने पहुंच कर शिकायत दी है। इसमें बताया कि योगेश अपने बाहरी दोस्तों के साथ परिसर में पार्टी कर रहा था। पास में ही अस्पताल की सामग्री रखी हुई है। जिसके चोरी होने की आशंका थी। इस कारण युवकों को गार्डों के माध्यम से पकड़कर उनका मेडिकल परीक्षण कराने का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने गुंडे बुला कर पिटवाने सहित सभी आरोपों को झूठा बताया है।

कलेक्टर के पास पहुंची दोनों की शिकायत

राजनीति का अखाड़ा बने स्वास्थ्य विभाग में चल रहे इस घमासान की शिकायत कलेक्टर हर्ष सिंह और विभाग के उच्चाधिकारियों तक भी पहुंची है। इसके बाद कलेक्टर ने दोनों अधिकारियों पर नाराजगी जताई है। अफसरों की तनातनी का असर अस्पताल और विभाग की अन्य गतिविधियों पर पड़ रहा है। विभाग के अधिकारी व कर्मचारी दो खेमों में बंट गए हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी लालबाग अमित जादौन ने बताया कि दोनों पक्षों ने लिखित शिकायत दी है। इस आधार पर जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज भी देखे जाएंगे। इसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर त्रासदी से सबक लो, आंख बंद करने का नतीजा हो सकता है जानलेवा

ग्वालियर में अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, नगर निगम को फटकारा

जागरण, ग्वालियर। हाईकोर्ट ग्वालियर की सिंगल बेंच ने अवैध निर्माण के मामले की सुनवाई के दौरान ग्वालियर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर तीखी टिप्पणी की है। कोर्ट ने इंदौर के भागीरथपुरा हादसे का उल्लेख करते हुए कहा कि नगर निगम यदि अपने वैधानिक दायित्वों का पालन नहीं करेंगे, तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि भागीरथपुरा हादसे में कई लोगों की जान गई, जिसे इंदौर पीठ ने संज्ञान में लिया है। यह स्थिति अपने आप बताती है कि अवैध निर्माण को समय रहते नहीं रोका तो बड़ी त्रासदी से इंकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने ग्वालियर नगर निगम की स्थिति को भी चिंताजनक बताया। कोर्ट ने ननि आयुक्त से कहा कि वे इंदौर की त्रासदी से सबक लें और शहर में अवैध निर्माण के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाएं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि ननि समय रहते कार्रवाई नहीं करता है, तो ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता।

दुकानदारों के बीच विवाद से जुड़ा मामलाः मामला दो दुकानदारों निहालचंद और गोपालचंद के बीच अवैध निर्माण को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ा है। बताया गया कि दीवारें हटाकर 8 दुकानों को 5 दुकानों में बदल दिया था और दुकानों के बाहर टीनशेड का अवैध निर्माण कर दिया था। विवाद सबसे पहले जिला न्यायालय पहुंचा, जहां छठवें अपर जिला न्यायाधीश ने दुकानों के बाहर किए निर्माण को हटाने और आंतरिक दीवारों का पुनर्निर्माण कराने के आदेश दिए थे। इसके बाद निहालचंद ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जहां मामले पर विस्तार से सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने दुकानों के बाहर बिना अनुमति बनाए गए ढांचे को अवैध ठहराते हुए 15 दिनों के भीतर हटाने के निर्देश दिए हैं।

मशीन के बेल्ट में फंसकर मजदूर की मौत, भागे अफसर

जागरण, छिंदवाड़ा। औद्योगिक क्षेत्र में स्थित गुलशन कंपनी में शनिवार शाम एक हृदयविदारक हादसा हो गया। यहां मशीन के बेल्ट की चपेट में आने से एक 52 वर्षीय अनुभवी कामगार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से कंपनी परिसर में भारी तनाव है और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। मृतक का नामधनराज गुजवार निवासी ग्राम कबर पिपला है। काम के दौरान धनराज अचानक मशीन के चलते बेल्ट की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक एक ठेकेदार के अंतर्गत कंपनी में कार्य कर रहा था। हादसे की खबर फैलते ही ग्राम कबर पिपला के ग्रामीण और मृतक के परिजन बड़ी संख्या में कंपनी गेट पर जमा हो गए। ग्रामीणों का आक्रोश देख कंपनी के मैनेजर और अन्य जिम्मेदार अधिकारी सांत्वना देने या स्थिति संभालने की जगह मौके से भाग खड़े हुए।

खंडवा में ज्वैलर्स से मारपीट कर 900 ग्राम सोना और 80 किलो चांदी लूटी

पुलिस-प्रशासन में मचा हड़कंप, जगह-जगह नाकेबंदी कर लुटेरों की तलाश

जागरण, खंडवा। जिले के पुनासा में सर्राफा व्यापारी से 2 करोड़ से अधिक की लूट हो गई। बदमाश ज्वैलर्स संचालक से मारपीट कर 900 ग्राम सोना और 80 किलो चांदी लेकर रफूचक्कर हो गए। इस वारदात में सात बदमाश शामिल थे। वारदात की भनक लगते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। वहीं घायल ज्वैलर्स संचालक को सनावद रेफर किया है। इसके साथ ही पुलिस लुटेरों की तलाश में जुटी है।

दरअसल पूरा मामला पुनासा थाना क्षेत्र का है। सीसीटीवी से आए फुटेज के अनुसार पूरी घटना सोलंकी मार्केट स्थित कृष्णा ज्वेलर्स की बताई जा रही है। दुकान संचालक राकेश सोनी देर शाम अपनी दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहा था। इस दौरान उन्होंने दुकान की ज्वेलरी को दो बैगों में रखा। उसी दौरान वहां घात लगाए बैठे 7 हथियारबंद बदमाश आए और अचानक हमला बोल दिया। लूट के बाद बदमाश धाराजी रोड की ओर भागे। जब दुकानदारों और लोगों ने पीछा किया तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली चलने की आवाज से बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाकर दुकानों के शटर गिराकर अंदर छिप गए।

आरोपियों की तलाश के लिए टीमें की गठित

घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनोज राय और ग्रामीण एएसपी राजेश रघुवंशी मौके पर पहुंचे। एसपी मनोज कुमार राय ने बदमाशों को पकड़ने के लिए अलग अलग टीम गठित की है। बदमाशों पर पुलिस ने 10 हजार का इनाम रखा है। धाराजी रोड पर नाकाबंदी कर दी गई है। आसपास के गांवों और जंगल क्षेत्रों में सर्चिंग जारी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और वाहनों की सघन जांच की जा रही है। पुलिस ने केस दर्ज कर बदमाशों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं।

रिपोर्ट 2025 में मजबूत हुआ ऑफिस रियल एस्टेट बाजार, साल-दर-साल 20 प्रतिशत की वृद्धि

ऑफिस लीजिंग का बना रिकॉर्ड, 8.64 करोड़ वर्गफुट का उच्चतम स्तर छुआ

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के ऑफिस रियल एस्टेट बाजार ने वर्ष 2025 में अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन किया है। नाइट फ्रैंक इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश में वार्षिक ग्रॉस ऑफिस लीजिंग 8.64 करोड़ वर्ग फुट (86.4 मिलियन स्क्वायर फीट) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। लीजिंग गतिविधि में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे 2024 का पिछला रिकॉर्ड भी टूट गया। यह आंकड़ा 2019 (कोविड-पूर्व) के स्तर की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। यह उछाल दर्शाता है कि कंपनियों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है और भारत एक वैश्विक बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में तेजी से उभर रहा है।

इसके बाद

- **हैदराबाद-** 1.14 करोड़ वर्ग फुट
- **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-** 1.13 करोड़ वर्ग फुट
- **पुणे-** 1.08 करोड़ वर्ग फुट
- **चेन्नई-** 1.01 करोड़ वर्ग फुट

मांग और आपूर्ति के इस असंतुलन का असर किरायों पर भी दिखा। सभी प्रमुख बाजारों में किरायों में मजबूती आई।

10% की सालाना बढ़ोतरी एनसीआर और हैदराबाद में

06% की वृद्धि मुंबई और बेंगलुरु में दर्ज की गई

बेंगलुरु ने देश के सबसे बड़े ऑफिस मार्केट के रूप में अपना दबदबा कायम रखा और यहां 2.8 करोड़ वर्ग फुट (28 मिलियन स्क्वॉयर फीट) की लीजिंग हुई, जो इस शहर के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इन सभी शहरों ने 1 करोड़ वर्ग फुट का आंकड़ा पार किया, जबकि मुंबई 98 लाख वर्ग फुट के साथ इस स्तर से थोड़ा पीछे रह गई। रिपोर्ट में बताया है कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स ने ऑफिस स्पेस की मांग में सबसे बड़ी भूमिका निभाई और कुल लीजिंग का 38 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं के खाते में गया। अकेले बेंगलुरु ने जीसीसी से जुड़ी लगभग आधी लीजिंग को आकर्षित किया, जिससे यह शोध, तकनीक और वैश्विक संचालन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटर्स और थर्ड-पार्टी आईटी सर्विस कंपनियों ने भी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक लीजिंग दर्ज की। इससे यह साफ होता है कि टेक्नोलॉजी आधारित कंपनियों के बीच फिर से भरोसा और विस्तार की भावना मजबूत हुई है। हालांकि, मांग के मुकाबले नई ऑफिस सप्लाई पीछे रही। 2025 में ऑफिस स्पेस की नई आपूर्ति साल-दर-साल 9 प्रतिशत बढ़कर 5.48 करोड़ वर्ग फुट (54.8 मिलियन स्क्वॉयर फीट) तक पहुंची। इसमें सबसे अधिक योगदान बेंगलुरु और पुणे का रहा। ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस की मांग सबसे अधिक रही और कुल लीजिंग का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा इसी श्रेणी का था। कंपनियां अब आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, टिकाऊ (सस्टेनेबल) इमारतों और लंबी अवधि की ऑपरेशनल दक्षता को प्राथमिकता दे रही हैं। 2026 में भी मांग की यह गति बनी रहने की संभावना है। चूंकि निकट भविष्य में नई सप्लाई सीमित रहने वाली है, ऐसे में भारत का ऑफिस रियल एस्टेट बाजार वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाले बाजारों में शामिल रहेगा।

न्यायपूर्ण व निष्पक्षता के विरुद्ध नहीं दे सकते राहत

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट में एक प्राथमिक शिक्षक ने सेवा से बर्खास्त किए जाने के विरुद्ध याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि याचिकाकर्ता को धोखाधड़ी के प्रकरण में ट्रायल कोर्ट द्वारा सजा से दंडित किया गया है। एकलपीठ ने याचिका निरस्त करते हुए अपने आदेश में कहा है कि न्यायपूर्ण व निष्पक्षता के विरुद्ध न्यायालय अपने अधिकार का उपयोग कर राहत नहीं दे सकता है। सीहोर निवासी रधुनंदन चौलुधरी की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि दायर याचिका में कहा गया था कि वह प्राथमिक शिक्षक के पद पद पदस्थ था। विभागीय जांच के बिना की उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। विभागीय जांच किए बिना सेवा से बर्खास्त किए जाने की कार्यवाही मध्य प्रदेश सिविल सर्विसेज रूल्स के विरुद्ध है। राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता वेदप्रकाश तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि ट्रायल कोर्ट ने याचिकाकर्ता को धारा 420,467 तथा 120 बी के तहत दोषी करार देते हुए सजा से दंडित किया था। जिसके बाद विभाग ने उसे बर्खास्त किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।